Hechan Unus The Gazette of India

पाधकार संप्रकाशित Published by Authority

नं० 3]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 16, 1982 (पौष 26, 1903)

No. 3]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 16, 1982 (PAUSA 26, 1903)

इस भाग में भिन्न पूठठ संख्या बी जाती है जिससे कि यह अ म संक के का में जा जा नके (Separate paging is given to this Part in order that it may be near is separate compilation)

भाग ॥ _ खण्ड

[PART III—SECTION I]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखानरीज्ञह, अंघ लोह तेज आयोग, रेन विकार और नारन सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिभुष्टनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Audit of General the Unit Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attachet and Subordinate Offices of the Government of India)

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्त्रेषण स्यूरा

नद्द विल्ली, विनांक 24 दिसम्बर 1981

सं. ए-19021/9/81-प्रशा :-5--राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी : सी : पाण्डे , भारतीय पूलिस सेवा (1970-गुजरात) को दिनांक 17-12-1981 के पूर्वीस्त से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों , विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक नियमत करते हैं।

दिनांक 26 दिसम्बर 1981

मं रंपी भएक. /जंड-4/65-प्रशा - 5---राष्ट्रपति अपने प्रमाद सं श्री जंड : प्रे स्वतीवी, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण व्युपान्द्रां दिनाके 16-11-81 सं अगले आदेश तक के लिए नियमितं औरिक् पर अस्थायी रूप में अपर-निधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूगां के पद पर प्रोन्तत करते हैं।

मं. ए-19035/3/80-प्रशासन-5--- दिनांक 18-11-81 की सममंख्यक अधिसूचना के आंधिक मंशाधन में, निद्धाक, केन्द्रीय अन्येषण व्यूरो एवं पृनिस महानिरीक्षक, विशेष पृनिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री टी. सुंदर्शन राथ, अपगध महायक को दिनांक 2-11-1981 से दिनांक 14-1-82 तक छुट्टी

रिक्ती में तदर्भ आधार पर कार्यालय अधीक्षक/केन्द्रीय अन्वेदण व्युरो के रूप प्रोन्नत कारते हैं।

> की. सा. भ्रोवर प्रशासनिक अधिकारी (स्था) केन्द्रीय अन्त्रेषण व्यूरो

महानिदंशालय केन्द्रीय रिर्जय पुलिस सल

गर्इ विल्ली-110022, विनांक 22 दिसम्बर 1981

सं. ओ. वो. 1657/81-स्थापना—श्री डी. बार. खुराना, उप-पुलिस अधिक्षक के. रि. पू: बल की सेवाएं त्रिपुद्ध सरकार को विनाक 11-12-1981 (पूर्वाह्न) से साँपी जाती है।

दिनांक 27 दिसम्बर 1981

मं. ओ. दो. 1578/81-स्थापना—मह्मिनदेशक केन्द्रीय रिर्जय पुलिस इल ने डा. सुरन्द्रिसंह को 2-12-1981 के अप-राष्ट्र केन्द्रिक सीन माह के लिए अथवा उस पद पर वियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में करिनष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए. के. सूरी सहायक निद्धांक (स्थापना)

(395)

1--416GI/81

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नर्ह विल्ली-110011, दिनांक 23 दिसंबर 1981

- सं. 10/28/80-प्रशा.-। -- राष्ट्रपति, कम्प्यूटर सेंटर में प्रोग्नाम महायक/कंसोल आपरेटर के पद पर कार्यरत सर्वश्री बी. एम. एल. जैन और सूरज भान को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारील 30 नवम्बर, 1981 के पूर्वाहन से नियमित आधार पर अस्थायी कर से सहारे कि नियं कि (प्रोग्नाम) के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।
 - 2. सर्वश्री जैन और भान का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 24 दिसम्बर 1981

- सं 10/57/79-प्रकार -1—इस कार्यालय की तारील 26 अगस्त, 1980 की सम्संख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, विंग कमांडर श्री बी. बी. अदलला (5731) को नई दिल्ली में भारन के सहापंजीकार के कार्यालय में तारील 28 फरवरी, 1982 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियमित पर स्थानान्तरण द्वारा पूर्णतः अस्थाई क्य से तदर्थ आधार पर निदोबक (इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।
- यिंग कमांखर अदलक्षा का मुख्यालय नर्ड दिल्ली में होगा।

दिनांक 26 दिसम्बर 1981

- सं. 11/33/81-प्रशा: -। --- गष्ट्रपति, विहार पटना में जनगणना कार्य निव शालय में सहायक निव शेक, जनगणना कार्य (तक नीकी) के दव पर कार्यरत श्री यू. एस. चतुर्वेदी को उसी कार्यालय में तारीस 16 सित्म्बर, 1981 के पूर्वाहन से एक वर्ष से अनिधक अविध के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा आए, जो भी अविध पहले हों, पदोन्नित द्वारा पूर्णतः अस्थाई रूप से तवर्थ आधार पर उप निव शक अनगणना कार्य के पद पर सहर्ष निय्कत करते हैं।
 - 2. श्री चतुर्वेदी का मुख्यालय रांची में होगा।
- 3 उपरोक्त एव पर तदर्थ नियुक्ति सम्बन्धित अधिकारी को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करोगी। तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के एव पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नित के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए ख़द किया जा सकता है।
- सं. 11/25/81-प्रशा.-।—-राष्ट्रपति, उड़ीमा प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और इस समय उड़ीसा, भवनेरेटर में जन-गणना कार्य निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर सहायक निदेशक के पद पर कार्यरत श्री एम. एम. दाम को उसी कार्यालय में तारीख 9 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनिधिक अविधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर उप निदेशक उनगणना दार्य के पद पह सहर्ष नियुक्ति करते हैं।
 - श्रीदास का मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा।

पी. पदमनाभ भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देशास, विनांक 20 दिसम्बर 1981

मं. का क. बी एन पी/मी/5/81 — इस कार्यालय की अधिमूचना क. बी एन पी/मी/5/80 दिनांक 30-10-80 के अनुक्रम में श्री एह. सी. गुप्ता, लेका अधिकारी की प्रति-निम्नित पर निम्नुक्ति की अधिक दिनांक 13-10-82 तक उन्हीं शर्ती बढ़ाई जाती है।

म्. **वै. पार** महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र बस्बार्ड, विसांक 3 दिसम्बार 1981

मं. प्रशासन-।/सामान्य/31-लण्ड-3/सी-।/7---महालेला-कार, महाराष्ट्रं (1) बम्बर्षः अधिनस्थ लेखा सेवा के निम्निलिखित सदस्यों को उनके मान के सन्मूख निर्दिष्ठ किये गये दिनांक से आगामी आदोश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

विनांक	नाम	布.
20-11-81 (पूर्वाहन)	श्री एस. एल. शिरसाट	1.
23-11-81 (पूर्वाह्न)	श्री व्ही. आर. ठाक <i>ू</i> र	2 ·
19-11-81 (अपराह्न)	श्री एन. आही. लेले	3.
रा० श० शमी		
यरिष्ठ उप महा लेखाकार		

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नक विल्ली-110066, दिनांक 21 विसम्बर 1981

- सं. प्रशा./1/1174/1/जिल्य-। राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के किनिच्छ प्रशासनिक ग्रेड (रापये 1500-60-1800-100-2000) मों, स्थानापन्न रूप मों कार्य करने के लिए, उनके नाम के सामने दशियी गयी तारील से आगामी आदोश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं :--
 - 1. श्री अरूणचन्द्र पटनायक--24-1-80 (पूर्वाहरू)
 - 2. श्रीमती नील कमल नारग--17-6-81 (प्र्विहर्
 - 3. श्रीमती बूलबूल घोष--18-7-81 (पूर्वाह्न)
 - श्रीमती इन्द्र निबरहर---20-7-8 र्थ (पूर्वाह्न)
 - 5. श्री आर. एम. एस. लिबरहन---13-7-81 (पूर्वाहन)
 - 6. श्री तारपव मंडल--13-11-81 (पूर्वाहन)
 - श्री प्रेम सिंह—~20-11-81 (पूर्वाहन)

रियन्द्र कर्मार माधूर रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघ् उद्योग) का कार्यालय

नहं दिल्ली-110011, विनांक 15 दिसम्बर 1981 सं. ए-19018/556/81-प्रशासन (राज.)—राष्ट्रपतिजी, सरकारी परिसमापक (लिक्बिडेटर) बम्बई के कार्यलय (कानूनी, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय) के सहायक सरकारी परिसमापक (लेखा) श्री मान सिंह मीना को दिनांक 2 दिसम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नहं दिल्ली के कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-1 (नियति संबद्धन) के ८द पर नियुक्त करते हैं।

> सी. सी. राग उपनिद्योगक (प्रज्ञासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भ्वजानिक सर्वेक्षण

कलकसा-700016, दिनांक

1981

सं. 8299/बीए-19011 (3-एम. एम. के.)/81-19बी— भारतीय भूवजानिक सर्वोक्षण के बरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री एम. सम्पत कुमार को सहायक रसायनज के रूप में भारतीय भूवजानिक सर्वोक्षण में बेतन नियमान्सार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो-40-1200 रु. के बेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आवेश होने तक 2-11-81 के अपराहन में पद्योग्नित पर नियुक्त किया आ रहा

> जे. स्वामी नाथ महा निदंशक

भारतीय सर्वेकण विभाग

दोहरावान, विनांक 26 दिसम्बर 1981

सं. सी-5779/594—-निम्निलिखित तकानीकी सहायक (सिले. कैंड), भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक प्रबन्धक मानिष्ठ पुनरूत्पादन(ग्रूप ''बी'') के पद एर 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द रो-40-1200 रु. के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में उनके नाम के सामने दी गई तारील से नियुक्त किए जाते हैं:---

नाम

पदोन्निति की तार्र.ख कार्यालय, जहाँ तैनात किए गए

1. श्री भगवान सिंह 21 सिंतम्बर. सं० 103 (फी०ज०का०) 1981 (पर्वाह्म) मुद्रण वर्ग

1981 (पूर्विह्न) मुद्रणवर्गे (मा०प्रा० निषे०)

देहरादन

2. श्रो घरम सिंह 30 सितम्बर, सं० 105 (डी॰एल॰ 1981(पूर्वाह्न) ग्राई॰(मुद्रण वर्ग (सर्वे॰ हवाई)

्सवण्डवाह्य नई दिल्ली (जी०सी० भग्नवाल) विगेडियर,

भारतीय डाक तार विभाग

कार्यालय निर्वाही यंत्री, डाक तार असैनिक मंडल, भूवनेश्वर

भ्वनेश्वर, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

नोटिस नं सी. डी. बी/पी. एफ/यू. के. एस/1—केन्द्रीय असैनिक नेवा (अस्थायी सेवा) 1965 नियम 5 (1) के अनुसार यह नोटिस सेवा निवृति जन्य प्रसित्त किया गया।

परचात नियम 5 के उप-नियम (1) क्रेन्द्रीय असैनिक सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 के अन्तर्गत में श्री बी. एन. घोषाल, निर्दाही यंत्री, डाक तार असैनिक मंडल, भूवनरेवर-- 751009, श्री उमा कान्त शर्मा, बेलदार, डाक-तार असैनिक उप-मंडल, भूवनरेवर की सेवा निवृति की यह अधिसूचि (नोटिस) प्रेसित दिनांक के एक माह की समाप्ति के परचात सेवा निवृति के हतू प्रतिपादन कर संलग्न करता हूं।

बी. एन. घोषाल हस्ताक्षर नियुक्तकर्ता

सेवा में,

श्री उमाकान्त शर्मा पी-4, श्यामगंजसीमल भंगजा, नेपास

प्राप्त स्वीकृति

मै आज विनांक इस निवृति सेवा नोटिस की प्राप्ति को स्वीकार करता हूं।

स्वास्थ्य सेवा महानिद्देशालय

नई विल्ली, दिनांक 19 विसम्बर 1981

सं. ए. 31013/3/81-डी--स्वास्थ्य सेवा महानिदोशक ने निम्निलिखित विधिकारियों को उनके नाम के समक्ष लिखे गये केन्द्रीय अधिक मानक नियंत्रण संगठन के जोनल दफ्तरों में 22-8-81 में आँषक्ष निरक्षिक (गूप ''बी'' राजपत्रित) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है:--

- श्री रणधीर मण्डल—-प्त्री जोन (वह इस समय एम । एस . ओ . में प्रतिनियुध्ति पर हैं)।
- 2. श्री एम. वेंकट देवरल--विकाण जान
- 3. श्री बी. आर. बाधवन--उत्तरी जोन
- 4. श्री एस. पी. दास---प्वी जोन
- 5. श्री आर. नारायणस्थामी---दक्षिणी जोन
- 6. श्री इन्द्रजीत सहगल--पूर्वी जोन
- 7. श्री के. सी. शर्मा --- धिक्षणी जोन
- 8. श्रीजी. एन. रे---पृत्री जोन
- 9. श्री पी. के. रस्तोगी--उत्तरी जोन
- 10. श्री डी. पी. धर्मा--पश्चिमी जोन
- 11. श्री ए. के. सिन्हा--पश्चिमी जान
- 12. श्री एस. जी. विजया राष्ट्रयन-- उत्तरी जोन
- 13. श्री एव. जी. गुजराल--- उत्तरी जोन
- 14. श्री देवणीश रे---पृत्री जोन
- 15. श्री शंकर गुप्ता--पृथी जोन
- 16. श्री कपिल भागव---परिचम जोन
- 17. श्री असापति कृष्णा देव--दक्षिण जोन
- 18. श्री अन्त राम सिंह--पश्चिम जोन

19. श्री सेमुअल दोव प्रसाद---दक्षिण जोन

20. श्री पी सीतारिमङ्गा--उत्तरी जान

शिव वयाल उप निविशक प्रशासन फेन्द्रीय सेवा के ग्रेड 'बी' में स्थाई सहायक अभियंता (विद्युत) के पद पर दिनांक 19-11-1981 से निश्वत किया जाता है।

आर. वी. रन्थी देवन महा प्रबंधक फरक्का बाध परियोजना

नम्र बिल्ली-110011, विनांक 19 दिसम्बर 1981

रं. ए. 19018/11/80-के. स. स्वा. यो. -ा--स्वास्थ्य सेवा महानिविधेक ने डा. आर. पी. पांडे को 23 नवस्बर, 1981 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में आय्-विदिक चिकित्सक के पद पर तवर्थ आधार पर दोबारा नियक्त क रिदिया है।

त्रिलोक चंद जैन, उप-निद्योक प्रशासन (के. स. स्वा. यो.)

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1981

- सं. ए. 12026/11/80-(आर. एम. एल. एच.) प्रशा.-।—स्वास्थ्य सेवा महानिविशेक ने डा. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई विल्ली के श्री कुलदीप सिंह, हैंड कर्ल्क को उसी अस्पताल में 24 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर आगामी आदेशों तक स्टोर्स अधिकारी के पद पर नियुक्त कर विया है।
- सं. ए. 31013/6/81-(सी. एफ. एल.) प्रशासन-।---राष्ट्रपति ने श्रीमती प्रांतिमा सेन गप्ता को 12 फरवरी, 1978 से केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में वरिष्ठ विश्लेषक (सीनियर एनेलिस्ट) के पद पर स्थायी (सब्सटानटिव) रूप से नियुक्त कर दिया है।
- सं. ए. 12026/9/81 (एच क्यू) प्रशासन—-राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिद्देशालय के उप वास्तुविद् (डिप्टी आर्किटोक्ट) श्री आर. सी. कुमार को 24 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इसी निद्देशालय में वास्तुविद् (आर्किटोक्ट) के पद पर बिलकृत तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

श्री आर. सी. कूमार की वास्तुविद के पव पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 24 नवम्बर 1981 (पूर्वाहन) से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय से उप वास्तुविद के पद का कार्य-भा रछोड़ विया है।

त्रिलोक चन्द उप. निदोशक प्रशासन

सिंचाई मंत्रालय

महाप्रबंधक का कार्यालय

फरक्का बांध परियोजना

फरक्का बैरोज, दिनांक 19 नवम्बर 1981

सं. इं/पी. एफ.-140/1373 (8)--श्री एच. के. बन्दो-पाध्याय, फरक्का बांध परियोजना, सिंचाई मंत्रालय, भारत सर-कार के स्थानापन्न कार्यपालक अभियंता (विद्युत) को एतद द्वारा

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बर्ड 400085, विनांक 21 दिसम्बर 1981

मं. पी-149/स्थापना 11/2126--इस अनुसंधान केंद्र के स्थायी सहायक लेखा अधिकारी, श्री जनार्दन शिवराम पटवर्धन सी एस (पैँशन) नियम 1972 के नियम 48 (अ) के अधीन स्वैच्छिक रूप से सरकारो नौकरी में 31-8-1981 अपराहन को मेदा -निवृत हुए।

कु. एव. बी. विजयकर उपस्थापना अधिकारी

परमाण् उन्ज विभाग

नाभिकीय इधिन सम्मिश्र

हैवराबाद-500762, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

सं. ना ई स/का प्रभ/0704/6297—नाभिकीय ई धन सिम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक, स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी थी एस. एस. छिब्बर की, नाभिकीय ई धन सिम्मिश्र में अवकाश रिक्ति के स्थान पर, स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी के पव पर दिनांक 26-4-1981 से 27-5-81 पर्यन्त, तवर्थ आधार पर, नियुक्ति करते हैं।

जी. सी. काूलकणी प्रवन्धक, कार्मिक व प्रशासन

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैंदराबाद-500016, दिनांक 21 दिसम्बर 1981

सं. प स प्र-1/1/81-भर्ती---परमाण् उन्जि विभाग, पर-माण् सिनज प्रभाग के निद्देशक एतव्द्वारा श्री गजेन्द्र सिंह यादव को परमाण् सिनज प्रभाग में 17 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न में अगले आवश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभि-यन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 दिसम्बर 1981

सं. प ख प्र. 1/1/81 भर्तीं — परमाणु उर्जा विभाग, परमाण सनिज प्रभाग के निद्देशक एतद्व्वारा श्री एस. बी. सत्य-नारायणा रेड्डी को परमाणु सनिज प्रभाग में 22 विसम्बर, 1981 के पूर्वीहन से अगले आदेश होने तक वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रंड 'एस बी' नियुक्त करते हु⁵।

विनांक 26 दिसम्बर 1981

सं प ल प्र-2/3127/81-प्रशासन---परमाणु कर्जा विभाग, परमाण खनिज प्रभाग के निद्देशक ने श्री पी. प्रसादा राव, वैज्ञा-निक अधिकारी/एस बी का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है। श्री प्रसादा राज ने 14-12-1981 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> म .सु. राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लखा अधिकारी

महानिदंशक नागर विमानन का कार्यालय नर्इ दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1981

सं. ए. 32013/1/81-ई. ।—इस कार्यालय की दिनांक 11 मार्च, 1981 की अधिसूचना सं.ए.32013/1/81-ई.। के कम में राष्ट्रपति ने श्री वी. एन. कपूर की उप महानिद्येशक, नागर विमानन विभाग के पब पर की गई तदर्थ निम्नुक्ति को दिनांक 13-7-81 से आगं 12-1-1982 तक छः मास की अविध के लिए जारी रसने की मंजूरी दी है।

सं. ए. 32013/2/81-ई.।—इस कार्यालय की दिनांक 24 जून, 1981 की अधिसूचना सं. ए, 32013/2/81ई.। के कम में राष्ट्रपति ने श्री आर. वी. रणदिवं, की उप महानिदशक, नागर धिमानन विभाग के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 1-10-81 से आगे 14-11-81 तक 45 दिन की अविध के लिए जारी रखने की मंजुरी दी है।

सूधाकर गृप्ता उप निद्याक प्रशासन कृक्षे महानिद्याक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

सं० ए० 32013/5/81-ई०सी०--राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक संचार सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई नारीख में ग्रौर दिए गए स्टेशन पर छ: माम की ग्रवधि के लिए संचार ग्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है:---

क्रम नाम सं०	वर्तमान तै नाती ः स्टेशन	नया सैनाती स्टेणन	कार्यग्रहण	करने की	तारीख
1 2	3	4		5	
सर्वश्री :					
1. के ०वी ० वासुदेवन	नागपुर	नागपुर	1-12-81	(पूर्वाह्म)	
 श्रार० ग्रार० जोशी 	बम्बर्द	बम्बर्ड	30-11-81	(पूर्वाह्न)	
3. सी०एल०खेरा	<u> </u>	विल्ली ्	30-11-81	(पूर्वाह्न)	
4. जी० एस० वेदी	दिल्ली	दिल्ली	30-11-81	(पूर्वाह्न)	
5. पी०एस० राज	बम्बई	बम्बई ं	30-11-81	(पूर्वाह्म)	
 के०के० सिद्धार्थन 	ब म् बई	बम्बई	30-11-81	(पूर्वाह्म)	
7. पी० ग्रार० नायर	बम्बई	बम्बई	30-11-81	(पूर्वाह्न)	
8. एम० वी० के० मूर्ति	बम्बई	बम्बई	30-11-81	(पूर्वाह्न)	
9. पी० एम० सुम्भईया	बम्बई	बम्बर्द	30-11-81	(पूर्वाह्न)	
10. एन० एस० पाल	दिल्ली	दिल्ली	30-11-81	(पूर्वाह्र)	
 पी० रामवांस 	दिल्ली	दिल्ली ⁻	30-11-81	(पूर्वाह्म)	
1 2₊ एम० के० देसाई	बम्ब र्ह	बम्बई	30-11-81	(पूर्वाह्न)	
13. रामजी सिंह	वाराणसी	वाराणसी	5-12-81	(पूर्वाह्न)	

प्रेम चन्द्र

सहायक निवेशक प्रशासन

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि वोर्ड

कम्पनियों का रजिस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी अधिनियम 1956 और सौल आरकाट
इलैक्ट्रिकाल्स एंड सेरमिक्स प्राइवेट लिमिटेड''के विषय में
पांडिचेरी, दिनांक 21 दिसम्बर 1981

सं. 89/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील से तीन मास के अवसान पर 'सौल आरकाट इलेंकिट्रकल्म एंड संरामध्स प्राइंबिट लिमिटेड'' का नाम इसके प्रतिकर्ल कारण दिश्ति न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त वास्पनी विषटित कार दी जाएगी।

बी. कोट रेवर राव कम्पनियों का रजिस्ट्रार कम्पनी अधिनियम, 1956 और मन्जेत हैसीन्त प्राईवेट लिमिटोड के विषय में

बंगलूर, दिनांक 21 दिसम्बर 1981

सं. 3640/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मन्जेत हैं सीन्त प्राई केट लिमिटोंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशांत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी. टी. गजवानी कम्पनियो का राजिस्टार कम्पनी अधिनियम, 1956 और राजेश्वरी चिट फांड प्रार्डवेंट लिमिटेंड के विषय में

मद्रास, विनांक 23 विसम्बर 1981

सं. 6199/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्यारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीश से तीन मास के अवसान पर राजेश्वरी चिट फंड प्राईविट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

जे. के. रमणी कम्परियों का सहायक रजिस्ट्रार प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ(1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर <mark>कायुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रंज, अमृतसर

अस्तमर, विनांक 10 विसम्बर 1981

निर्दोश नं. ए. एस. आर./81-82/309--यतः म्भे आनंद सिंह, आर्द.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायबाद है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981

को पृत्रोंकत संपरित को उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृत्रिधा के लिए, और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविद्या के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- में. करिश्ता डाइग सटफ कारपोर शन बटाला रोड (कशमीर रोड) अमृतसर द्वारा मदन लाल विजय कामार प्त्र जगन नाथ व शीलावती पत्नी मोती लाल वासी टाडा तलाब, अमृतसर।

(अन्तरक)

 मेसरज टिप टाप डराई कलीनरज एडं डायरज कटरा शरे सिंह, अमृतसर।

(अन्सरिती)

3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मत्ति हैं)

4 और कोर्ड (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

एक मकान ससरा नं. 982/566/2 जो 800 व.ग. हैं जो बटाला रोड शिव नगर के पास अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं. 482/8-4-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3, चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीख: 10-12-1981

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाजक आध्कर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन गंज, अमृतसर

अमतसर, दिनान्त 9 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/303—एतः मुक्ते, आनंद सिंह, आई.आर.एस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. सं अविव

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो ग्रीन एवनसू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्याचय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विषयास का भारण है कि यथापूर्वोक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिफल से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अवदृष्ट्य में उक्त अन्तरण निकित में थास्तिक रूप से किया गया है:--

(व. अस्तरण से हाई िकसी आय की आवत उक्त अपि-ोन्यम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कर्म। करने या उसरों बचने में स्विधा के लिए: क्षेत्र/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. चेंसरा मैंन इप्रूवमें ट ट्रस्ट, अमृतसर।

(अन्सरक)

 श्री जोगिन्द्र पाल पुत्र राम चद व धनीशाम दास पुत्र मूनशी राम, प्लाट नं. 106, ग्रीन एवनयू, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायें वार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह स्वना जारी करके प्वेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां जरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति रवागः:
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगं।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

एक भूमि का प्लाट नं. 106 जिसका क्षेत्रफल 774 वर्ग गज ही जो ग्रीन एवनयू, अमृतसर में ही जैसा सेल डीड नं. 187/ 3-4-81 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज ही।

> आनंद रिगंह, आई आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3, चंद्रपुरी, अमृतसर

त्रारीख : 9-12-1981

मोहर ः

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अर्थी धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 9 विसम्बर 1981

निद्देश नं. ए. एस. आर. /81-82/304--युतः मुक्ते, जानंद सिंह, आई. आर. एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

बीर जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो ग्रीन एवनयू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख अप्रैल, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके उप्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वरेग से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिक्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---2--416GI/81

1. चेंसरा मैन इंप्रूवमेंट दूस्ट, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्रीमती इंद्र मोहनी पत्नी परकोतम दास, 28 ग्रीन एवनग्, अमृतसर।

(अन्तरिसी)

- 3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. और कोई (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विस्त की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पाम लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्वध्दीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट नं 28 जिसका क्षेत्रफल 590 वर्ग गण है जो ग्रीन एवनगू अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं 422 तिथि 7-4-1981 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतस्र में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 3, चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीब : 9-12-1981

मोहर 🗓

प्ररूप आह. टी. एन्. एस.-----

जाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 दिस्म्बर 1981

निंदींश नं. ए. एस. आर./81-82/305---य्तः मुक्ते, आनंद सिंह, आर्दे आर.एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और

जिसकी सं. एक प्लाट है, तथा जो सरक लूतर रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, धसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के निए; ब्रोड/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया प्राना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

अत्र अव, उक्त जिभिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के क्योंन, किन्निविक्त क्योंक्तमें, मुर्थात्:-- श्रीमती कमला बती पत्नी सोहन लाल चोपड़ा, वासी चौरसटी अटारी, कच्चा अरदासिया, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री क्ज बिहारी पृत्र दवारका दास, त्रासी मणीठा रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह त्वना जारी करको पृथांकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लाट जो 601 व. ग. है जो सरक लर रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 1299 तिथि 21-4-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिक) अर्जन रंज, 3, चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीब 🕒 9-12-1981

मोहर 🖺

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

नियां नं ए. एस. आर./81-82/306—यतः मुक्ते, गानंध सिंह, आर्दे आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो सूलतान विंड, अमृतस्र में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख अप्रैल, 1981

हो पुर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान रितफल के अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रियमान प्रतिफल से ऐसे ख्रियमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव्क ख्प से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नभीभ निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री सूरती उर्फ सुरता सिंह पृत्र वधावा सिंह, बासी सुलतानविंड, तहसील अमृतसर।
- (अन्तरक)

 2. श्री गोपाल दास हरी ओम पदम किशोर विजय,
 कुमार, सुनील कुमार पुत्र ठाकुर दासु,, वासी

 8-ए कटड़ा शेर सिंह, अमृतसुर।
 (अन्तरिसी)

3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके विधिना में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति, में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के

पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अम् सुची

एक जायबाद 834 व. मी. जो सूलतानविंड सवअरवन, तहसील अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 745 तिथि 10-4-81 रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस न सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रौज, 3, अंग्रपूरी, अमृतस्र

सारीस : 9-12-1981

मोहर 🧓

प्रकप बाई• टी• एन• एस•--

मानकर मिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ममीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतस्र

अमृत्सर, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. बार./81-82/307—यतः मूक्ते, बानंद सिंह, आर्द्र.आर.एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायबाद है तथा जो जी.टी. रोख, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे बह विश्वास करम का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रध् प्रतिगत से यधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया यया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत उक्त श्रीवित्यम के भ्रीत कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या खससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया जाना वादिए वा कियाने में सविद्या के सिए;

असः मनः, उपत अधिनियम की धारा 269भा के भनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269भा की उपकारा (1) के बसीन, निस्तिखित व्यक्तिमें, अपरीत :— श्री सुरती उर्फ सुरता सिंह पुत्र वधावा सिंह, वासी सुलतान विंड, तहसील अमृतसर।

(अन्तरक)

2 श्री गोपाल दास हरी ओम पदम कुमार विजय कुमार सुनील कुमार पुत्र ठाकुर वास, वासी 8-ए कटड़ा घोर सिंह, जमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायदार हो (शह व्यक्ति, जिसके विधिनोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के संबंध में कोई भी जाजेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो 'छक्त श्रिष्ठ-नियम', के अध्याय 20-क में परिकाशित हैं; बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक जायदाव 834 व. मी. जो सुलतानविंड सबअरबन, तहसील अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 744 तिथि 10-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आनंद सिंह, आई आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3, चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 9-12-1981

प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

मायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की ब धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 10 विसम्बर 1981

निवर्षा नं. ए. एस. आर./81-82/308--यतः मुक्ते, आनंद सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो फिरोजवीन रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैस, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बादत, उपत प्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भवः उक्त भिनियमं, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सधीन, निस्तिस्थित व्यक्तियों, व्यक्तिः-- श्री धरम पाल पूरी पुत्र बुज लाल पूरी, वासी बाजार बोंक फरीव, गली छजु मिसर, अमृतसर।

(अन्तरक)

- श्री भीम् सेन पुत्र छज् राम, वासी कटड़ा मोहर सिंह अमृतसर।
 (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर सं 2 में कोई किरायेदार ही (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- और कोई
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ष सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उ≉त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

स्पब्डीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, गो उक्त प्राध-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही प्रार्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ची

एक इमारत नं. 2/13 नया नं. 77/13-2 जो फिरोजवीन रोड, इंद्र पेलेस सिनेमा के पास अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं. 1655 तिथि 24-4-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज हैं।

आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रोज, 3, चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीच : 10-12-1981

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक कायकार वायुक्तः (निरक्षिण) अर्जन् रोजः, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

अविश संख्या राजः /सहाः आः अर्जन/1108--यतः म्_रभे,

एम एल चौहान,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मुख्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं नोहरा है तथा जो पाली में रिथत है, (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-4-1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र हु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित गूं) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत अस्तरण नहीं किया गया है है—

- (क) श्रातरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी अरूने या उससे बचने में सुविधा के लिए? श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की श्थीन निम्नितिश्चित स्युक्तियों अविति है—

(1) श्री मानकमल पुत्र भेरूमल महेता एवं विमल जन्द पुत्र कनकराज ओसवाल, निवासी जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री बसन्तराज पृत्र सुकनराज जी बोसवाल, श्रीमती उत्त्वीबाई पत्नी जवनमल श्री अनिलक मार पृत्र भवरलाल, निवासी पाली एवं श्रीमती शान्सि देवी पत्नी हुकमराज, निवासी जोधपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए एतवर्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काकोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति है।
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पर्ध्वीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नोहर का भाग जो पाली बस स्टोण्ड, पाली के पास स्थित हैं और उप पंजियक, पाली द्वारा कम संख्या 30 दिनांक 25-4-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एस . एल् . चौहान समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज , जयपुर

तारीस : 14-12-1981

मोहर 🗓

प्रकृप पाई • टी • चन • एव •----

आयकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के ध्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अथपुर

जयपुर, विनांक 14 दिसम्बर 1981

आदोष संख्या राजः /सहाः आः अर्जन/1109--यतः मृभ्के, एमः एतः चौहानः,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25.000/-द से अधिक है

और जिसको सं. नोहरों का भाग है तथा जो पाली में स्थित है, (और इससे उपाइद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप सो वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का जिलत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम ब्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत धक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधातः--- (1) श्री मानकमल पूत्र भेरूमल मेहता ओसवाल एवं विमलचन्द पूत्र कनक राज आसवाल, निवासी जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सम्पत्तराज पूत्र श्री अनराज, क्वेंबलचन्च पूत्र जवाहरमल, सुनिल क्मार पूत्र भंवरलाल एवं मानक-मल पूत्र सुकनराज ओसवाल, निवासी पाली।

(अन्त**रिती**)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की खबधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की धबधि, जो भी धबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगुसूची

नोहर का भाग बस स्टेंण्ड के पास, पाली जो उप पंजियक, पाली इवारा कम संख्या 30 दिनांक 25-4-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम एल चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जयपुर

तारीच : 14-12-1981

मोहर 🕄

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मृता

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन्रीज, जयपुर

जयपुर, विनाक 14 विसम्बर 1981

आदोश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1107---यतः मृभ्ते, एम. एल. चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 242 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-4-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिशित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई ज़िल्ली आयु की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्ध; और/प/मा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

भतः अव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्थत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थाव्ः (1) श्री ज्ञान सिंह पूत्र देवीलाल जी कोठारी, निवासी बड़ा बाजार, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री चौधरी तोलाराम पुत्र लूबिंदाराम, निवासी हिरण मगरी, सेक्टर नं. 4, उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 242, सेक्टर नं 4, हिरण मगरी, उदयपूर जो उप पंजियक, उदयपूर व्यारा कम संख्या 833 दिनांक 13-4-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम. एल. चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जयपुर

तारीख: 14-12-1981

मोहर 🛭

शरूप भार टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयप्र, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

आविश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1105—यतः म्भे, एम. एल. **चौहा**न,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 233 है तथा जो उदयप्र में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयप्र में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 29-4-1981

करें प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री कृष्णचन्द्र सिंह पुत्र सभरथ भिंह सरूपरिया, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रताप सिंह पुत्र सोभाग सिंह महेता, मोती घोहटा, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अध्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

प्लाट नं 233, मोती मगरी, उदयपूर को उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 937 दिनाक 29-4-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तत रूप से विवरणित हैं।

> एम . एल . चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंग , जयपुर

अतः अब, जक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत :----

तारीब : 14-12-1981

मोहर 🙄

प्रकृष बाह . दी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखन्डा

लंबनंक, दिनांक 4 विसम्बर 1981

निर्दोश सं. जी. आर्द्धः आर. संख्या आर. -165/अर्जन— अतः मुक्ते, विनोद कुमार,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट 339 है तथा जो ग्राम सालेहनगर-नबादिया, बरोली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-4-1981

का 16) के अधीन, विनांक 21-4-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास
क'रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

सर्वभी

- 1. (1) गरन्त्रीम सिह
 - (2) हरी इन्दर सिंह
 - (3) प्रीतम सिंह
 - (4) जुगेन्दर सिंह
 - (5) चरनजीत सिंह
 - (6) श्रीमती किरन बख्झी

(अन्तरक)

- 2. (1) राजीव काुमार अग्रवाल
 - (2) अजीत कामार अग्रवाल
 - (3) श्रीमती सरला अग्रवाल
 - (4) लाला कल्लूमल अग्रवाल

(अन्सरिती)

3. ग्रप्रीत सिंह व अन्य (उपराक्त)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

ग्रप्रीत सिंह व अन्य (उपराक्त)
 (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक³गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित के हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यवा है।

अनुसूची

भूखण्ड संख्या 339 क्षेत्रफल 6658 वर्गगज में से भूखण्ड क्षेत्रफल 5975 वर्गगज स्थित ग्राम सालेहनगर नवादिया तहसील व जिला बरोली तथा वह संपूर्ण संपत्ति जो सेल डीड और फार्म 37-जी संख्या 2708 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्टार बरोली के कार्यालय में विनाक 21-4-1981 को किया जा चुका है।

> विनोद क्सार सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लस्नेज्ज

तारील : 4-12-1981

प्ररूप बार्च. टी. एत्. एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सुष्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षंत्र, लखनउर

लसन्डर, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निवर्षेश् सं. जी. आई आर. संख्या एस.-225/अर्जन---अत: मूफ, विनोद क्यार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं 126/179 है तथा जो मो. कानूनगोयान बरोती मों मिथत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-4-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनारण, से हुई जि़ती जाय की वायत, उनक अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे नज़ने में सुविधा के लिए; और्/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती वृषारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) में स्थीन, निस्नृतिधित व्यक्तियों, स्नौत्

- 1. (1) वीरन्द्र कुमार बरतरिया
 - (2) जीतेन्द्र कुमार बरतरिया
 - (3) कृष्ण कुमार बरतरिया
 - (4) श्रीमती किरन
 - (5) श्रीमती कलीबती

(अन्तरक)

2. श्री श्याम सुन्दर ककड़

(अन्तरिती),

3. श्री श्याम सुन्दर ककड़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के वर्णन के हिसप कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों कां, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

तीन मंजिला मकान मय भूमि व भवन के नम्बर 126/179 स्थित मोहल्ला कानून गोयान शहर बरोली व वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेल डीड और फार्म-37 जी संख्या 3225 में वर्णित हैं जिनका पंजीकरण सब रिजस्टार बरोली के कार्यालय में विनांक 27-4-1981 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, ल्खनऊ

तारीस : 4-12-1981

प्रकप भाई• टी• एत• एस•---

श्रायकर प्र**धिनियम, 1961 (1961** का 43) की धारा 26**9-घ(1) के भधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हौवराबाद हौदराबाद, विनांक 8 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 60/81-82 काकीनाडा स्काड--यतः मुभ्के, एस. गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् उत्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये मे प्रधिक है

और जिसकी सं आर एस नं 515/2 और 525/2 है, तथा जो गुलापूडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील एप्रिल, 1981

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के भोच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखिन में वास्नविक रूप में कथित देहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण संहुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्राध-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरा के दायित्व में कभी करने या जनसे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

श्रतः श्रम, उक्त श्रिष्टिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रशीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थातृ:—

- (1) श्री व्ही राममोहनराव पिता जानस्या, गोलापडी। (अन्तरक)
- (2) श्री कोथूरी श्रीराममूर्ती, अध्यक्ष, श्री रामा को आपरोटीव्हा बील्डींग सोसाईटी लि., दुर्गा आग्रहा-राम, येलूर रांड, विजयवाडा-520002। (अन्तरिती)

को यह भूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजेंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उयन सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में होई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचता क राजात में प्रकाशत की तारीख से 5 दित की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति बारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीट पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-कम परिभाषित हैं, वहीं अर्थ दोगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

जन्स्ची

भूमि विस्तीर्ण 1.17 सेन्टस्, आर. एस. नं. 515/2 और 525/2, गोलापुडी गांव, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 2710/81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा।

एस. गोविन्द राजन सृक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^उज, ह**ै**दराबाद

तारील : 8-12-1981

प्ररूप आहे. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैदराबाद

ह्दराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

आर. से. सी. नं. 61/81-82 काकीनाडा स्काड—स्तः मुफ्ते, एस. गोविन्द राजन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं आर एस नं 515/2 और 525/2 है, तथा जो गूलापूडी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील एप्रिल, 1981

(1908 का 16) के अधीन, तारील एप्रिल, 1981 का प्लॉक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भी रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रपिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उच्चरेय से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उच्चरेय से उक्त अन्तरण निम्नलिखत के वास्तिक कर से किया ग्या है :—

- (का) मन्त्ररण ते हुद किसी माम की नायत उक्त मिंगू-नियम में अभीन कर बोने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्युने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आज या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् १.——

- (1) श्री बङ्लाम्डी जानस्या पिता भीमस्या, गोलाप्डी गांव। (अन्तरक)
- (2) श्री कोथूरी श्रीराममुतीं, अध्यक्ष. श्री रामा को आपरोटीव्हा बील्डींग सोमाइटी लि., दुर्गा आग्रहा-राम, येलूर रोड, विजयवाडा-520002। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टी रण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसभी

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़, 17 सेन्टस्, आरः एसः नं . 515/ 2 और 525/2, गोलापूडी गांव, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 2711/81, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा।

> एसः गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी **ब्हाबक अवक्क**र आ**युक्क (निरीक्षण)** अर्जन रोज, होदराबाद

तारीख : 8-12-1981

मोहर ः

प्रस्प आर्इ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अ<mark>धीन सूचना</mark>

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, हीदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 62/81-82 काकीनाड़ा स्काट---यसः म्फ़ें, एस. गोविन्द राजन, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पति, जिसका जीवत बाजार मृत्य 25,000 / रह. से अधिक हैं और जिसकी सं. आर. एस. नं. 515/2 और 525/2 है, तथा जो गुलापूडी मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, विजयदाडा में भारतीय रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारील एप्रिल, 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, अनक दश्यमान प्रतिफल मं, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जन, उक्त जिभिनियम की भारा 269-न के, अमृदरण में, मैं, उक्त जिभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्निविद्या व्यक्तियों, जुर्मुस्ं्--- (1) श्री वडलामुडी बोजस्वरी राव पिता जानस्या, गोला-पृडी गांव।

(अन्तरक)

(2) श्री कोथूरी श्रीराममुर्ती, अध्यक्ष, श्री रामा को आपरोटीव्हा बील्डींग सोसाइटी लि , दुर्गा आग्रहा-राम, येलूर रांड, विजयवाडा-520002। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्होकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़, 17 सेन्टस्, आर. एस. नं. 512/ 2 और 525/2, गोलपूडी गांव, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 2712/81, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विज्यवाडा।

> एस . गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, हैंदराबाद

तारीष : 8-12-1981

मोहर 😃

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 63/81-82 काकीनाडा स्काड--यतः मूर्फे, एसः गोविन्द राजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्ट्य 25,000/- ४० से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 515/2 और 525/2 है, तथा जो गोलापूडी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्य, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीस एप्रिल, 1981 को पूर्वेक्त सम्पित के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल किनितिस्त उद्योग से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अनुसरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के खन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो- अनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के जिए;

श्रतः सब, उनत प्रधिनियम की घारा 269-न के धनुतरण में, में, उनत प्रशिनियम की घारा 269-न की उपवारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अधीत :-- (1) श्रीमिन त्डलाम्डी अक्षोलादम्मा पति गीवाराह, गोला-पृष्ठी गांव,

(अन्तरक)

(2) श्री कांधूरी श्री राम म्ती, अभ्यक्ष, श्री शमा को आपरोटीव्हा बील्डी ग मासाइटी लि., दुर्गा आग्रहा-राम, दिजयशाडा-520002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति से प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सर्वाध, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों वं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :---इसर्में प्रयुक्त शब्दों थीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़, 22 सेन्टम्, आर. एस. नं. 515/ ·2 और 525/2, गोलापूडी गांव, रजिस्ट्रीकृत चिलेख नं. 2713/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा।

> एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^रज, ह²दराबाद

नारीस : 8-12-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-च (1) के सबीत सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, पहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हौदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 64/81-82 काकीनाडा स्काड—-यतः मुफ्ते, एस. गोविन्द राजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- द॰ से प्रधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 515/2 और 525/2 है, तथा जो ग्लापूडों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख एप्रिल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्तह
प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित छहेब्स से उक्त भन्तरण लिखित में
वाह्तविक रूप में किया नहीं किया गया है। →

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त कक्कि नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के निए।

अतः शन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधृति :--- (1) श्री बङ्लामूडी बुर्गा ,रामा क्रीष्णा प्रसाद पिता सीतारास्वामी , गोलापुडी ।

(अन्तरक)

(2) श्री कोधूरी श्रीरामम्तीं, अध्यक्ष, श्री रामा को आपरोटीव्हा बील्डींग सोसाइटी लि . , दा्र्ग आग्रहा - राम , विजयवाडा - 520002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंत के सम्बन्ध में कोई श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पब्हीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पवीं का, जो उक्त क्षि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़, 17 मेन्टस्, आर. एस. नं. 515/2 और 525/2, गोलापूडी गांव, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 2747/81, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी, विजयवाडा।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, हैंदराबाद

तारीख : 8-12-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रशितियम. 1961 (1981 का 43) की धारा 269-**ष**(1) के <mark>धधीत</mark> सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हीदराबाद

हैं दराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 65/81-82 काकीनाडा स्काड—यतः मुफ्ते, एस. गोविन्द राजन,

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 515/2 और 525/2 है, तथा जो गोलापूडी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय एप्रिय, 1981 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य ने उश्व अन्तरण लिखित में वास्तिवक

कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अस्तरण से हुई किसी झाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्ष भ्रन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रव, उभत ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, खबत ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्निलिखित व्यक्तियों ग्रथीत् :--4---416GI/81

(।) श्री वड्लामूडी विजयकामार पिता जानस्या, गोलापूडी गांव।

(अन्तरक)

(2) श्री कोथूरी श्रीरामम्तीं, अध्यक्ष, श्री रामा को आपरोटीव्हा बील्डींग सोसाइटी लि , ब्रांग आग्रहा-राम, विजयवाडा-520002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्य**वाहियां शु**रु करता हूं।

जनत सम्पत्ति के ग्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत ग्रीवित्यम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रार्थ होगा, जो उस ग्राड्याय में विया गया

अनलची

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़, 17 सेन्टस्, आर. एस. नं. 515/2 और 525/2, गोलापूडी गांव, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 2748/81, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाष्टा।

एस . गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैंदराबाद

तारीस : 8-12-1981

मोहर 🗧

प्ररूप आ**इ[‡].टी.एन्.एस**्---------

आयुक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 66/81-82 काकीनाडा स्काड--यतः भक्ते, एस. गोविन्द राजन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रह. से अधिक है और जिसकी सं. आर. एस. नं. 515/2 और 525/2 है, तथा जो गोलापूडी मो स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारील एप्रिल, 1981 को पूर्वीक्त संमत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-काल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण् लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थान् :--- (।) श्री वङ्कामुङी रामाचों मा प्रसाद पिका सितारामस्वामी, गोलापुडी गांव।

(अन्तरक)

(2) श्री कथुरा श्री रामामूर्ती, अध्यक्ष, श्री रामा को. आप,रेटीव्ह बिल्डींग सोसाइटी लि., दूर्गा अग्राहा-रम, विजयवाडा-520002।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुं, मही अर्थ होया, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़, 17 सेंटस्, आर. एस. नं. 515/2 और 525/2, गोलापुडी गांव, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 2749/81, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, हौदराबाद

तारीन : 8-12-1981

मोहर 🥫

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस्. ------

आयम्बर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आक्कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

आर. यो. सी. नं. 67/81-82 काकीनाडा स्काड---यतः मुफ्ते, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह क्लियास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी मं. आर. एम. नं. 525/बी है, तथा जो मोलापूडी मं स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्या-लय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख एप्रिल, 1981

को पृत्तीं कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्तों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, जनत नींधित्यम के नधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों कर्ते जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रविश्वाभार्थ अन्ति दिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या वा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के किए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन निम्नित्वित व्यक्तियों, अर्थात् क्र—— (1) श्रीमती चीगूरंपती वसुंदरा पति बेंकटस्बराराव, गेलाप्डी।

(अन्त**रक**)

(2) श्री कांथुरा श्री रामामूर्ती, अध्यक्ष, श्री रामा कां. आप्रटेक्हि बिल्डींग सोसाइटी लि., दूर्गा अग्राहा-रम, विजयवाडा-520002।

(अन्सिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इत् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्थाविकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही तथा उन्का बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया हो।

नन्त्वी

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़, 20 सेन्टम्, आर. एस. नं. 525/ बी, गोलापूडी गांव, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 2703/81, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा।

> एसः गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ह²दराबाद

ता्रील : 8-12-1981

माद्वर 🛭

प्रकप माई० टी॰ एन० एस०---

अन्यकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) सीधारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बम्बई

बम्बर्ह, तारीस 15 दिसम्बर 1981

निवर्भेश सं. नं. ए. आर.-।/4556/6/81-82--अतः मुभ्के, सुभाकर वर्मा,

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीत सक्षम श्रिष्ठिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इसये ने श्रिष्ठिक है

और जिसकी सं सी. एस. नं 1456 है, तथा जो गिरगांव कांटाची वादी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-4-1981 (डाक्सेंट सं बम्बई 2721/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठि नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रयं, उपत प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की उपवारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचित् :--- (1) श्री भालचंद्र एन गोखले।

(अन्तरक)

(2) श्री मुधीर एल होन्द्रें।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

- (4) किराग्नाबार अज पर अनेकश्चर।
- 1 वल्लभदास पी लाखाणी
- 2. सुहास व्ही. मालाडकर
- 3. द ओरीयन्टल क्लोथ स्टार्स (शाप) गोडाउन
- 4. द्वारकावास सुंदरदास (शाप)
- 5. सेन्द्रल ग्रामी पोन हाउस (शाप)
- 6. जी. एल. केलकर

पहली मंजिल

- 7. कांसीलाल एम. कानानी
- 8. हना मंद जी. क्लूलकर्णी
- 9. दीनशा जे. सान
- 10. रूम/दूस्ट/बाल्कनी
- 11. किष्णदास आर. घोणकर
- 12. ओल्ड पोरशन/टा रूम

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वद्वीक्ररण:---इसमें प्रयुक्त शक्वों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयों होगा, जो उन्न अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या बम्म्बर्ड 2727/80, उप-रजिस्ट्रार द्यारा दिनांक 24-4-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजि-2, बस्बर्ड

तारीख : 15-12-1981

प्ररूप आर्च . टो . एन . एस . ------

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निवर्षेश सं. सी. आर. नं. 62/30652/81-82/ए. सी. क्यू./बी.—-यतः मुक्ते, मंज् माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिस्की सं. 260 है, तथा जो दोम्लूर, ।। फेस एक्सटेन्शन में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-5-1981

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके ब्ह्यमान प्रतिफल से एसे ब्ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती) (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय को बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए? जोर/या
- (त) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयक र मुधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाड़िए था कियाने में सुविधा की सिए।

(1) श्री विकटर रामकृष्णा, नं. 260, दोम्लूर एक्स-टोन्शन, ।। फेस, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) (1) डाक्टर एम. अबाहम, (2) राय अबहम, सं. 30, 13 क्रास, विल्सन गार्डन, बंगलूर। 'अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वों कत सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-+

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 447/81-82 ता. 8-5-81) सं. 260, दोम्लूर, ।। फेंस, एक्सटेन्शन, बंगलूर में स्थित **ह**ै।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, बंगसूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--

तारीम : 9-12-1981

मोहर 🕾

प्रक्ष भाई • टी • एन • एस •----

लायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

निद्रशासं 24/एपरल/81--यतः मुभ्ते, आर. रविसंद्रन, भायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें मधिनियम' कहा इसके पण्चात् 'उक्त की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपये से मधिक है, और जिसकी सं. सर्वों सं, 43/3 है, तथा जो घोविठ अग्रहारम हासूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), उजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, होस्र (डाक μ मेंट सं. 1430/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, एप्रैल, 1981 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के श्रीच ऐसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त श्रिष्ठित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रश्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्निनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) सुन्वराम् रोड्डी।

(अन्तरक)

(2) श्री वी. अमिरतिलंगम एन. के तिरुवरस्। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी जरकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में बोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की भवशि,
 जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तानरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

ह्पक्टोकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्धों और पदो का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिय गया है ।

ननसची

भूमि सवें सं. 43/3, घोविठं अग्रहाराम, होसुर (डाकरू-मेंट सं. 1430/81)।

> अनर. रिजयन्त्रनं स्थान प्रा<u>धिकारी</u> सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजेना, महास

तारीख : 5-12-1981

त्राक्य माई॰ टी॰ एन॰ 'एड॰-

जाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-।, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. 24/एपरल/81--यतः मुफ्ते, आर. रविचंद्रर, आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उनत मिर्धिनियम' सङ्गा गया है), की भारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-

रत. संअधिक है और और जिसकी सं, सर्वें 43/4 और 44/1 है, तथा जो घोविठं अग्रहाराम, हासुर में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होसुर (डाक्रमेंट सं. 1431/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, एप्रैल, 1981 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति को उचित बाजार म्ह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परब्रह प्रतिगत से भविक है और बन्तरक और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अश्तरण . विश्वित में वास्त्रशित स्वा से किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाव की बाबत उक्त प्रशिविम के प्रयोग कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे गचने में मुविधा के मिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय पायकर ग्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर भिवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भन: अब, उक्स पश्चिनियम को धारा 289-व के बलुबारण में मैं, उन्त पश्चितियम की बारा 269-म की जनवारा (1) को अभीन, निकासिसिस व्यक्तियों, अर्थास् 🖫--

- (1) श्री मनिस्वामि रोडडी, मनि रोडडी।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री ती अभिरतलिंगम, एन के निरुवरस्। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वीक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की भवति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हित्यद किसी सन्य व्यक्ति द्वारा सबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याव दिया गया है।

भूमि सर्वे सं. 43/4 और 44/1, घोषिठ अग्रहाराम, हांस्र (डाक मेंट सं. 1431/81)।

> आर. रिचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, मद्रास

ता**री**च : 5-12-1981

मोहर 🔃

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।, मदास

मद्रास, दिनांक 5 विसम्बर 1981

निदेश सं. 24/एपरल/81--यतः मुभ्ते, आर. रविचंद्रन, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत्पए से अधिक है और जिसकी सं. सर्वों सं. 42/4 हैं, तथा जो घोविठं अग्रहाराम, हांसुर में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होसुर (डाक् मेंट सं. 1591/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, एप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एेसे दृश्यमान प्रतिफाल का यम्बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 296-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों अर्थात् :--- (1) श्री चिन्नपः

(अन्तरक)

(2) श्री वी. अमिरतिलंगम, एन. के. तिरञ्जरेस्। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त मंपस्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं. 42/4, घोत्रिठं अग्रहाराम, होसूर (डाक्:-मेट सं. 1591/81)।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।, मन्नास

ता**रीस** : 5-12-1981

मील :

प्रकृष भाइं.टी.एन.एस. -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1981

निद्देश मं . 16431--यत मुभ्ते, राधा बालकष्नं . आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे 168/30, है, तथा जो पतिपुलम $\dot{\mathbf{r}}$ स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनस्थी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत (डाक ुमेट सं. 1809 / 81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981 को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापवाँक्त संपरित काँ उचित बाजार मुल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रति-फल, निम्ननिसित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप संक्षित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के जिए; जोर/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन गा अन्य आरितयों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के जजीन निम्नितिश्विस व्यक्तियों, अर्थात् :--5—416GI/81

- (1) श्री वंबायून नाठार, तिरुपित नाठार। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सोनिया एम. पूरसदानि, सत्यनारायना। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहिक करता हूं।

उक्त संपीत्त के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षंग :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न मी प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों मी से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों मी से किसी व्यक्ति व्यक्तियों मी से
- (स) इस स्चना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि-सर्व 168/30 , पतिपूलम् (डाक्मेंट सं. 1809/81)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, मदास

ता**रीब** : 3-12-1981

मोहर 👙

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, भन्नास

मद्रास, विनांक 3 विसम्बर 1981

निविधा सं. 16389--यतः मुक्ते, राधा बालकृष्तं, बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि** स्थावर सम्परित, जिसकाउचित बाजार मुख्य 25,000/ ए. से अधिक है और जिसकी सं. 17, है, तथा जो सुंदरराजन स्ट्रीट, मन्नास-18 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक में ट सं. 877/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मे, 1981 क्यों पूर्वोंक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास . करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपृत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिसित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकार अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

नतः भव, उन्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण ने, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के ज्यीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :—— (1) श्री कमलम जगन्नातन न्यानिसवम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वसंत मनगेश शनबग।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदां का, जो अवसः अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-17, स्ंवरराजन स्ट्रीट, मद्रास-18, (डाक् मेंट सं. 877/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-११, मधास

तारीख : 3-12-1981

प्रकप बाई वी वन एत-----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निदश सं 11376—यतः म्फे, राधा बालकृष्णं, ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रमात 'उक्त ग्रिविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और और जिसकी सर्वें 156, 150/1, 157/1 है, तथा जो मद्वारायपूरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप स वर्णित है), रिजस्ट्रीक्स अधिकारी के कार्यान्त्य, कोयमबट्टूर (डाक्रमेंट सं. 1874/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सुधीम, निक्निसिचित व्यक्तिसमें, नुभतिः --

(1) श्री बयपम्माल वृतितामित, चिन्नस्वामी सरोज, परेज्ञालराज।

(अन्तरक)

(2) श्री बठरिनात, लक्क्षमीनारायनं मद्रारलाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षिप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध कांव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्यु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हित-स्यूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित, ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ण्या **ह**ै।

अनुसूची

भूमि-सर्वे 156, 150/1, 157/1, मद्वारायपुरम, कोयमबट्टरूर, (डाकूमें ट सं. 1874/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, मन्नास

सार्**ीख**: 7-12-1981

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निदोश सं. 9337---यतः मुर्फे, राधा बालकृष्नं, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' सहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,900 / रु. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. 9, एल्लम्मन कोयिल स्ट्रीट है, तथा जो पांड चरी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडचरी (डाकृमोंट सं. 837 ∕81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-काल निम्नलि**बि**त उ**ष्द**ंश्य से उक्त अन्तरण निवित मे^{..} वास्तविक रूप ते कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कबी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जोड़/बा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अस्य अस्तियां कां, जिन्हों भारतीय आय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री तूलकोल अयसक, तूयकोल एलिसा फलोरा। (अन्तरक)
- (2) श्रीकल सेलवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पक्षों का, जो उक्त श्रिक्षिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गण है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-9, एल्लम्मन कोयिल स्ट्रीट, पांडचिरी, (डाक्रमेट सं. 837/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

तारील : 7-12-1981

प्रक्ष आई. डी० एन० एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आध्कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निवंश सं. 9337—यतः मुक्ते, राधा बालकृष्नं, प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पन्ति, जिनका उचिन वाजार पूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 9 है, तथा जो एल्लम्मन कोचिल स्ट्रीट, पांडे-चरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, पांडेचेरी (डाक्ट्रमेंट सं. 836/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

1908 (1908 का 16) क अधीन, अप्रल, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उनके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के जिए तय पाया यया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से किया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस, उन्तर ग्रिंश-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, जीर/पा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

- (1) श्री तूयकोल अयसक त्यकोल एलिसा फलोऱा। (अन्तरक)
- (2) श्रीवी नारायनस्वामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धासीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की वारीख से 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

भूमि और निर्माण-9, एल्लम्मन कोयिल स्ट्रीट, पांडचिरी (डाक्र्मेंट र्स. 836/81)।

राधा बालकृष्तं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र ज-१।, मद्रास

तारीख : 7-12-1981

प्रकृप घाई॰ ही॰ एन॰ एस॰----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 जा 43) की घारा 269-च (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निवंश सं. 9450—यतः म्फो, राधा बालकृष्णं, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० है अधिक है

और जिसकी मं. सर्वों नं. 85, 86/1, 87/2, 87/3 है, तथा जो दिसी में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूसी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, वोरौपूर (डाक्रूमेंट सं. 877/81) में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई तै और मुझे यह विश्वास करन का कारण तै कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से प्रविक्त है चौर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरितो (प्रस्तरितियों) के बीज ऐसे प्रस्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अग्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अतः, उक्त अधिनिमम श्री क्षारा 269-ग के मनुसरण में. मैं उक्त प्रक्षितियम की घारा 259-न्य की उपकारा (1) के अक्षीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्वात्:—— (1) श्रीमती सावित्री।

(अन्तरक)

(2) श्री एन. बासकरन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या वस्तरूबकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी अविधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-सर्वो 85, 86/1, 86/2, 87/2 और 87/3, द्रिची, (डाक्र्मोंट सं. 877/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।।, मद्रास्

तारीब : 7-12-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धा**रा 269-च (1) के **प्रधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र ज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 7 विसम्बर 1981

निवंश सं. 9349—यतः मुक्ते, राधा बालकृष्मं, आयक्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं. 16/1ए हैं, तथा जो कृष्वस्वामी स्ट्रीट, हैं रोठ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईराठे (शक्यमेंट सं. 1633/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अधैल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्वह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप भे यिश्वा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (u) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं सुविद्या के लिए;

श्रतः ग्रंब, उक्त ग्रंबिनियम की बारा 249-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सिवगामी।

(अन्तरक)

(2) श्री जांमफ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया। गया है।

प्रतस्त्र ची

भूमि और निर्माण-16/1ए, कृष्नस्वामी स्ट्रीट, इराठ, (डाक्-मेट सं. 1633/81)।

राधा बालकृष्तं सक्षम प्राधिकारी, स**हायक** आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र³ज-11, मद्रास

तारीख: 7-12-1981

माहर:

प्ररूप गाई॰ टी॰ एन॰ इत----

आयकर अधिनियम 1961 (1961) का 43) की भारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निष्केश सं. 9360---यतः म्फो, राधा बालकृष्ट्नं, पायकर प्रश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिने इनमें इनके पश्चान् 'खन्न मधिनियम' कहा गया है), को गरा 269-ख ह प्रशित मजन पाधिकारी को यह विश्वास करने का कः रण इंकि स्वाप्त नम्मति जिनकः उच्चित बाजार मृत्य 25.000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 168/7, 168/8, 168/10 है, तथा जो लक्क्क्षताप, तनजावूर (डाक्रूमेंट सं. 1360/81) में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्सूची से और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य, तनजावूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभात प्रतिकत से, ऐसे ११४मान प्रतिफत का पन्त्रह प्रतिशत में प्रिक्ति है और पन्तरह (जनार हों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छप में कथिन नहीं किया गया है:-

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर वैने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए। भीर/या
- (न) ऐसी किसी श्राय या किसी छन या भन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिष्ठित्यम, या धनकर ग्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुधिधा के लिए;

ग्रतः,श्रव, उक्त ग्रिष्ठितियम की धारा 269-ग के मनुसरण मे, उक्त ग्रिष्ठितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिष्ठीत निम्तिकित व्यक्तियों, वर्षात्:— (1) श्री धोविठ राजुल् नायडा।

(अन्तरक)

(2) श्री कलैं अरसी नटराजन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाचा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति जारा प्रधोत्रस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सकरेंगे।

स्पच्छो करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त शिव -नियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, नो उस प्रकाय में दिया गया है।

वनसूची

भूमि और निर्माण-सर्वे 168/7, 168/8, 168/10 लक्का तोप, तनजाबूर, (डाक्र्सेट सं. 1360/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारौ सहामक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, मद्रास

तारीख : 7-12-1981

नोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एसं. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मदास, विनांक 7 विसम्बार 1981

निदाश सं. 9363--यतः म्फी, राधा बालकृष्णन, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही और जिसकी सं. 81 है, तथा जो बेकटनगर, पांडचरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओल्कर (डाक्र्मॉट सें. 433/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिसिंदम, (1908 का 16) के अभीन, अप्रैल, 1981 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंति,रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में तृचिशा के लिए; बॉर/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में स्विधा को निए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के जन्सरण में, मैं, उक्त विधिनयम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के जधीन निम्नित्रिक्त व्यक्तियाँ, अर्थात् हु--6---416GI/81

(1) श्री के. शालास्युमनियन।

(अन्तरक)

(2) श्री बरितरान सौदिरराजन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वितवद्युष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थ्यक्रीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्धें का, यो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-81, वेंकट नगर, पांडिश्वरी (डाकर्मेंट सं. 433/81)।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजेना । , मदास

त्रीब : 7-12-1981

मोहरू 🛭

प्रकप भाई० टी० एन० एस •----

(1) श्री डी. सिवमति।

(अन्तरक)

(2) श्री चंपालाल जयन।

(अन्त्रिती)

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 7 विसम्बर 1981

निदोश सं. 9362—यतः मुक्ते, राधा दालकृष्णन, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धार्धिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घारीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्यार से प्रधिक है

और जिसकी सं. 31ए हैं, तथा जो बेंकट नगर सरम पांडिचोरी में स्थित हैं (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओलुकर (डाक् मेंट सं. 488/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत ग्रिविक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बायत, उसत ग्रिश्च-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उसले बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी क्ष से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोत्स्ताक्षरी के पास
 विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिक्ष-नियम, के श्रष्टगाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रष्टगाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-121, विंकट नगर, पांडिचेरी (डाक्रूमेंट सं. 488/81)

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरिक्षण) अर्जन रोज-।।, मन्नास

तारीब : 7-12-1981

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना भारत सुरकाड़

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, मग्रास

मक्रास, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निर्देश मं 9338--यतः मुक्ते, राक्षा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण **ह**ैकि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मल्य 25,000 / रु. से अधिक हैं। और जिसकी सं 23 है, तथा जो रूलल्ली टोलनठल, पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाकूमेंट सं 745/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981 को पुर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ए'से स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) बारोकियस्वामी मरीसूस अन्ठोनियम्माल और अवसी। (अन्तरक)
- (2) श्री कानचनलाल मगनलाल जावरी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित र्म, बही अर्थ होगा, जो उस स्थाय में विया गया है।

नगुजुनी

भूमि और निर्माण-23, रूल्लली, टोलनठल, पांडिकरी (डाक्रूमेंट सं 745/81)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)ः अर्जन रोज-।।, मदास

तारीब : 7-12-1981

प्रस्प वाहाँ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के मंभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।।, मद्रास

मद्राम, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निवंश सं. 9339--यतः मुक्ते, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. 11, रामकृष्य नगर है, तथा जो पांडिचरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचरी (डाक्र्मेट सें. 720/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981 को पूर्थिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्पमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

कल् निम्नलिक्ति उद्विषय से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक

कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सीतारम्यगर कुप्युस्वामी चौदरी।

(असरक)

(2) श्री पूरी एकानाठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कार्क्ष भी आक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंकिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

भूमि और निर्माण-11, रामकृष्न नगर पांडिचरी, (डाकर्मोंट सं. 720/81)।

राधा बालकृष्णन समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।।, मद्रास

तारी**य**ः **7-12-1**981

माह्य :

प्रक्ष बाई. टी. एन. एस.-----

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269=व(1) के अधीन सुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निद्येश सं. 9353—यतः मुक्ते, राधा बालकृष्टनं, आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गण हैं), की धारा 269-व के बाधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति जियका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

और जिसकी सं. 19 है, तथा जो महादाना स्ट्रीट मायूरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मायूरम (जाकूमेंट सं. 320/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर भ्रन्तरिवी (ग्रन्तरिवीं) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वासत उक्त भ्राविनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय श्राय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया स राजिया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन : निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--- (1) श्रीपी. नीला।

(जन्तरक)

(2) श्रीमती रशिया बंगम पत्नि हरून ,रशिद। (अन्तरिती)

को यह तुचना जारी करके पूर्वीक्त तम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्चनाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की प्रविध्या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की भवकि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (खा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की लारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के नास विश्वित में किए जा सक्तेंगे।

रपक्डीकरणः --इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्वो का, जो उन्त श्रीधिनियम के भ्रष्टमाय 20 क में यद्यापरिकाधित हैं, वहीं भर्षे होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्माण-19, महादाना स्ट्रीट, मायूरम (डाक्नूमेंट सं. 320/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारीं स**हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रज-।।, मक्सस

नारीख : 7-12-1981

मोहर 🖫

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 विसम्बर 1981

निष'श सं. 11431— यतः मुफे, राधा बालकृष्नं, लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छन्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 26% ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं. 10 है, तथा जो चट्टम स्ट्रीट, पोल्लाच्ची में स्थित हैं (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाच्ची (डाकूमेंट सं. 1486/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981

को पूर्वोक्त नमाति के अवित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परवह प्रतिशत से प्रधिक है खौर परवरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रत्तरितियों) के बीच ऐसे परवरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त अन्तरण लिखित में वाक्तविक क्य से क्षिप जहाँ किया गया है।—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिनियम, 1923 (1922 का 11) या उच्च मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया थ्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिक्षा के निए।

श्रत। अव। उनत बिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों प्रथित् :--- (1) श्री धिरिजा बाय।

(अन्तरक)

(2) श्री बालवियजा सारनगपानि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के कर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 48 दिन की अवश्रिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ख से 30 दिन की सवित्र, जो भी सवित्र बाद में समाप्त होती हो के मीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थाधर सम्मत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक रो के पास श्लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-10, चट्रम स्ट्रीट, पोल्लाच्ची, (डाक्र्मेंट सं. 1486/81)।

राधा बालकृष्टनं स्**क्षम् प्राधिकारी** सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ा]ज-।।, मदास

तारीय : 7-12-1981

प्रक्रप आई.टी.एन.एस.-----

भारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 विस्मबर 1981

निदश सं. 16429— यतः मुक्ते, त्राथा बालकृष्णं, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम काहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पदि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से बिधक हैं और जिसकी सं. सबें 115/75-79, मठरिपाखूम है, तथा जो बिस्मिटियन्टी (काक मेंट सं. 1598/81) में स्थित हैं और

और जिसकी सं. सर्वे 115/75-79, मठरिपाख्रम ही, तथा जो घुम्मिटिपूनठी (डाक्यूमेट सं. 1598/81) में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्राम नारत में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का फल्क्स प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अनतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिक्रक किल निम्निसित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त मिनियम के जभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; जॉर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था जिजाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बी. मृनिस्वामी नायड्रा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दंबी तिथंट्टरम।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनस्त्री

भूमि और निर्माण-सर्वे सं 115/75-79, मठरिपाखम, घुम्मिठिपुनठी (ज्ञाकुमेंट सं 1598/81)।

> राधा बालकृष्तं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मद्रास

तारील : 3-12-1981

मोहर 🖫

प्रकार नाही, दी, एन, एसु,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, मन्नास

मद्रास, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निद्या सं. 11403—यतः मुक्ते, राधा बालकृष्टं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 9, 10, 10ए, स्नो ठान मरिसमनठ रोड है, तथा जो उन्ट्री में स्थित हैं (और इससे उपायव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या लय, उन्ट्री (डाक मेंट सं. 725/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1981

को पृवाक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्काल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (ख) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निष्निष्कि व्यक्तियों, अभीत् :---

(1) श्री नितयानंठ मेनं।

(अन्तरक)

(2) श्री जे. एस. कोसरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्मृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हिकरण:--इसमें प्रयुक्त पट्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्ची

भूमि और निर्माण-9, 10, 10ए, वठेचेरी हाँस, स्नो ठान मरिनमंठ रोड, उन्द्री, (डाकूमेंट सं. 725/81)।

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, मद्रास

तारीब : 7-12-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजना।, मदास

मदास, विनांक 3 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. 16424—वतः मुक्ते, राधा बालकृष्णं, आयर्केर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की घारा 269-ख के घश्चीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं 16 है तथा जो गोपालकृष्म अय्यर स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी. नगर (डाक्र्मेंट मं. 1258/81) में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार, कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दश्यमान प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के बाबिश्व में कमी करने या उससे अधने में ब्रिवश के किए। और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या प्रका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः अव, उनत विधिनियम की धारा 269-ग के अनु-गरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की अवधारा .(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1---7---416GI/81 (1) आठम. एन. अबस्स सलास

(अन्तरक)

(2) मीरा मेठीन

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्स्तु अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय के दिया गया है।

अमृस्ची

भूमि और निर्माण-16, गोपालकृष्न अय्यर स्ट्रीट, मुद्रास-17, (बाक्र्योंट सं. 1258/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रूज-।।, मकास

तारीब : 3-12-1981

मोहर 🖟

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 विसम्बर 1981

निर्मेष सं. 106/अप्रैल/81---यतः मुक्ते, आर. रिव--चंद्रन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' केहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 34 है तथा जो विकटोरिया क्रेसनट रोड, मद्रास-8 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विर्णत है), रिजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परिण्मेट (डाक्र्मेंट सं. 449/81) में भारतीय रिजस्त्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

निश्व सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्नितिष्ति उद्देष्ण से उक्त अन्तरण कि लिए नथ पाया गया प्रतिफल कि निम्नितिष्ति उद्देष्ण से उक्त अन्तरण कि लिए नथ पाया गया प्रतिफल से कि से से कि से तहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) हासून कलिलियान और अदरस वै पावर आफ अटारनी।

(अन्तरक)

(2) कासिम कलीलि फ्रेनकपट फरनांडस और अवरस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किसी सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-34, विकटोरिया फ्रेसनट रोड, मद्रास-8, (डाकमेंट सं. 449/81)।

> आर. रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मद्रास

तारीख : 5-12-1981

मोक्य :

प्रारूप आर्घ टी पुन एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रौज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 14 विसम्बर 1981

निवाश सं. 16309--यतः मुभ्ते, राधा बालकृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000 / रह. से अधिक हैं और जिसकी सं. 46 है तथा जो रामान्जम स्ट्रीट, मन्नास मे स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी. नगर डाक मेंट सं. 1007/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन, अप्रैल 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रहुप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुर् िन्सी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कंसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया-था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) सिनगन्ना और अवरस

(अन्तरक)

(2) शनमुगतम्माल

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुस्ची

भूमि और निर्माण-46, रामानुजम स्ट्रीट, मद्रास-17, (आकृमेंट-सं 1007/81)।

राधा बालकुनं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण) अर्जनु दुर्जु-।।,, मुख्रास

तारीख : 14-12-1981

प्रकृष बाद[‡]् टी_न एक् एस् ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चु (1) के स्थीन सुन्ता

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्णन रॉज-।।, मदास

मन्नास, विनोक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं 16456—यतः मूक्ते, राधा बालकृष्णं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. सं. 1408, 1409/1, 1409/3, 1410/7 है तथा जो मौंड रांड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी. नगर (डाक्-मेंट सं. 1454/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पृथां कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियस के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्कने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) पृष्पवल्ली, राजा, सम्पृत, कृष्न्माचारी सुन्दरा-चारी, पार्थसारती ।

(अन्तरक)

(2) रघुरामन, पदिमानि, पदमनाभून, राजगोपाले, तिरूमले

(बन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्सूची

भूमि और निर्माण-आर. एस. सं. 1408, 1409/1, 1409/3, 1410/7, मौंड रोड, मद्रास, (डाक्रूमेंट सं. 1454/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र ज-11, मन्नास

तारीख:: 14-12-1981

प्रकृप भाइ, टी. एन. एस.-----

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, हिंदराबाद

दिनांक 14 नवम्बर 1981

निदंश सं 16496—यतः मृभे, राधा बालकृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 24, बेसनट रांड, है, जो मद्रास 14 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत (टाक मिंड सं. 1581/81) में भारतीय रिजर्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधील :--

(1) श्री वरमामबाल, श्री दोरोराज

(अन्तरक)

(2) श्रीबी सुदंरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपित्त में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण-24, बेसनट रोड, रायमेट्टा, मन्नास-14 (ठाक में ड सं. 1581/81)

राधा बालकृष्य सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) राधा बालकृष्य

तारीख: 14-12-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आहे^र.टी.एन्.एस.,------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पटना

पटना, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निद्देश सं. ।।। 525/अर्जन $^{/}81-82$ ---अतः मुभ्ने, हृदय नारायण,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. म्यूनिस्पल प्लाट सं. 733 सीट सं 32, हाल्डींग सं. 202 का अंश, सिंकल सं. 9 वार्ड सं. 2 (प्राना) 10 (न्या) ही तथा जो एक्जोविकन रोड ओल्ड बृजिकिकार पथ पटना सं जाता ही में स्थित ही (और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विर्णित ही), रिजिस्ट्रीकिता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजिस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, सारीह 29-4-81

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा के लिए।

बतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों अर्थातः---

- (1) श्रीमती निर्मला बंबी जांजे स्व अक्षय कुमार भटटाचार्या निवासी एक्जीविशन रोड थाना कोतवाली, जिला पटना द्वारा उनकी मनानित बहु सियत वो मोस्तार अनाम श्री मती वाणी बनजी जांजे श्री अमरोन्द्र नाथ बनजी निवासी एक्जीविशन रोड, थाना कोत-वाली, जिला पटना (जो 12-3-81 को लिखित तथा 14-3-81 को पंजिकृत वह सियत वो मोखतार आम के रूप में कार्यरत थी। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती वाणी बनर्जी जीजे श्री अमरोन्द्र नाथ् बनर्जी निवासी एक्जीविशन रॉड थाना कोसवाली, जिला पटना।
- (2) श्रीमती पृष्पा देवी जीजे स्व. रामचन्द्र प्रसाद ब्यास निवासी बाकरगंष गोला रोड, थाना पीर बहार, जिला पटना

(अन्तरिती)
(3) श्री एसं. के. सेन गुप्ता नीचली मंजील का दक्षिणी
भाग निवास स्थान होतु (2) रोड ट्रांसपॉट कापॉशन
नीचली मंजील कार्यालय होतु (3) श्री बी. एस.
जैन-उपरी मंजील निवास स्थान होतु

्ह व्यक्ति, जिसके बार) में अधांहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृषािक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास जिल्हा में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

अमीन का रकता 1 कटना 17.5 भुर जो 2552 87 वर्ग-फीट को बराबर होता है, दो मजीला मकान सिंहत मौजा एक्जी-विश्वन रोड जो बृजिक शोर पथ को नाम से जाना जाता है, में स्थित है तथा पूर्णरूप से वसिका संख्या 3190 दिनांक 29-4-81 में वर्णित है एवं जिसका निर्वन्थन जिला अवर निर्वन्थक पदा-धिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> ह्नुवय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज, पटना

तारीख: 4-12-1981

मोहरु ः

प्ररूप आहर् .टी . एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, पटना

पटना, विनांक 14 दिसम्मर 1981

निद्देश सं. ।।।-526/अर्जन/81-82--यसः मुभ्के, हृदय नारायण,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सय्नस्पल प्लाट सं. 733 सीट सं. 32, होल्डींग सं. 202, का अंश सिर्फल सं. 9 वार्ड सं. 2 (पुराना) 10 (नया) है तथा जो एक्जीविशिन रांड जो बृजिककोर पथ के नाम से जाना जाता है में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मूफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भने या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंदारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उन्क्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उन्क्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसन व्यक्तियों, अर्थातु:——

- (1) 1. श्रीमती निर्मला दोनी जीजे स्व. अक्षय कुमार भट्टाचार्या निवासी एक जीविशन रोड, थाना कोतवाली, जिला पटना द्वारा उनकी मनोनीत बहुँ सियत वो मोस्तार आम श्रीमती वाणी बनर्जी जीजे श्री अगरोन्द्र नाथ बनर्जी निवासी एक जीविशन रोड, थाना कोतवाली, जिला पटना (जो 12-1-81 को लिसित तथा 14-3-81 को पंजीकृत बहुँ सियत वो मोस्तार आम के रूप में कार्यरत थी।
 - 2. श्रीमती वाणी बनर्जी जोजे श्री अमरोन्द्र नाथ बनर्जी, निवासी एक्जीबिशन राखे, थाना कोतवासी, जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजक मारी प्रसाद जीजे श्री आर. एन. प्रसाद निवासी गोला रोड, बाकरगंज, थाना पीरबहार, जिला पटना।

(अन्तरिती)

- (3) 1. रोड ट्रांसपोर्ट कार्पोरोशन निचली मंजिल कार्यालय होत्।
 - 2. श्री वी. एस. जैन उत्परी मंजिल निवास स्थान होतु। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हाँ।

उकत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विंन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकेबा 1 कटठा 17.5 धुर औ 2552.87 वर्ग-फीट के बराबर होता है, दो मंजिला मकान सहित मौजा एकेजी-बिशन रोड ओ बजिकिशोर पथ के नाम से जाना जाता है, में स्थित है तथा पूर्ण रूप से विसिका सं. 3189 दिनांक 29-4-81 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पद्या-धिकारी, पटना दुवारा सम्पन्न हुआ है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पटना

तारीख : 14-12-81

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पटना

पटना, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

िनविषे सं.-।।। 527/अर्जन/81-82---अक्षः मुक्ते, हृदयः नारायणः,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं. थाना सं. 153 वार्ड सं. 6 (पुराना) 4 नया, खाता सं. 480 है तथा, जो अनवरपूर, पत्रालय हाजीपूर, जिला पैशाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैशाली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-4-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह मारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मुधीन, निस्निल्धित व्यक्तियों, अधीत् क्षान (1) श्री कृष्ण चन्द्र प्रसाद सिंह पिता श्री रघुनाथ प्रसाद सिंह निवासी चांदपुरा चक सक रन्द्र थाना दिद्पूर जिला वैद्याली

(अन्सरक)

(2) श्रीमती शारदा वंबी पति श्री सुदामा सिंह वो श्रीमती विष्ध्या सिंह पति श्री सत्येन्द्र सिंह वो श्रीमती उर्मिला वंबी पति श्री शिवनारायण सिंह वो श्री मनिन्द्र कुमार सिंह पिता श्री वालगोविन्द सिंह निवासी महल्ला वागतजिलां उन्नर्भ पोलड़ा, डाक घर-हाजीपुर, जिला वंशाली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृषाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (ज) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिकित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

जमीन का रक्त बा 16 भूर जो मौजा चक अनवरपुर उर्फ अनवर-पुर, प्त्रालय हाजीपुर जिला वैद्याली में स्थित है तथा पूर्णरूप से विसिका संख्या 1604 दिनांक 4-4-81 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक प्रवाधिकारी वैद्याली द्वारा सम्यन्न हुआ है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, पटना

तारीतः 14-12-81

मोहर 🛭

प्ररूप आह. . टी . एन . एस . ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, एटना

पटना, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

िनदोश सं -।।। 528/अर्जन/81-82--असः मुक्ते, हृदय नारायण

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/ रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी मं तौजी मं 439, बार्ड सं 11 सर्कित मं 28, मीट मं 70, एम. एम. प्लौट सं 293, हाल्डींग सं 276, पुराना है तथा, जा नया 288 असक्दी, मछ्जाटोली (जो अवलाश लेन से जाना जाता है) थाना कदमक्तुंबा, पटना में स्थित हैं (और इसमे उपाइद्ध अनुमूची और में पूर्ण रूप से गणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजि- इनिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तीरील 22-4-81

तो पूर्विकत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित वाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के दिन्न प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक हुए से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अभिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य अपिस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें,प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था हिस्पाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा(1) हे अधीन निम्निलिकिट व्यक्तियों अर्थातः -- 8--41631/31

(1) श्रीमती शैल कुमारी देवी जीजे श्री लक्ष्मण शम्मी निवासी मौजा भेलूबी थाना परसार जिला-सारण) (छपरा) वर्तभान निवासी बुद्धा कालोनी, पुलिस स्टेशन के समीप पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री मामन राम अग्रवाल आत्मज श्री रूली राम अग्रवाल निवासी मध्जीवाग, थाना पीरवहार, जिला पटना वर्तमान:--अमन्दी मछा आटोली (जा अबुलाश लेन से जाना जाता हो) थाना कदमार्श्वां, जिला पटना

(अन्तरिती)

(3) अंतरिती द्वारा स्वयं अधियोग (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

मबाजी 5 आना 4 पाई हिस्सा जो 10-1/3 ध्र जमीन के बरा-बर होता है जिसपर तीन मंजीला मकान अवस्थित है एवं जो आम रूदी (जो अवुलाश लेन से जाना जाता है), थाना कवमकां आं, जिला पटना में पड़ता है तथा पूर्णकृष से विसक्ता सं. 2939 विनांक 22-4-81 में यणित है एवं निबन्धक जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पटना

तारींब :17-12-81

प्ररूप भाइ. टी. एन्. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 3 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. ए. सी. -66/रोज-4/1981-82---यतः म्फो,

क. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 74 है तथा जो धर्मतला लेन, हावड़ा स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 22-4-1981

को पूर्वेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिलिखत में बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: ज्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भे, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) भी अधीन, निम्नितिषित व्यक्तियों, व्यक्तिश्र-- (1) श्री सनत कुमार भटजी

(अन्तरक)

(2) श्री ननीवाला, मानिक लाल, किरण लाल दास (अन्तरिसी)

को यह सुमना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरुण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन - 2क 10 छ -- 11 वर्गफुट मकान समेत । पता - 4 धर्मतला लेन , थाना - शिवपूर, जिला - हावड़ा। दस्तावेज संख्या-1981 का 2042।

के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, कलकत्ता 54, रफीअहमद किदवाई राँड, कलकत्ता-16

ता्रीब : 3-12-1981

शक्प भाई॰ टी० एन० एस०-

भायकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 विसम्बर 1981

निवर्ष सं. ए. सी. -67/रेज-4/कल/1981-82~-यतः मुभ्ते, के. सिन्हा,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृश्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो रोकड़ , जिला-वार्जिलिंग स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-4-1981

प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की पई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृथ्यमान प्रतिकल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत प्रस्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से काबत नहीं किया गया है:—

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रजीत कर देने के भग्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धारितयों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत घिनियम, या धनकर घिनियम, या धनकर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, उपने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रक्रिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधिन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती रानी शीला देवी राना

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक मुखणी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की धर्माध्या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी धर्माध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन भी तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त क्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी
 के पास निश्चित में किए जा सकेंगे!

स्पब्धीकरण !-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवादित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मू ची

जमीन - 1/4 अविभाजित 75 पाल्स मकान समेत का । पता रोक उड़ और जिला - दार्जिलिंग, दस्तावेज संख्या न 2839 का 1981 ।

> के सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) उर्जन रेज-4, कलकत्ता 54, रफीअहमद किंदबाई रोड, कलकत्ता-16

त्रारीख : 3-12-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भासकर भी भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें भ, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 3 दिसम्बर 1981

निवर्षा सं. ए. सी. -68/रोज-4/कल/1981-82---यतः मुक्ते, के. सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. है तथा जो रोक उड़ जिला - दार्जिलिंग स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 4-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के एरपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य. उसके एरपमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कम से किथ्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कियी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती रानी किला केवी राना

(अन्तरक).

(2) श्री दीपक मुख्जी

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवरिष्ट्यां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

जिमन - अविभाजित 75 पौल्स ,दो तला मकान समेत का 3/4 भाग पता - रॉक उड़ थाना - और जिला - वार्जिलिंग दस्ता-अंज न. 2884 का 1981 ।

> के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-4, कलकत्ता 54, रफीअहमद किववार्द रोज, कलकत्ता-16

तारील : 3-12-1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 4 विसम्बर 1981

निदंश सं. ए. सी. -69/रंज-4/कल/1981-82---यतः मुभ्ते, के. सिन्हा,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु० से प्रधिक है,

और जिसकी सं. है तथा जो थाना - दानजूर जिला - हाबड़ा स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय में, रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक्ष को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्द प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, प्रक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या श्रन्य झास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-म के धनुसरण में. में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित क्यक्नियों, श्रधीत:— (1) श्री वेथंन्द्रमल महन्थ

(अन्तरक)

(2) श्री राधरेयाम भानभानवाला

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ले 30 दिन की श्रविध, जो भी यविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अपित्यों में से किसा व्यक्ति इसरा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उना स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उपत ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन - 1 विषा 9 क. पता - मौजा - कारला थाना - वोन-जूर, जिला - हवड़ा 1 वस्तावेज - संख्या न. 2820 का 1981।

> के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारणे सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) उर्जन रॉज-4, कलकत्ता 54, रफीअहमब किदबाई रोड, कलकता-16

सारीख: 4-12-1981

प्ररूप आई• टी• एन• एस•---

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निद^{न्}कः सं. ए. सी./र⁻ज-4/कल/1981---यतः मुक्ते, को. सिन्हा,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 64/29 बी. है तथा जो खूबीराम बोप रोड कलकत्ता-37 स्थित है (और इसमे उपायद्ध अनुसूची मों और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस. आर. सियालह से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 24-4-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफंत के लिए अन्तरित की गई है छौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्था से किया नहीं किया गया है।——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत मिर्छ। नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भोर/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मृलिखित व्युक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री सनत चुकावती

(अन्तरक)

(2) श्री सुप्ता | दास गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप 1--

- (क) इन सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्वी

जमीन - 1 क. 15 छ. 10 वर्गफाट (मकान समेत) पता - 64/29 बी., खुवीराम बोषु रोड़, कलकत्ता-37 ।

के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) र्जन रंज-4, कलकत्ता 54, रफीअहमद किदवाई रोड, क्लुकक्ता-16

ता्रीख: 7-12-81

मोहर 🔢

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

फ्र इं. नं. 973/एसीक्यू.आर-111/81-82-~यतः म्रु. आर्ड. वी. एस. जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 51 है तथा जो निलनी सं. रोड, कलकत्ता स्थित है (और इससे अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 8-4-1081

करे पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूला उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक मूलान किया नहीं किया गया ही:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनिधम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, मुश्रीस् ः— (1) श्री एम. सान्नाराम एन्का

(अन्तरक)

(2) थी शिभाजि तियारी और दुसरो

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

51, निलनी से. रोड, कलकत्ता। 6 कणे - 5 छटाक - 28 स्कायर फिट जीमन पर मकान।

आई. वी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-१११, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 8**-**12-1981

मोहर 🚁

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1981

निर्द²श सं, ए. मी./रौज-4/कल/1981—स्त, मुक्ते, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एफ./304 है तथा जी 17/1-सी. अलीपुर रोड, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य आर. ए. कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींस 15-4-1981

को पूर्वा कत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य म उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित्, व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री पूरन चन्द्र गुप्ता

(अन्तरक)

(2) श्री नागरमल दोवकीनक्ष्त एच. यू. एफ. बाईनागर-मल कोजरीवाल (करता)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूवों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीशासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मोरत में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

क्षेत्र - 1700 वर्गफूट पता - 17/1-सी. अलीपुर रोड, कलकत्ता - 27 ।

के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।।, कलकला 54, रफीअहम्द किववाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख :: मोहर : प्रकप आई• ही• एन• एस•----

ग्रायकर शक्षिणियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-प (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, कलकक्षा

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्वोध सं. ए. सी. — यतः म्फो, आर्इं वी. एस. जुनेजा, आयकर अखिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शामिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- उपये से प्रधिक हैं और जिसकी सं. 11 है तथा जो राजंडन, स्ट्रीट स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णक्य से वर्णित हैं), रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिलत बाजार मूल्य से कम के वश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति की सिकत बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में एक्त प्रन्तरण निश्वित में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी याय की बाबत, एक्त क्षिक्षित्रम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बबने में सुविद्या के लिए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धर्धिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर पश्चित्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः 'ग्रन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रत्-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिक्त व्यक्तियों; ग्रथीत ----9--- 41601/81 (1) श्री सोमेन्द्र चन्द्र गृप्ता

(अन्तरक)

(२१) नीपानी और सन्म (पा.) ि

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी पविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब किसी भ्रम्य व्यक्ति हारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, को उपत भित्रियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभावितः है, वही पर्य गोगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विका वसा है!

मामची

11 राउडन स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित आंशिक (एक तल्ला, आंसिक, दो तल्ला एन्ड आंसिक तीन तल्ला मकान का साथ 29 कटा 7 हटाक, 31 वर्ग फीट जिमन जो डीड ने. 1-2907 अनुसार 7-4-81 तारीखों में रिजिस्ट्री ह्या।

आर्दः वी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, कलकत्ता 54, रफीअहमद किदबार्द्ध रोड, कलकत्ता-16

तारीच : 14-12-81

मोहर 🚱

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

मायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 विसम्बर 1981

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. (अर्जन)---अतः मूफ्ते, डी.पी.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1232 एवं 1233 है तथा भो मढ़ाताल में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-4-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फा निम्निसितित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

1. संसरी बेगम बेगा हमीद खां उर्फ पापा सा. 1174 नया मोहल्ला मढ़ाताल, जबलपुर। (अन्तरक)

 श्री दीवानचंद बल्द मोतीराम सा. 735, मढ़ाताल, जबलप्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

मकान नं. 1232 एवं 1233 जो मढ़ाताल जबलपुर में स्थित

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 10-12-1981

मोहर 🚬

प्रकप आई० ठी० एन० एस०----

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निवर्षा सं. आर्दः ए. सी. (अर्थन) -- अतः मूक्ते, डी.पी. पंत,

धायकर धिवितयम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- २० से धिक है

और जिसकी मं. 513 है तथा जो सराका वार्ड में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-1-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रक् प्रतिशत अधिक है मीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्राव्यति (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप म कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, डक्स प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रकारक के दायिस्व में कभी करने या उससे बबने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रम्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर बधितियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर बिधितयम, या धन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या या किया जाना वादिए वा, छिपान में सुविधा के लिए;

धतः धव, उत्तत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तत अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के सुभौत्, निक्तिवित स्वित्वां, स्वाति क्षाना

- 1. भी सिषद् राजनर्धन कुमार पुत्र सिषद् मोतीसाल जैत, सा. नेपियर टाउन्म, जबलपूर।
 (अन्तरक)
- 2. श्री कौलाशचन्द पुत्र रामानारायण तामुकार, निवासी 152, कोतनाली वार्ड, जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप:---

- (ण) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख, से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवित, जो भी वंबधि बाव में समान्त होती हो, के भीतर पूबॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूजना के राजवा में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताकारी के पास निकात में किए जा सकोंगे।

रूपव्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो सकत प्रिविनयम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उप श्रष्टवाय में दिया गया है।

मन्त्रची

मकान नं 513, जो मोहल्ला गराफावां में, प्लाट नं 99 पर स्थित है।

वेव प्रिय पन्त **सक्षम प्राधिकारी** सहायक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन ,र्जु, <u>भो</u>पाल

तारीच : 10-12-1981

मोहर 🗓

प्ररूप माई०टी०एन०एस०---

- ग्रायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निर्दोक्ष सं, आर्द्री. ए. सी. (अर्जन) — ~ अतः मुभने, डी. पी. पंत,

भाषकर पश्चिति गया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'खनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भश्चीन सम्मम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भश्चिक है

और जिसकी सं. 851 है तथा जो नेपियर टाउजन में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी. के कार्यालय, जबलपर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अंनरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दत् प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (यस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य में उका अन्तरण लिखित में वास्तविक

- (मा) प्रस्तरण से हुई किसी प्राप्त की वाजन उक्त श्रीवं-नियम के ग्रिवीन कर देने के श्रस्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (म) ऐसी किसी प्राय पा किसा धन या प्रस्य प्रास्तियों की, जिस्हें भारतीय जायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, पा धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये प्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः प्रव, उकत अधिनियम की धारा 269-म के प्रनुसरण में, मैं, इक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रचीन निम्नकिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- इस्टिर्न आक्सीजन द्वारा श्री एच. बी. महिता, कृषि महाविद्यालय के पास जबलपुर।
 (अन्तरक)
- 2. (1) श्री डा. एस. को. नेलसन
 - (2) श्रीमती शोभा नेलसन, 851, नेपियर टाउलन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्बक्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सक्दों ग्रीर पटों का, जो छक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नेपियर उपज्ञन जबलपुर में स्थित मकान नं 851, और प्लाट नं 23, राब प्लाट नं 1 पर स्थित है। प्लाट रकबा 8601 वर्ग फुट।

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, स**हायक आयकर आयुक्त (निर्द्रीक्ष्ण)** अर्जन र^रज, भोपाल

तारीख : 10-12-1981

मोहर 👾

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 10 दिसम्बर 1981

िनिद्धेश सं. आर्ह. ए. सी. (अर्जन)——अतः मुभ्कें, डी.पी. पंत.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो फाफडीह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायप्र में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-4-1981 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती अजीवन पत्नी श्री नारायणभाई व्धारा मुक्तार श्री नारायणभाई बक्ताभाई, फाफाइहि, रायपुर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती शीला रानी पत्नी किसनताल, सा. दुर्ग। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सुम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गुमा है।

अनुसूची

प्लाट-रक्तबा 11671 वर्ग फाटु ख. न. नं. 267/। और 269 जो फाफाडीह रायपूर में स्थित है।

> देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीख: 10-12-1981

प्ररूप बार्दः टी. एन्.; एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन राज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निदोत्त सं. आय ए. सी. (अर्जन)—–अक्षः मुक्ते, दोवप्रियः पन्तः

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं नं 3/1 कृषि भूमि है, तथा जो पिपल्या कुम्हार में स्थित हैं (और इससे उपबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-4-1981

कों, पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्घेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त जीभ-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्रुचने में सुविधा के सिये और/या
- (क्ष) ऐसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) भी बद्रीलाल पूत्र भी सीताराम निवासी ग्राम पिपल्या कपुम्हार तह. व जिला इन्दरि

(बन्तरक)

(2) (1) राधेषयाम पुत्र लक्ष्मीनारायण 40 श्रव्धानन्द मार्ग इन्दरि (2) रतनलाल पुत्र कुन्दनमल 910 नेहरू नगर, इन्दरि

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के, लिए कार्यथाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जल्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नगराची

ग्राम पिपल्या कपुस्हार जिला इन्दौर में खसरा नं. 3/1 पैकी 0-68 की भूमि।

दोवित्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

अतः शब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:——

तारीय : 15-12-81

प्रकृप आह. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

क्रम्स्य, सहायक कायकर काय्क्त (पिरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निदोश सं. आय. ए. सी. (अर्जन)---अतः मुफ्ते, दोवप्रिय पन्तः,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिमका उच्चित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि ख. नं. 17 है, तथा जो पिपल्या कुम्हार में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-4-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्य) जन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत उक्त जीध-नियम को अधीन कर दोने की अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (स) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की तण्धारा (1) के अधीनः, निम्नीलीयत व्यक्तियों, नुर्धात् :--- (1) श्री रामचरण पूत्र सीताराम नि. ग्राम-पिपल्या क्रम्हार तह. विजला इन्दौर।

(अन्सरक)

(2) (1) श्री मदन लाल पृत्र सीताराम नि. ग्राम - पिएल्या करुम्हार (2) सन्तोषक मार पृत्र क्ष्पनारायण अग्रवाल नगर, इन्दौर (3) शशिब्दीबी पत्ति श्री हरीशबाब नि. -52 ख्षा ग्रंज, इन्दौर (4) उपा दोबी पत्ति श्री पवन कुमार 910-नेहरू गंज इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील गे 30 दि: की अविध, जो भी अविध साथ में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा संकर्ण।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कुर्य होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

ग्राम पिपल्या कम्हार में खसरा नं.-17 पैकी 1--डैसी- मल भिमा

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोपाल

तारी**ल** : 15-12**-**81

प्रकृष बाई० दी । एन० एस०---

का पिकर का बिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के **बधीन सूचना**

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निदोश सं. आय. ए. सी. (अर्जन)⊸–अतः मुभ्के, दोवप्रिय पन्ता,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारग है कि स्वावर संपत्ति, जिनका खवित वा वार मूख्य 25,000/- एक. से अधिक है

और जिसकी सं. खसरा नं.-17 है, तथा जो पिएल्या क्रम्हार गांव में स्थित है (और इससे उपवव्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से बर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्त बाबार मूल्य से कम के वृत्वमान प्रति-फल के जिए अन्दरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिन्त बाजार मूल्य, उसके वृत्यमान प्रतिकल से ऐसे वृत्यमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिगत से घ्रांचिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निव्निविधित उद्देश्य ते छत्त अन्तरण विश्वित में व्यक्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (भ) अन्तरम से हुई किसो आय को बाबत छवन अधि-नियम के प्रधीन कर येने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बबने में मुविधा के लिए; धौर/या
- (व) ऐसी किसी बाप या किसी बन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुनिवा के लिए;

अतः अम, उक्त अभिनियम, की धारा 269-त के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

(1) श्री रामचरण पुत्र सीताराम नि. ग्राम पिपल्या कुम्हार (2) श्री मदनलाल पुत्र सीताराम।

(अस्तरक)

(2) श्री रामाप्रसाद पृत्र श्री कान्द्रनम्ल (2) श्री श्रीतल-प्रसाद प्रो. श्रीमती सी. बी. अग्रवाल (अन्तरिती)

को ग्रह सुचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए

उन्त सम्पत्ति के धर्वन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र !---

कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध
 बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मध्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लीहरूताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिया :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम पिपल्या काुम्हार तह. व जिला इन्दरि मो ससरा नं. 17 पैकी 0.74 एकड़ की भूमि।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 15-12-81

प्ररूप् कार्ष. टी. एन्. एस्.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

काय निय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, विनाक 15 विसम्बंद 1981

निवोध सं. आयः एः सी. (अर्जन)---अतः मुभ्ने, दोवप्रिय यन्त,

काधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके परवात् 'उन्ते अधिनियम' कही गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, तथा जी विपत्नों केम्हार में स्थित हैं (और इससे उपबंद्ध अनेस्वी में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रेजिस्ट्रीकिती अधिकारी के कीर्यिलय, इन्दरि में रिजिस्ट्रीकरण अधिनिवर्म, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-4-1981

को पूर्वोकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कंज के देखमान प्रतियाल के लिए अन्तरित की गई हैं कीर मुंके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके देखमान प्रतिफल से, ऐसे देखमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त बन्तरण कि चित्त में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (%) अन्तरण से हुई किमी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यो
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अभिति ह——
416—41GI/81

(1) श्री रामचरण पिता सीताराम (2) मदनलाल पिता सीताराम।

(अन्तरक)

(2) श्री देवचन्द्र पिता रतनलाल (2) चतुभु व पिता हर-प्रसाद (3) श्री सुरोश कुमार पिता लालचन्द्र अग्रवाल ग्राम पिपल्या कुम्हार तह. विजला इन्दौर। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचनी की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूचीं के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंत-बद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा कथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसूची

ग्राम् पिपल्या कुम्हार में सं. नं. 17 पैकी 0.92 डैसीमल भूमि।

द विप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज, भोपाल

तारींखे : 15-12-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 15 दिसम्बर 1981

ि मिदोश सं. आय. ए. सी. (अर्जन)—–अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त.

अगयकार अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि ख. नं.-17 पिपल्या क्म्हार में स्थित है (औरइ संसे उपवद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 190 8(1908 का 16) के अधीन, 20-4-1981

को पुनों कत संपत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्रुचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) रामचरण पुत्र श्री सीताराम (2) मदनलाल पुत्र श्री सीताराम नि. ग्राम-पिपल्या काम्हार तह. विजला इन्होर।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम पुत्र सीताराम (2) श्रीराम विलास पुत्र कुन्दनलाल निवासी इन्दरि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्यू सम्पृत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए आ तकोंगे।

रपष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

<u>अनुसूची</u>

ग्राम पिपल्या कुम्हार में खसरा नं .-17 पैकी 0.74 डेसी-मल भूमि।

> दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रोज, भोपाल

त्रीब : 15-12-81

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घू (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निषंश सं. आय. ए. सी. (अर्जन)——अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित् बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. इसरा नं. 17/2 हैं, तथा जो पिपल्या क्यूम्हार में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-4-1981

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्बेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

- (1) डा. राजेन्द्र श्रीवास्त 20 यशवन्त कालोनी, इन्दौर। (अन्तरक)
- (2) श्री जगदीश बतरा, राजकुमार बतरा किवे कम्पा-उण्ड इन्वरि, 8, आवर्श नगर, इन्दौर।

(अन्त[रती)

को यह पुजना जारी करके पुर्वीका पम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राबीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तीक्षरी के पास विवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गुरा हैं।

अनुसूची

ग्राम पिपल्या कुम्हार में कृषि भूमि ससरा नं. 17/2 की 0.50 एक इं जमीन।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) कर्जन र[ा]ज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारीब : 15-12-81

भादत् सुदुक्त्यः २०५१५ । भादत् सुदुक्त्यः

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निद्धाः सं. आयः ए. सी. (अर्जन)--अतः मुभने, देविप्रियः पन्त,

धायकर घिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाजार मूख्य 25,000/-द० से घिषक है

और जिसकी सं. खसरा नं. 17/2 है, तथा जो पिपल्या कुम्हार स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख से कम के वृष्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान श्रीतफल से, ऐसे वृष्यमान श्रीतफल का पृथाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफन, निम्मिलिश्चित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत प्रधिनियम के भ्राप्तीन कर देने के भ्रान्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाम या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के सुधीन निम्मृति खित व्यक्तियों सुभीत्:--

- डा. राजेन्द्र श्रीवास्त् 20 यशवन्त कालोनी, इन्दौर (अन्तरक)
- 2. श्रीसोहनलाल (2) श्रीमती चित्रा पटिन श्री जगदीश आवर्ष काल्केनी, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो
 भी भविध साव म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा।
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य क्यक्ति बारा प्रधीहस्ताकारी के पात लिकित में किए आ सकोंगे।

रपण्डी सरण: --इसमें प्रयुक्त भाग्यों भीर पदों का, जो 'जन्त मिश्रित्यम', के श्रष्टयाय 20-क में परिकाषित हैं, बही प्रयं होगा, जो उस भाश्याय में दिया प्रया है।

भृतसूची

ग्राम पिपल्या कुम्हार में कृषि भूमि ससरा नं. 17/2।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज, भोपाल

तारीस : 15-12-81

प्रकृष आहें ही एन एस -

बायकर ब्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयुकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन राज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 विस्म्बर 1981

निवर्भ सं. आय. ए. सी. (क्वर्णन)---क्कर: मुक्ते, देविप्रिय

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. खसरा नं. 17/1 है, तथा जो पिपल्या कुम्हार में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दरि में इन्दरि में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-4-1981

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्विषय से उसत अन्तरण लिखत में वास्त्विक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुखने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 डा. वलजीत सिंह पुत्र सरवार वर्शन सिंह 20 यश-वन्त कालोनी, इन्दौर

(अन्तरक)

(1) श्री सरदार बूटा सिंह (2) श्री सरदार ब्रबम सिंह
 (2) किये कम्पाउण्ड, इन्दौर

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मृहित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप्:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग्रे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हाँ।

अनुसूची

ग्राम पिपल्या कुम्हार में कृषि भूमि खसरा नं 17/1।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज, भोपाल

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 296-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्युक्तियों, अथित्ः---

सारीख: 15-12-81

प्रकृप वार्ड .टी. एन . एस . ------

वास्कर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयुक्त (निर्**क्षिण**) अर्जन र^{र्ज}ज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निद्येष सं. आय. ए. सी. (अर्जन)--अक्षः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं. खसरा नं. 17/1 है, तथा जो पिपल्या क्रम्हार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं झुड़ किसी आयं को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दास्तिय में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुरुष था मा किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरुग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तित्रुयों, अर्थात् ः—

- 1. डा. दलजीत सिंह ब्वारा अठानी सरवार वरणन सिंह 20 यशवन्त कालनी, इन्दौर
- (अन्तरक)
 2 (1) गुरवेन्द्र सिंह पुत्र श्री अत्तर सिंह (2) श्री
 अमरजीत सिंह पुत्र श्री अत्तर सिंह (3) प्रीथीपाल सिंह
 पुत्र श्री अत्तर सिंह 150 पालसीकर कालोनी,
 इन्दौर

(अन्त<u>ि</u>रती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वों कत् सम्मृतित् के अर्थन् के लिए कार्यगाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पृथ्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

पिपल्या राव गांव में कृषि भूमि खसरा नं . 17/1 ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, भोपाल

तारीख: 15-12**-**81

मोहरः :

- प्रकप भाई • ठी० एन • एस • ----

द्यायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निद्देश सं. आय्. ए. सी. (अर्जन) — अतः मुक्ते, देविदिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के झझीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/-रुपये से सविक है

और जिसकी सं. खसरा नं. 17/1 है, तथा जो पिपल्या कुम्हार राव में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-4-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए, तयपाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उदृष्टेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- ्क) घन्तरण से हुई किसी साय की जावत उक्त प्रिष्ठ-नियम के सन्तीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी बन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधिनियम, मा धनकर मिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ धन्तिरियम कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, बद, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की स्पन्नारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात् 1--- डा. दलजोत सिंह व्यारा अटाजी सरदार दर्शनसिंह 20-यशवन्त कालोनी, इन्दौर

(अन्तरक)

. 2. (1) श्री इन्दर सिंह पुत्र लखमीर सिंह (2) मनोहर सिंह पुत्र लखमीर सिंह (3) गजेन्द्र सिंह पुत्र सुंबर मुसंहर, जावुरा कम्पाउण्ड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सिकारी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस प्रक्याय में दिया गया है।

वनुसूची

ग्राम पिपल्या राव तह. वजिला इन्यारे की कृषि भूमि ससरा नं. 17/1 की 0.37 एकड़ भूमि।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीख: 15-12-81

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-यं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रंज, भोपाल

भौपाल, दिनांक 15 विसम्बर 1981

निद्देश सं. आयः ए. सी. (अर्जन) -- अतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त.

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ई के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिंसकी सं. खसरा नं. 17/2 है, तथा जो पिपल्या कुम्हार स्थित है (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-4-1981

को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/बा
- (क) ऐसी किसी कार्य या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्चित व्यक्तियों, अर्थात् ड— (1) डा. दलकीत सिंह पुत्र स्रदार दर्शन सिंह, 20 यश-वस्त नगर, इन्दौर

(अन्तरंक)

(2) श्री सरवार क ज़बीर सिंह पुत्र सरदार अनूप सिंह 9 व्यंकटश मार्केट, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संस्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितंतु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को जबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

ग्राम पिपल्या कुम्हार में कृषि भूमि ससरा नं. 17/2 की 0.53 एकड भूमि।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) ऊर्जन र^नज, भोपाल

तांरीख : 15-12-81

मोहर 🗧

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज. भोपाल

भोषाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

िनिदोश सं. आया. ए. सी. (अर्जन)⊸~अतः मुफ्ते, दोवप्रिया पन्तः

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो पिपल्या काम्हार में स्थित है (और इससे उपाक्ष्म अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 1X) के अधीन, 7-4-1081

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात्ः --- 11—416GI/81

(1) श्री हजारीलाल पुत्र श्री सीलाराम ग्राम पिपल्या कर्मर तह. एवं जिला इन्हरि

(अन्तरक)

 (1) सिंघल कम्पनी प्रो. श्री श्याम सिंघल 13 विजय उद्याग नगर इन्दौर (2) एक श्रामार पृत्र रहत 910 नहरू नगर इन्दौर (3) श्री गुरश क्षामार पिता बनारसीदास 48 निरंजन पुर इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगुसूची

ग्राम पिपल्या कम्हार में 16/1 पैकी कोवल 1+10 एकड़।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, भोपाल

तारी**ख** : 15-12-81

मोहर 🛭

प्ररूप भाई। टी। एन। एस। ----

आयकर **प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43)** की **घारा** 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^उज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

· निद्येश सं. आय. ए. सी. (अर्जन)——अतः मुभ्ते, देवेप्रिय पन्त,

बायश्वर अधिनियम; 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, व्यावक 'उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, तथा जो पिपल्या कुम्हार में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-4-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कस के बृक्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथीपूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्रत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितर्यों) के बीच ऐसे मग्तरण के खिसे तय पामा गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से छुन्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप स कथिन नहीं किया गया है।—"

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय को बाबत खक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अल्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्षं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अत्र; उत्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, जनत ग्रिधिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) के मुधीन, नुम्नुनिचित् व्यक्तियों, मुर्धात् हु--- (1) श्री क्षणारीलाल पिता मीताराम ग्राम पिपल्या तह. व जिला इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री सुरश चन्द्र पिता लालचन्द्र अग्रयाल (2) जतन बाई पित हजारीलाल (3) बरमावती पित श्री अमर-सिंह निवासी इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीस्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर किसी अस्य व्यक्ति दारा, ग्राप्रीहस्ताकरी के पास निविद्यत में किए जा सकोंगे।

स्थवदीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो छस अध्याय में दिमा गया है।

अनुसूची

ग्राम पिपल्या कुम्हार में 16/1 पैकी 0.85 की भूमि।

दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) समक्ष प्राधिकारी

तारीब : 15-12-81

मोहर 🤃

प्ररूप् बाइ रे.टी.एन्.एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, भोपाल

भाषाल, विनांक 15 विसम्बर 1981

निविश सं. आय्. ए. सी. (अर्जन)---अतः मुभ्ते, के. डी. गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ध्रुप से भिष्ठक है

और जिसकी सं. मकान नं. 127/1 है, तथा जो एम. जी रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबत्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-4-1981

का 16) के अधीन, 20-4-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और प्रन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त मन्तरण लिखित में वास्तविक दन से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी साम की बाबत, उनत श्रीक्ष-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए, भौर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी वन या बन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या बज-कर भ्रधिनियम, या बज-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भक्तट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः भव, उन्त भिन्नियम की धारा 269-ग के भनुकरण में में, जनत भिन्नियम की धारा 269-व की छण्जारा (1) के के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सीला बाई परिन बाब्र्लाल निवास ग्राम केशर जिला भार

(अन्तरक)

(2) श्रीमरी मीराबाई परिन गोविन्दलाल जूना पीठा इन्दौर (अन्सुरिती)

को यह सुमना कारी करके पूर्वीक्त सम्मति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक किसी प्रम्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दी करण: --इसर्वे प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-निवम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एम ् जी ु होड़, इन्बार में स्थित मुकान ने , 127/1 ।

के. डी. गुप्ता समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन राज, भोपाल

तारीब : 15-12-81

मोहर 🗧

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिसांक 14 दिसम्बर 1981

निदांश सं. आय. ए. सी. (अर्जन)——अतः मुक्ते, दांबप्रिय पन्तः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 46 है, तथा जो गूलमोहर कालोनी इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-4-1981

को पूर्विक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमार प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक सम्पित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फज, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दीने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) श्रीम्ती उषा बजाज 4-यशवन्त निवास रोड, सीता भवन, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री गेन्दालाल 94-जुना पीठा, इन्दौर (2) श्री सत्यनारायण पुत्र गेन्दालाल जी निवासी उपरोक्त एता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्हां सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 46, गुलमोहर कालोनी इन्दौर 4800 स्केवार फीट।

> दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोषाल

नारांख : 15-12-81

भोहर :

प्ररूप आह दी. एन. एस.-----

माथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 विसम्बर 1981

निद्येश सं. आय. ए. सी. (अर्जन)--अतः मुभ्ते, दंबिप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो भीतरी परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से

स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-4-1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरय प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत, उक्तु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित अयिक्तयों अर्थात् :--

- (1) श्री कीलाश भन्द कालियाद ह दरवाजा उज्जैन। (अन्तरक)
- (2) श्री पन्नालाल माहरेवर उद्भूपुरा, उज्जैन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भीतरी परगना गांव में कृषि भूमि कुल 3.719 होक्टर।

दंबिप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रॉज, भोपाल

वारील : 14-12-81

भोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.----

ब्रायकर श्र**धिनियम, 1961 (1961** का 43) की धारा 269-**ष (1) के भ्रधीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोषाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निदोश सं आय ए. सी. (अर्जन) -- अतः मुक्ते, के. डी.

गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है
और जिसकी सं, स्कान नं 127/1 है, तथा जो एम. जी
रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के

कार्यालयं, इन्दौर में , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृष्यमान प्रतिकत्त के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छ। जत बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी स्राय की **गागत उगत प्रधि**-नियम के अधीन कर देन के श्रन्तरक के दायिख म कमी करने या उस**से गणने में सुविद्या के** लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसा किसी श्राय या किसी श्रन या श्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण मैं, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नुविधित व्यक्तियों, व्यक्तिक

- (1) श्रीमती शशिकाला परित अभयकामार जैन निवास 9 महोदनगर, इन्दौर।
- (अन्तरक) (2) कृष्णदास एवं वाउलाल पिता मन्नालाल, निवास 648 एम. जी. राड, इन्दरि।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उत्रत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबग्र किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसूची

एम. जी. रोड, इन्दौर में स्थित मुकान नं. 127/1।

के. डी. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रॉज, भोपाल

वारीख : 15-12-8**1**

मोहर ः

प्रकप आई० टी • एव • एस०----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निर्दोश सं. पि. आर. नं. 1295/एक गी/23-11/81--यतः मुभ्के, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक है

और जिसकी सं नोद नं 799, मुहल्ला पोल, वार्ड नं 3, है तथा जो नावापुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायस उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :--

(1) श्री कुलम्कत्यार श्री अवदुलहसेयिन मुल्ला मुसाभाई मीसीस फारमा वकाबी नेमान भार्य, उसे घीसीस फानेमा दीपचन्दकार, चनदा भाई कार्याम भाई दिलडींग। एहला मीजला, जीजी भाई दावूद भाई लाने, फार्ट, वंचे। और 5-10, हावा अधन्य, एलानियल-60558, यु. एस. एं।

(अन्तरक)

(2) श्री अकीक पेथिरथ फेस्ल्ला भाई हाप्जी।, कुल-मुकत्यार दरीया मनसूर रमीवाला पियक फेस्ल्ला-भाई हाफेथी का पुत्री 4-3494, मोहमादी मानसिल। बाबरी रोड।, सापा बजार सुरत।

(अन्तारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कः सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कास जो नोद नं 799, वार्ड न 3, नुरापुरा, मुछाला पोल, सूरत यथाविधी एप्रैल, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीब : 28-11-1981

मोहर् 🗵

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भागकर स्रोधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र ज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निंदोध नं. पी. आर. नं. 1296/एकसी/23-।।/81-82—-अत: मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क से अधिक है

और जिसकी सं. एम. नं. 80 जमीन है। तथा जो पिपलाद, ना धोरयासी, स्रत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) प्रौर मन्तरितो (अन्तरितियों) के श्रीच ऐसे प्रन्तरभ के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उच्त अन्तरण सिचित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खकत अधिनियम के बढ़ीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में क्रमी करने या उनने चवन में सुविधा के लिए; और/ला
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या प्रस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: सन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्-सरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन, तिभ्नालिखन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री नाताभाई गेला भाई घटले।, श्री रनछोड भाई गेला भाई घटले, पिषकोड, ना-कोरयासी, सूरत। (अन्तरक)
- (2) (1)रजनीकाना बाबू भाई गोलवाला।, भैनर भावना रजनीकान्त गेलियाला की रक्षकमा। अतवा लैनस।, (2) उभेश्ला रजनीकान्ता भैनर अभी रजनीकान्ता गोकवाला की रक्षकनी, अनवा लैनस, सुरत। (3) श्री नाका भाई वनमाली भाई पटल कानपुरा फेलीया।, बारा।, जिला सुरत।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी घन्य व्यक्ति द्वारा सबोहस्ताक्षरी के पास
 लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ तीना, जी उन्न अध्याय में दिया गया है।

जनसर्वी

मिलकाम जो पीष्लोद, ता-चारयासी, यथाविधी एप्रील, 1981 में सूरत सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में राजिस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीख: 28-11-1981

प्ररूप आर्ड.टी.एन्.एस._------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निद्धा नं. पी. आर. नं. 1297/एकयी/23-।।/81-82—-अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. नं. 79/ए/। पैकी अमीन है। तथा जो पीपलोद, ना चोरायासी, स्रत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में अकत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—
12—416GI/81

(1) श्री भागु भाई हरिक शनदास पटल, पिपलोब, ता. चोरयासी, सुरत।

(अन्तरक)

(2) अयश्री दीलीपकुमार गोलवाला।, ख्वाला नेकरा।, सुरत-3, रजनीकान्त बाबु भाई गोलावाला खूव और मैजर भावना रजनीकान्त की रक्षकनी।, अथवा लेनस, सुरत, उमीला रजनीकान्त खूद और मैनर अभी रजनीकान्त गोलावाला की रक्षकनी, अथवा लैनस, सुरत।

(अस्तिरुती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (का) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

भनुस्ची

मिलकन जो पीएलोद, एस नं. 791/ए/1 यथाविधी सुरत रिजस्टार के कार्यालय में अप्रैल 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-११, अहमदाबाद

तारीख : 28-11-1981

मोहर 🕾

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सबीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहमवाबाव अहमवाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निद्देश सं. पि. आर. नं. 1298/एक यी/23-1 /81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पण्यात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इपए से अधिक है

और जिसकी सं आर. एस. नं 640-ठिका नं 50 है, तथा जो सी. एस. नं 2032, नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे पन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरेष जिल्ला की लिए

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छंकत अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; जीए/या
 - ्ख) ऐसी किसी भागया किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें मारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्दरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः :--- (1) श्री गोविन्स भाई रावजी भाई पटल का भागीबारों श्री गोविन्स भाई रावणी भाई पटल और दूसरे 1, नवसारी।

(अन्तरक)

(2) आटोडार्इवर कृपा एपार्टमेन्ट को -हैं-सोसाइटी लि.। का भागीदारों श्री भरन भाई ताकों भाई, श्री होमराव मोहन भाई पटोल, श्री शानमीलाल भीरवाणी। महा-राणी शानमादेवी रोड।, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्थन के लिए कार्यवाहियो भरता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई मी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, अधोतस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्वध्योक्षरण !---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, को छक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होगा को उस घड्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 640-टिका नं. 50, सी. एस. नं. 2032 यथाविधि नवसारी सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में रिजस्ट्री की गई हैं।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमबाबाद

धारीब : 28-11-1981

मोहर 🖫

प्रश्न माई० टी॰ एन॰ एस॰---मामकर ममिवियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269-न (1) के अधीत सुनना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।।, अहमवाबाव

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निद^{*}श सं. पी. आर. नं. 1299/एकयी/23-11/81-82--अतः मुभ्ते, जी, सी. गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इपये से अधिक है

और जिसकी सं सी एस नं 1915, एस नं 134/2 है, तथा जो गनगडी पाटी, पादोन में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाटन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-4-1981

को नूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पग्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप मे कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत उक्त ध्रांतियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के भिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रीविनयम, या धन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया षा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-न के अनुसरण में, में, अवत अधिनियम की द्वारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री पटोल छगन भाई सुन्दरदास 1, पटोल छोला भाई सुन्दरदास।, जाल छोक।, पाटन। (अन्तरक)
- (2) श्री गोपालनगर को-ओ- हैं-सोसाइटी का प्रमुह देहाई छागन भाई देवा भाई। वामैया। ना-पाटन। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजॅन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हराब्दीकरण:--इमर्ने प्रयुक्त गाव्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अयं होगा जो अभ अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

मिलिकयत जो गुनदी पाटी, पाटन, सी. एस. नं. 1915, एस. नं. 132/2 यथाविष्ठि तारीख 18-4-1981 में रिज्स्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहाय्क आयंकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, अहमदाबाद

तारीख : 30-11-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निद्धाः नं. पी. आर. न, 1300/एकपू/23-11/81-82 --अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आपकर अधिनियम 1961 (1961 का'43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया है); की धारा 269 व के मधीन सभाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र के से अधिक है और जिसकी सं एस. न 252/214 है। तथा जो कालोल में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिजवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित पीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से ब्रिश्त नहीं किया गया है।——

- (क) ग्रन्तरणा से हुई किसी श्रेष्टाय की बाबत खबत ग्राध्व वियम के ग्राधीन कर वेने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अभीत् :---

- (1) पटेल चन्द्रभाई कुबेरवास।, पटेल रामा भाई कुबेरवास।, कल्लामाणपुरा।, कालोल। (अन्तरक)
- (2) पटोल मणेकलाल नानवास । , सूमन पाके । , कालो । , उमरा गुजरासा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्नोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, भो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलिकयस जो एस. नं. 252/214, कलोल, यथाविधी तारील 15-4-1981 में र्शुजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) अर्जन् रुज्-।।, अहमुदाबाद

तारीब : 30-11-1981

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्याल्य, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रेज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निवोध नं. पी. आर. नं. 1301/एकस्/23-।।/81-82 ---अतः मुक्ते, जी,्सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. न. 383/1 हैं। तथा जो मान-सारोवार क्रसिंग-बालाराम रोड, पालनपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालनपुर में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-4-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजिल बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यस प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

र अन्तरिती गया प्रति-वास्तविक

(1) पटेर देवा भाई गोदाद भाई।, लक्ष्मी पुरा।, पालनपूर।

(अन्तरक)

(2) शकीला मोहम्मद पुरूक।, पालनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---६समें प्रयुक्त शब्दों घीर पवों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस अब्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलिकयत जे आर. एस. न. 383/1, पालनपूर, यथाविधि तारीख 9-4-1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

जीं. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

• अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 30-11-1981

प्ररूप आह्रं.टी.एन.एस.-----

बायकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त् (निर्नाक्षण) अर्जन् रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निद्ये नं. पी. आर. न. 1302/एक यू/23-11/81-82
--अत: मुक्ते, जी. सी. गर्ग
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं न 939+954 पैकी जमीन है। तथा जो पालनपुर, गांधीधाम रोलवे सटोशन पालनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालनपुर में रिजस्ट्रीकरण अधि-

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-4-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल मिम्निलिसत उद्विध्य से उक्त अन्तरण िलिस्त में वास्तविक इप से किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विभा के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों स्थित्ध--

- (1) प्रजापती उजाभाई रनछाड़ भाई।, लेक क्षमीपुरा।, गली नं 4, पालनपुर।, जिला बनासकानता (अन्तरक)
- (2) (1) जसवानमलाल केशव लाल मोदी।, (2) नानी बाजार, पालनपुर।, भोगीलाल हरगोविन्ददास मोदी, पी. ओ. नानदातारा, मालूखा वाडगाम।, पालनपुर। (3) प्रजापति पक्तज कुमार रामजन्द भाई।, बहाबूर गनज।, मीरा दखाजा।, पालनपुर। (4) दयालाल पोनीराम पुरोहीत। दालवास, पालनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सुम्पित् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिलकयत जो एस. न. 939 ± 954 गांधीधाम र लवे सट शन लैन, पालनपुर, यथाविधी तारीस 16-4-1981 में र्रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

ता्रीख : 30-11-1981

प्रकप भाद. टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. न. 1303/एक्सी/23-11/81-82 --- अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है आरि जिसकी सं. न. 27 पैकी,, प्लाट न. 25/1 है। तथा जो रोस कोश सर्काल, बेरोड मों स्थित हैं (और इससे उपाबस्थ अनस्चि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1981 को पृष्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करनं का कारण है कि यथापुर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक

इप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (च) एसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर सिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री अजीम भाई सी मगीयार।, सी वाडीलाल एन-जीनीयरोंग।, नत्थु लाहरिपुर राजा।, बरोडा। (अन्तरक)
- (2) श्री मनसुख लाल गंगाराम महता, 196-ए, कानना करूनण 1, गुजरात सोसैवी 1, साथान 1, बाम्बे।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदार गया है।

अनुसुची

मिलकत जो मास नं 27 पैकी प्लाट नं 28-11, रसे कोर्स राष्ट्र, बेरोडा, थपाविधी सप्रील, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 2-12-1981

प्रकृप माई० टी• एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज्-।।, अहमधाबाद अहमधाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

निदोश नं पि. आर. न. 1304/एकवी/23-11/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं जिमन हैं, तथा जो सायाद वासना, ता बेरोड़ा में स्थित हैं (और इससे उपबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरोड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, एप्रील, 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याह प्रतिभात से प्रधिक है श्रीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि तिम्तिविक्त उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी साय की बाबत उक्त श्रधिक नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में युविधा के लिए; भ्रौर/बा
- (ख) ऐसा किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम, की द्वारा 269-ए के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को द्वारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् ह-- (1) माथुर पृणरिकरम हाथी काकील, रोस कोर्स, सम्पत राओ कालोनी, बेरोडा।

(अन्तरक)

(2) श्री रामवालीया गूलराजाणी, एल्लोरा एपार्टमोन्ट्स, रोस कोर्स, बेरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्धों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिविनियम, के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन जो सैयाद वासणा, ता. बेरोडा यथाविधी अप्रैल, 1981 में जिसकानं, 1595 पर रजिस्ट्री की गई हैं।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-११, अहमदाबाद

त्रीब: 2-12-1981

मोहर 🖁

प्रक्रम धारी ही वस्त एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद अहमदावाद, दिनांक 2 दिल्ल्क्टर 1981

निद्धेषानः पी. आर. न. 1305 एकवी / 23-।। / 81-82—–अरः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कता गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, इह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- र० के प्रधिक है

और जिसकी सं. 666, 679 यथाविधी है तथा जो अप्रैल, 1981 में रिजस्ट्री कि गयी बेरोडा कासवा में स्थित ही (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से पर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जावत बाजार मुस्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और भूजे वन विज्ञास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का विचित बाजार मूख्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल ने, ऐसे वृत्यमान प्रतिफल का पन्तर् प्रतिकात से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितिभों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विक्रित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क\ पन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्रिनियम के धनीन कर दैने के सन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; 'सौर/या
- (व) लेगी किसी आय या फिसो वन या सम्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त करितिया या धन-कर मिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया था या क्रिया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए:

भ्रता श्रव उका सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं लक्ष्य पिछिनिया की पारा 260-म की उपचारा (1) को अधीन, निम्बलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--13-416GI/81

- (1) दक क्षाबेन वाया भाई कि कुलमुक नायार हारी थासक-भाई दयाभाई, क्षेष्ठ गनज, मिल रोड, बेरोडा। (अन्तरक)
- (2) बह्राक्षम्रीया केवलणी मंडल का प्रमृह श्री लकक्षमी चन्द प्राणजीवनदास बेलेरों। माथी कृपा सोसायीटी, कारेली बाग, बेराडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना . जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई की प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिशित्यम के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहा अंबे होगा, जो उस अभ्याय में दिमा गया है।

समुस्पी

मिलकान जो एस. न. 666, 679 प्लाट न. 6, जिसका भाष 5437 चोरस फुट, जमीन यथाविधी अप्रैल, 1981 में रजिस्ट्री कि गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्ष्म प्राधिकारों सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

तारीख: 2-12-1981

प्ररूप बार्ड .टी. एन्. एस् .-------

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 2 दिसम्बर 1981

निर्दोश नं. पि. आर. नं. 1306/एक्बी./23-11/81-82--अतः मभ्हे, जी. सी. गर्ग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र. से अधिक है

और जिस्का सं. एस. नः 666 हैं, तथा जो कास्बा, बेरोडा मों स्थित हैं (और इससे उपान्द्ध अनुसूचि मों और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्त्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेरांडा मों रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस एप्रिल, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दंश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नितिसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में कास्तिक का में की किया गया है:--

- (व) कार ए हो हुई किसी कर बने के वन्तरक के बायरक के बायरब में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों न्यो, डिस्टी भारतीय जाय-कर गिंगनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अतः अन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की अप्भारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित स्थितियों अर्थातः—

- (1) श्रीमती सुमित्राबेन मुक्तुंबराय और मुक्तुंबराय गोबद्र्शनभाई के क्रुन्नमुख्त्यार श्री यासकभाई दयाभाई, फतहेगंज, मेथिन रोड, बेरोडा।
- (2) श्रीमती स्मीता गोपालदास जुतानी, 105, ज्योति सोसाइटी, कानवेन्ट स्कूल के पिछे, फतेहगंज, बेरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के दाजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 विश की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकर्या।

स्मृष्टिक रूण: — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

नन्स्ची

मिलकयत जो एस नं. 666-कास्त्रा, बेरोडा यथाविधि, एप्रिल, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, अंहमदाबाद

तारीख : 2-12-1981

प्रक्ष नाई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय्, सहायक भागकर् भागुक्त् (निरीक्ष्ण) अर्जन् रोज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाव, विनांक 2 विसम्बर 1981

निष्णे नं पि आर नं 1307/एक्बी /23-11/81-82—अतः मुक्ते, जी सी गर्ग, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति; जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

बीर जिसकी सं. एसं. नं. 666 हैं, तथा जो कासबा, बेरोडा में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हुं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण कि जिलत में अस्ति वक कम् से किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की आका, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के नुसुष्; आदि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जय, अन्त अधिनियम की धारा 269-ण के, जन्तरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नुधीन निस्नुचित्र स्वित्यों अधृति क्—

- (1) श्री भास्कारभाई दोलाभाई, कुलमूस्त्रधार, सूमीत्रा-बन मुकुंदराय और गोवद्र्धनभाई, फातहर्गज मिथन रोड, बेरोडा।
 - (अन्तर्**क)**
- (2) श्रीमती हं साबेन विनोवचंद्र भगत। गीरनार, तारदेव, बाम्बे।

(बन्तरिसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कहा क्यां करवां में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इप मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

जन्स्ची

मिलकत जो एस. नं. 666-कासवा, बेरोडा ग्यथाविधि, अप्रैल, 1981 में रिज़स्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।।, अहमदाबाद

तारीच ः 2-12-1981-मोह्ड ¤

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

निविश मं. पि. आर. मं. 1306/एकवी./23-11/81-82—अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारी 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह रिव्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं नं 3099/3101 एँकी हैं, तथा जो प्रताप-नगर, दाबोई रोड, बेरोड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1981

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से क्रम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

बतः अब, उक्त बीधनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण बों, बीं, उक्त बिधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:--

- (1) श्री महोशकुमार कांतिलाल प्रजापेति और दूसरो, मादान सायपा, लोकडपिता, बाकावाडी, बेराडा। (अन्तरक)
- (2) सादा रंगमाल और सन्स, प्रतापनगर, दाबोर्ड रोड, बेरोडा।

(अन्तरिसी)

को नह सूचना चारी करके पूर्वों क्ल सम्मत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

- जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीब से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों के
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
 - (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अधिहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 3099/3101 पैंकी-प्रतापनगर, दुबोई रोड, बेगेंडा यथाविधि अप्रैल, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी स**हायक आवकर जावुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रौज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 2-12-1981

प्रकृष आई० टी॰ एन० एस०-----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

निद्देश नं. पि. आर. नं. 1309/एक्वी. 23-11/81-82--अतः मभे, जी. सी. गर्ग, ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 139-140 है, तथा पो.बेरोड़ा में स्थित है (और इसमे उपाउद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, तारीख 15-4-1981

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितिकत के जिए अन्तरित की गई है और नुसे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत का पन्तर प्रतिकत से अधिक है, और प्रन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्योः) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तिए पाया गया प्रतिकत, तिम्निलिखत उद्देश्य ने उका अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में भागी करने या उससे, बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ यन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

धता, अस, उनत प्रक्षिमियन की धारा 269-ग के जनुतरण में, मैं, उनत धांधनियम की घारा 269-घ की उपधार। (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री धनभाई नाताभाई, ,रोलबे गोदी के सामने, स्टोशन रोड, बंरोडा।
 - (अन्सरक)
- (2) एकता एन्टरप्राश्चसम का भागीवारों श्री रायनलाल माणेकलाल शाह, 15, चबनगर, नामयोग के पीछी, बेरांडा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्देशरा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन ने प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन को पत्रिध, जो भी श्रविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारा ज्योहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववद्योक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के क्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अव्यास में दियर गया है !

अनुसूची

मिलकत जो सी. एस. नं. 139-140 यथाविधि तांरीख 15-5-1981 में बेरोडा रिजस्ट्रार के कार्यालय में रिजस्ट्री की गयी है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 2-12-1981 मोक्ट

मोहर 😥

प्रहम् अह¹. टी. एन. एस.-----

भारत विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कायां लिय, सहायक आयकर आयृक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 2 दिसम्बर 1981

निविश नं पि आर नं 1310/एक्की /23-।।/81-82--अतः मुक्ते, जी सी गर्ग, **भायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें** इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं.,सी. एस. नं. 712-713 ही, तथा जो प्रताप-नगर, बेरोडा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 22-4-1981 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्टरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सो, एसि दश्यमान प्रतिपाल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एैसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निर्वित में बास्तविक <u>क्</u>प से कथित नहीं किया गया हैं.---

- (क) अन्तरक वें हुई किसी बाद की वादत, उनका ब्रामितियम के ब्रोम कर देने के ब्रन्टरक के दायित्य में कभी करने या अब्रुचे यूजने में सुन्धित के स्पिर्ध ब्रोह/या
- (प), प्रेसी किसी नाव वा किसी पूर्व या नृत्य नास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बहु: ब्रुड, उनत निभिन्यन, की भारा 269-त के ज्नुसरण, में, में, उनत निभिन्यम की भारा 269-व की उपभारा (1) को नभीन, निम्नितिवत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती मूद्रुलाबेन रामनलाल, रामकृष्णा बलाक, प्रतापनुगर, बेरोडा।

(बन्तरक)

(2) श्रीमती सरोजबंन विनोदचंद शाह, रामकृष्ण ज्लाक के पीछ, 'हीरा विला', प्रतापनगर, बेरोडा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वों कत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस वृष्याय में विद्या पूरा है।

जन्स्ची

मिलकत जो सी. एस. नं 712-713, प्रतापनगर, बेट्रोडा यथाविधि तारील 22-4-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंजु-।।, अहमुदाबाद

तारीब : 2-12-1981

मोहर 🗅

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भावनार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 2 दिसम्बर 1981

निवंश मं. पि. आर. नं. 1311/एक्की./23-11/81-82---अत मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 20 पैंकी है, तथा जो जेमलपूर, बेरोडा में स्थित एैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रिजस्ट्रीकरग अधिनयमें, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अर्थल, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रणिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना नया प्रतिफल निम्नलिचित उच्चेषय से उक्त अन्तरण जिल्ला का सिन्त के सिन्

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादत उक्त कॉंच-गियत के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अर्डि/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या कत्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिजिनसम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम, की भारा 269-त के अनुबरण को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) डा. बी. एम. पृजारी। रोसीस कोर्स, बोरांडा। (अन्तरक)
- (2) श्री अंकलेशभाई भूपेन्द्रभाई पटोल, रावुपुरा कोती के पास, बेरोडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है ।

ममुस्ची

मिलकत जो एस नं. 20 पैकी-जेतलपूर, यथाविधि अप्रैल, 1981 में रुजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राप्तिकारी सहायक भायकर थायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजना।, अहमदाकाव

तारीख : 2-12-1981

मोहर 😢

प्ररूप काह. टी. एन. एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निदोश नं. पि. आर. नं. 1312/एक्वी./23-।।/81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वं) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एत. सं अधिक हैं। और जिसकी सं. प्लाट नं. जी एण्ड-263 है, तथा जो उधना उद्योगनगर, सूरत में स्थित हैं (और इससे उद्धि अनुसूची में और पूर्ण रूप से लिपित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्रम, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय अप्रैल, 1981 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यः उसके दश्यमान प्रतिफाल में, एोमें दश्यमान प्रतिफान का बन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

सिबित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है 💝

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, में, सबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

- (1) मेसर्स इन्डस्ट्रीयल गोसिन्स प्लास्टीक्स, उधना उद्योग-नगर, बी इन्डस्ट्रीयल, 263, उधना, सुरत।
- (2) श्री अमलोल गुरुमुखसिंग ताजानी, श्रीमती कमलेश अमरलाल राजानी, 1/997, नानपूरा, मेथिन रोड, स्रत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ः—स्हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, धही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं के

भग्त्ची

मिलकत जो प्लाट नं. बी. इन्ड 26२, उधना उद्योगनगर, यथाविधि अप्रैल, 1981 में ,रिजस्ट्री की गुयी है ।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, अहमदाबाद

तारीब : 4-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर प्रवितियन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निवेश नं. पि. आर. नं. 1313/एक्दी -23-11/81-82-अतः मुफ्ते, औ. सी. गर्ग, आयकर मुफ्ते, औ. सी. गर्ग, आयकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने का नारण है कि स्थावर मस्यति जिमका उक्ति वाजार मूल्य 25,000/-रुपण से प्रश्चिक है और

और जिसकी सं. म्यूनिसियल नं. 1/1647 और 1/1648, है, तथा ओ 1/1648, स्टेशन रोड, पालनपुर में स्थित हैं, तथा ओ 1/1648, स्टेशन रोड, पालनपुर में स्थित हैं, (और इसमें उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से विणित हों), रिजस्ट्रेकितां अधिकारी के कार्यालय, पालनपुर में रिजस्ट्रेकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1981 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के दिवत बाजार मून्य से कम के दृष्यमान पितफल के लिए मन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वाय करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल को प्रमुख उसके दृष्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिपत अधिक हैं और अन्तरक (प्रम्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (भ) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त : प्रीवित्यम के प्रचीत कर देने के प्रकारक के वाजिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (म) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन वा अस्य ग्राहितयों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिक्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिक्यम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भक्ट नहीं किया गया चाया किया जाना चाहिए वा, कियाने में मुचिका के किए;

(1) अीमती भगवतीबंग नटवंग्लाल मेहता, पाटन (उत्तर गुजरात)।

(अन्तरक)

(2) श्री सर्पलिमिंग कान्मिंग चौहान, लक्क्षमीप्रा, पालनप्रताल्का।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सक्यांनि के ध्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के ग्रंजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीकर पूर्वोकत स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकींगे।

स्पच्छोक्ररण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रीर पदी का, जो उच्त ग्रीवित्यम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा भी उस ग्राध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मिलकत जो पालनपूर, एच नं 1/1647, 1/1647 और 1/1648, स्टोशन रोड, पालनपूर, यथाविधि तारीख 30-4-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-११, अहमवाबाष्ट्र

तारीब : 4-12-1981

प्रकथ आई.टी.एन.एस. -----

बाधकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॉज-।।, अहमदाकाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निद्या नं पि आर न 1314/एक्दी/23-11/81-82--अतः मुभे, जी सी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मुभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रह से अधिक हैं और और जिसकी सं सी एस वार्ड, नवागाय, नोद हैं। तथा जो न 1750/1 पैकी प्लाट 1-2 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

- को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल का नम्नलिवित उच्चेष्य से उक्त बन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:--
 - (क) अन्तरण सं धुद्द किसी नाय की बाबत, उक्त विभिनियम, के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ब) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया सवा था या किया जाना जाहिए था, जियाने में सविधा के लिए;

बतः वयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-त के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नसिबित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— (1) श्री एने, वाबन नानु भाई पटोल, पोलीस लैनस के पीछो, नवागाय, वाराछा रोड, सूरत

(अन्तरक)

(ग्र) (1) ांगन भाई जेराय भाई पटेल, पराब-सा कामरोज, (2) कुणवर्ज रनछाड भाई देशाई, डीगस ता - कामरोज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति को अर्थन को निए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीत्र पूर्वों कर स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में , प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किपिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

मिलक तं जो सी, एस. बाड नवागाय - नोद न. 1750/1-प्लाट 1-2-, अप्रैल, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है ।

शी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्का) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 7-12-1981

प्रकृप जाई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहामक आयकर काय्क्त (निरोक्षण)

अर्जन् रॉज-।।, अहमदाबादं अहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निविध नं पि. आर. न. 1315/एक्सी/23-11/81-82--अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. न. 70-1, ज़्लाट 1, 3, 2, 4, 5, 6 और जिसन हैं। तथा जो उत्तरा आर पछीया भाग जो उना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विर्णत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (प्रन्तरितियों) के भीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथपाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरच से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट/बा
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

महः भव, उपत मिनियम, की धारा 269-म के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गोविन्द भाई दाजी भाई, कीकाभाई दाजीभाई, जीवाभाई दाजीभाई, रनछाड भाई दाजीभाई, भीखा भाई दाजीभाई, रेवाभाई दाजीभाई, गोविष्व भाई दाजीभाई, और दूसरे उमा ना चोरायसी, जिला सूरत
- (अन्तरक)
 (2) प्रमृह और सचीव, थुणीयन परिवार को-ओ-है-सो-लिमिटेड, लाल गेट, सुरत।
 - 1. इत्री गीरीशचन्द्रा चयपक लाल,
 - 2. इत्री अशोकक मार चयपकलाल शाह

(अन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित सों किए जा सकेंगे ।

स्थव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

मिलकत जो उमा - एम नं . 70-1 , प्लाट 1—6 उमरा और पछीया भाग वाला जमीन , यथाविधी अप्रैल , 1981 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-११, अमहदासुद

ता**रील** : 27-12-1981

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

्रीनदोश नं. पी. आर. नं. 1316/एक्बी8/23-़ाः।/81-्र —अतः सुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

्रथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं।

25,000, न्स. से जानका ही अपित कर्म के स्थान है। तथा जो जी जिसकी सं. सी. एस. बार्ड, नवागाय, नोंद है। तथा जो न. 1750/2, प्लाट न. 3क2, नवागाय से स्थित है (और स्में उपाबद्ध अनुसूचि मां और पूर्ण रूप सं वर्णित ही), रिजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अर्थल, 1981 को पूर्वित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकास का पन्द्र प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्वां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल का पन्द्र निकाल उच्चेय से उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल करने से किया उच्चेय से उन्तरण लिखत में बास्तिक करने से किया नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

भंतः मंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्राणजीवनदास नानु भाई पटोल, रोलबे पोलिस लैन्स के पीछो, नवागाय, वाराछा रोड, सूरत (अन्तरक)
- (2) श्री रनछांड भाई काषाल भाई देशाई, दीगस, ना-कमरेण, (2) श्री छोटा भाई धनजी भाई पटेल, रायपुरा, मधिन रोड, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर प्रवासित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनंत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

मिलकत जो सी. एस. बार्ड नवागाय, नोद न, 1750/2 पैकी, प्लाट नं 2 और 3 अप्रैल, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-।।, अमहदाबाद

तारीस : **7-12-1**981

मोहर 🕼

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबादं, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निदश न पी. आर. न. 1317/एक्बी.7/23-11/81-82---अतः मुक्ते, जी. सी. गर्गः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/रु से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. दार्ड, नथागाय, नोहं है। तथा जो नं 1750 प्लाट नं 4में स्थित हैं (और उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यान्य, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिकित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिकित में बास्यिक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के सिए; ब्रॉट/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धम या अच्य आस्तियमें को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था कियाने में सृविधा के लिए;

बतः वस, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निकाञ्जिलित व्यक्तिसयों अधीत :-- (1) श्री इन्दिन नान् भाई पटोल रोलबोलीनम के पीछी बराछा रोड, नवागाय, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री नाकांभाई लाल भाई पटल, भंसत्तन, ना-चोरा∽ थामी, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित के वर्षन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीचा से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्षा और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ ह्योगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुस्दी

मिलकत यो नवागाय, नोद न. 1750 प्लाट 4, यथाविधी ' अप्रैल, 1981 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-।।, अमहदाबाद

तारीख : 7-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7. दिसम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1318/एक्वी/23-11/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. वार्ड, नवागांव, नोद नं. 1705/1 हैं तथा जो नवागांव, सूरत में स्थित. हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी.आय की बाबत उक्त अधि-ापयम के अधीन कर दान के अन्तरक कें,दायिस्य में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्युआस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

कतः अव, उत्कत विधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण कों, कों, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नानु भाई लेकक्षमण भाई पटले, रोलवे लैनस कंपीछो, नवागाय, बराछा रोड, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री यागजी भाई हारी भाई, श्री वीनल भाई हारी भाई, गीनानजली टाकीज के साने, लायबे हनुमान रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सृषना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध श्री में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखन में किए जा सकरो।

स्यष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बमुसूची

मिलकत जी. सी. एस. वार्ड नवागाय, नोंद नं. 1705-1 यथाविधी अप्रैल, 1981 में राजिस्ट्री की गयी है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायेक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अमहदाबाद

तारीख: : 7-12**-**1981

प्ररूप आई. टी. एच. एस. ------

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-11, अहमदाबाद

अहमवाबाद, विनांक 7 दिसम्बर 1981

निदोध नं. पी. आर.नं. 1319/एक्बी/23-11/81-82—-अतः सुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25000/- ४० से अधिक है

और जिस्की सं. प्लाट न. 4, बार्ड न. 3, न. 2939-ए-1 है। तथा जो ए-2-5-5 महानयावनी, सलाबनपुरा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह श्वास करने का भाषण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किंवत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के समीन कर देने के खन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या प्रश्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिस्त स्थितियों, अर्धात:--- (1). श्री प्राणसुबलाल उमेंदराय, सालाबलेप्रा, सीधी शोरी, स्रत

(अन्तरक)

(2) श्री इनिवादन चयपकालाल, पनचराप्रा, खारादी शोरी, सूरत

(अन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके पृथा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारांचा से 45 विन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र पें प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पर्शि में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडतीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, गहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

मिलकत जो माहानमावदी, सलाबनपुरा, नोद न. 2939-ग्/ ए-2-बी-5, अप्रैल, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्यत (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, अमहवाबाद

तारीब : 7-12-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहमदादाद

अहम्दाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निदास नं पी. आर. नं 1320/एक्**वी**/23-11**/81-**82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ए हैं कि स्थान करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित दाजार मृत्य 25,000 / रह. से अधिक **है** और जिसकी सं, न. 304 ही। तथा जो अडाजन में स्थित ही (और इसमें उपावद्ध अनुमृचि मो और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्द्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरत में रिजस्दीकरण अधिनीयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, एप्रील, 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवाँक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनें या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री थागा भाई नानु भाई पटोल, गोयन भाई नानु भाई पटोल, शानतासेन, सगन भाई नानु भाई का विश्वा, अडाजन, ना - चोरायासी

(अन्तरक)

(2) प्रमृह और सचीव, एनकजनजर को-आ-है-सोसायिटी लिमिटड, पनकज्कामार नाकोर भाई सुरानी, नान्-भाई केशवभाई कानगरीला, गीना नीवास, बाह्यन पूलिया, रानदोर, स्रत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों कंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हाँ।

अनुसूची

मिलकत जो अडाजन एस न. 304, यथाविधी एप्रील, 1981 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रजेना।, अमहदाबाव

तारीख: 7-12-1981

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ----

ग्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 289-घ (1) के मधीन सूचना

भारत अरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्पर 1.981

निवंश न. पी. आर, न. 1321/एक्बी-23-11/81-82—अत: मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्यन्ति जिसका उचित बाजार मस्य

25,000/- क से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. न. 465-हीसा 1-2 है। तथा जो अडाजन, स्रत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण कर में दर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्त नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कसी करने या जससे अपने में सुविधा के किए; शीर या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य धारितकों की निर्में भारतीय धाय-फर प्रधिनियम, 192° (1922 का 11) या नक्त अग्निनियम, या ध्रम-कर क्रिचित्रमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन्यमं पन्तरिती द्रारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चरहार था, जिपाने में गविधा के निए;

जतः त्रश्न, उत्तर अधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधितियम की शारा 269-घ की खपधारा (1) अधीन निम्नलिखित क्ष्यवित्यों, अर्थात:—-15—416GI/81 (1) श्री बार्डीलाल, सुरद्यलाला जयावीर बार्डीलाल, नानद-किशोर बाटीलाल, 8/2085, मोनी चीपीवार्ड, गापीणुरा, सूरव

(अन्तरक)

(2द गायत्री कार्षीरं धन का भागीदारों--(1) रामनलाल नानाभाई गजर, हीराजाय कार्यटीयन्ड, अगनवाड, सैलरपुरा, मुरत, (2) भागीयेज नारसी भाई पटेल, सी-1, गीनागगर हैसीग सांसाइटी, अङाजत रोड मूरत (3) संगीनाबेन लेल्लु भाई नमकुवाला, मानावगढ, सूरत, (4) हर्षदराई छोटालाल - खागोड हेरी, सलाबनपुरा, सुरत

(अन्तरिती)

को यह सूचका जायी करते पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में लगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारीख से 45 किए के भीदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यस्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस सिखित में किए जा स्केंगे।

श्यवर्ताकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त भवि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाणित है, १६१ अर्थ होगा, जी उस अध्याम में दिया गया रे।

अनुसूची

मिलकत जो अडाजन, आर. एस. नं. 465 - हीसा 1-2, यथाविधी अप्रैल, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-११, अहमदाबाद

तारील: 7-12-1981

सोहर :

प्रहम आध्.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निवोष्य नं. पी. आर. नं. 1322/एक्जी/23-11/81-82—-अतः मुफ्ते, जी. मी. गर्ग,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

और जिसकी सं. सी, एस. न. 1989/ए हैं। तथा जो दिग्या महान - युगनीसारा, सूरत सं स्थित हैं (और इसमें उपाबव्ध अनुसूचि मां और और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिट्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 11) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का जारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री राजेन्द्रा सारा भाडे नवाब, दरिया महाल, युगली-सारा, सुरत

(अन्तरक)

(2) पनचमनाना एपार्डामेनड को-आ-है-सो-का प्रमूह मनजी भाई पोपटभाई पटल-डैमेणड एपार्टामेन्ड, सैयनप्रा सूरत, वानकी बाडी, सैयनप्रा, सूरत। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मिलकात जो नोद नं. 1989/ए, वार्डा, न. 11, सूरत यथा-विधी अप्रैल, 1981 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, अहमदाज्य

सारीय: 7-12-1981

प्र⊕प प्राई० डी० एत० एस०-----

आ । कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अहमवाबाद अहमवाबाद, दिनांक 8 विसंबर 1981

निवोद्यानं पी. आर. न. 1323/एक्वी/23-11/81-82--अतः मुर्के, जी. सी. गर्ग,

भागकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मिश्रिनियम' कहा गया है), की धारा 269 य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का किएग है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 5-1 है। तथा जो वाडली, फार्म डीसा में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडीसा मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि एकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य का प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्च प्रतिकात से भ्राधिक है और ध्रम्यरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिता (भ्रम्तरितियां) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय भाषा गया प्रतिफल, निम्नलिखिल सहेश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है !——

- ्क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन फर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्षने में सुविधा के जिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अध्य ब्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

श्रतः अध, उन्त अधिनियम भी जारा 269-ग के ग्रन्थरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्।——

- (1) पटल जीबीक्षेत्र गणेश भाई, पटल परकात्तम गणेश भाई, वाडली फार्म, तालका डीसी।
- (2) अध्यक्ष श्री वी. जे. पटोल, अरबल महाई घीया ग्रुप सेदा सहकारी मानवली, डीमा (बेनासकानथा)। (अन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

एका सम्पत्ति के अर्जन के सम्मन्ध्र में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्त्रम्बरी स्वक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उसत स्थायर सम्पत्ति में दिवबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राधीहरताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दोकरण---इसमें प्रयुक्त जन्दों ग्रीर पदों का, जो उकत अभित्यत के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, बहु प्रयं होगा जो उन अध्याय में दिया, गया है

गनुसूची

मिलकत जो वाडली - फार्म - एस. न. 5/1, यथाविधीं अप्रैल, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर कायुक्त (निर्राक्षण) अर्जन र³ज-।।, अहमदाबाद

गारीख : 8-12-1981

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र ज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसंबर 1981

निवोश नं. पी. आर. नं. 1324/एक्वी-23~।।/81-82---अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं नानपुरा, सूरत है तथा जो नोंद नं 900-2, अमुगोर मोहल्ला मो स्थित है और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्य, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (उन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

- श्री अमृतलाल बेनीलाल, श्रीमती हनसाबेन अमृतलाल, यांगेशकामार अमृतलाल, महशकामार अमृतलाल, 1/1201, नानाजी माहोलो, नानपुरा, सूरत । (अन्तरक)
- (2) श्री कानयालाल बौलतराम पानचाल, चन्द्रविहार एपार्टभेन्टस, रंग उपवान के सामने सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उत्कर्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मिलकत जो अनुगोर मोहोलो-वार्ड नं. 1, नोद नं. 900-2, यथाविधि अप्रैल, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी ही।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारों सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-११, अहमदाबाद

क्षा<mark>रीस : 8-12-1</mark>981

मोहर 🔅

नतः अब, उत्तन अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धीत् ः---

(अन्तरक)

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, विनांक 8 विसम्बर 1981

निदंश न पी. आर, न . 1325/एक्बी-23-।।/81-82--अतः मुभ्ने, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रचात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. आर. एस. न. 8/2, 27/1 है। तथा जो सानकारडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरोडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1981 पृषां क्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दारिय से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर कि धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) श्रीमती ताराबेन कानतीलाल भाह, 84/ अलकापुरी, बेरोडा।
- (2) सीशमिक एनजीनीयरींग वर्कास 17, नीलकर्मल सोसयटी। बेरोडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास निखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सानकडी जार. एस. नं 8/2 और 27/1, यथाविधि अप्रैल, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी मी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, अहमदाबाद

तारोख : 8-10-1981

मोहरः

प्ररूप आई० टी॰ त्यक एयक-----

धापकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) धारा की

३५ चप (४) **के** अ**त्रीत** पुचतः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निवाँश नं. पी. आर. नं. 1497 अर्जन राज 23-1/81-82--अत: मूक्ते, जी. सी. गर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वावार पृष्य 25,000/-रु से प्रधिक है

और जिसकी सं सर्वे नं 3475, सी. एस. नं 2279, 2279/1 है तथा जो लाडीया, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-4-1981

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (यन्तरकों) और प्रनिरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित अदेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप ए कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त प्रविनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिका में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य प्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भृविधा के लिए;

अतः अर उन्त अधिनियम की धारा 269-ग र अनुसरग में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बाधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) नर्भवायेन शंभुप्रसाद जोषी, मालीकी लीडफीके नजवीक, रायपुर फोटकी रांग, अहमदाबाद।
 - (अन्तरक)
- (2) अहमवाबाद प्रीन्टर्स घरे.-ऑं-हा. सांसायटी लिमि-टेड, सीटी मील कंपाउन्ड, फांफरीया रोड, अहमवाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जकत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाज में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध गाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पृथींकत
 क्यक्तियों में से किथी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्क किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, भग्नाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्दो का, जी उनत ग्रिश्वनियम के ग्रध्याय 20क में परिचाधित है, नहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और सकान जो खार्डीया 2-बी अहमदाबाद में स्थित है। सर्वे नं. 3475, सी. एस. नं. 2279, 2279/1 जिसका कुल क्षेत्रफल 36 वर्ग यार्ड है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकाखित नं. 4496/23-4-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमवाबाद

नारीच : 7-12-1981

मोहर ;

प्ररूप आहं .टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 7 दिसम्बर 1981

निक्रोग न. पी. आर. न. 1496/एक्क्वी-23-11/81-82—-अतः मुभ्तें, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वो न. 942, 944, 945, 946, 951-ए-1 है। तथा जो शाहपुर अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीक ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीक रण अधि-

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-4-81 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किना आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिकिएए की धारा 260 ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ─

- (1) भगवाबेन, रमनवाल जेठ्टावाल की पिधाया परनी भूजेशकामार रमनवाल शाह, 1668, जगुभाई शंडकी पाल, आस्टोडिया, ढावकी पाल, अहमदाबाद (अन्तरक)
- (2) श्री शाह भोगीलाल पट्ठालाल और बृदर्स भोगीदार-श्री भोगीलाल जेट्ठालाल और बृदर्स ढालकी पोल, आस्टोडिया, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मीलकत जो शाहपूर, अहमदाबाद में स्थित है, स्वें नं. 942, 944, 945 और 951-जे-7 कुल क्षेत्रफल $170\pm26\pm46\pm27$ वर्ग यार्ड है, तका जिसका पूरण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता दिक्कीवर गं. 4235/18-4-81 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-।।, अहमदाबाव

तारीख: 7-12-1981

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 विसम्बर 1981

निदंश नं पी आर. न. _1495/एक्वी-23-+/81-82--अतः मुभ्हे, जी. सी. गर्ग, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचार ('उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रत. से जधिक हैं और जिसकी सं. मर्वे न. 185 है। तथा जो रायपुर - हिरपुर अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाब्द्ध अनृसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मं रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रशिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्थ, उसको इष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती) (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गृया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा र्य किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा

- (1) श्री सुरन्द्रभाई नारनभाई शाह, राजेशभाई सुरन्द्र-भाई, कुसूमबेन जयसीलाल, वीयलावेन जयंतीलाल जयश्रीबेन जयंतीलाल, गांधीरोड, अमहमदाबाद
- (2) गोकुलनगर को-ओ-रा-सोसायटी लीमोटेड, राजपुर, अहमदाबाद

को यह सूचना जारी करको पूर्वोकत सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारील से 45 दिन की अविधि या उत्मन्धनी व्यक्तिनों पर मूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्ति व्यक्ति स्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्योका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं मुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, राजपुर - हीरपुर, अहमदाबाद में स्थित है, सबें न. 185, कुल क्षेत्रफल 19020-28 वर्ग मीटर + 19020-28 वर्ग मीटर है, तथा जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजस्ट्री-कर्ता बिकासित नं. 3315/31-3-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी ्ह्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र³ज-।, अहमदाबाद

अप्त: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

तारीब: 7-12-1981

प्रकृष बाह् दी एत एस .------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}ज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निदोश नं. पी. आर. नं. 1494 अर्जन रोज-23-1/81-82—अतः मुभ्ते, जी. सी. वर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वे न. 138/1 और 139/1 एफ.पी.न. 38 एस पी 1/3 है। तथा जो टी पी एस 8, दरीयापूर - काजी पूर, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुस्चि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्य, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-4-81

को प्योंकत संपति के उचित बाजार मूल्य में कम के रहयमान प्रितन्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रितिफल में, एसे रहयमान प्रितिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उच्चेत्रय से उसत अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचाने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त आधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) ममताबोन नरारेतमभाई, नंदीनीबोन नरारेतमभाई, चन्नाबोन नरारेतमभाई और अन्य रचना द्यारस्कृल के रजदीक, 'ममता' माहीबाग, अहमदाबाद
 - (अन्तरक)
- (2) नफांडायार्ड को-ओ-सा-सोसायटी श्रीमोटर-पृथ्वीशर्ज प्रेमचन्द आनन्द कलोध मारकेट सारंगपूर, अहमदा-बाद, श्री लूनचन्द सेवासर 10, न्यू क्लोध मारकेट, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो दरीयापुर - काजीपुर अहमदाबाद में स्थित है, सर्वे नं. 138/1 और 139/1, एफ पी. नं. 38 एस. पी. नं. 1/3, टी. पी. एस. नं. 8, जिसका कुल क्षेत्रफल 719.75 वर्ग यार्ड और 73.58 वर्ग मीटर है, तथा जिसका पूरण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकालित नं. 2060/81/8-4-81 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-। अहमदाबाद

सारीख: 7-12-1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रविनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 विसम्बर 1981

निदंश न. रोफ. न. पी. आर. न. 1493 अर्जन रोज 23-1/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपए से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 247/1 पैकी प्लाट नं. 46-47 और 96 से 156 है। तथा जो गांव-चीत्रा, भावनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजरट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-4-81 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का प्रवृत्त प्रतिकात से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) पौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, इक्स मिन्नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी शाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मकाभार्द्र छगनभार्द्र, मंजीभार्द्र छगनभार्द्र, ः शामजीभार्द्र छगनभार्द्र, कानजीभार्द्र, छगनभार्द्र, गांद चीत्रा, भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री बजरंग बलि को. ओ. हा. सोसाइटी, भाव-नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, वहीं ग्रंब होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो गांव चीत्रा भावनगर में स्थित है, सर्वों नं 247/1 पैंकी प्लाट नं 46/47 और 96 से 156, जिसका कुल क्षेत्रफल 36163 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूरण वरणन भावनगर रिजस्ट्रीक त्ता बिक्की खत नं 297/27-4-1981 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

सारीस : 7-12-81

प्ररूप आर्धः .टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 विसम्बर 1981

निव श नं रफ नं पी आर नं 1505/अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुक्ते, जी सी गर्ग, आयकर अपिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं सर्वे नं 131 और 132 हैं, तथा जो गंव-

और जिसकी सं मवें नं 131 और 132 है, तथा जो गांव-बोडकदंव, तालुका दसकाह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-81

केर पूर्विक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाथित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री अंबाराम रामसंगभाई, गांव बोडकदेव, तालूका दसक्रोई, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री विनेशभार्द नगीनवास शाह, अलकापुरी सोसाइटी, उस्मान्पुरा, अहमवाबाव। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के ज़िल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनस्वी

जमीन जो गांव बोडकदेव में स्थित है, सर्वो नं. 131 और 132, क्षेत्रफल एकड़ 3-25 और एकड़ 4-11, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमवाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 3857/10-4-81 में दिया गया है।

जीं सीं गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीब 🕆 8-12-1981

मोहर 🤢

प्ररूप आर्ड्ड. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

जिद्दोध नं पी. आर. नं 1504/अर्जन रोज 23-।/81-82-- अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एत. से अधिक हैं और जिसकी सं. सर्वे नं. 399 है, तथा जो गांव हाथला, तालका खंमालिया में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खंमालिया में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-4-1981 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापुर्वा क्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्भ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के वधीन निम्निसिक व्यक्तियों स्थातः-~ (1) श्री दयाराम गोविंदजी धानकी, काल मुख्त्यार रमेश-चंद्र दयाराम धानकी, रसीकलाल दयाराम धानकी, रायन, पोरबन्दर।

(अन्सरक)

(2) श्री हिम्मतलाल गोविन्दजी मेढा, श्री कान्तीलाल गोविन्दजी मेढा, गोविंदजी आर. मेढा और अन्य, गांव हाथला, तालुका संभालिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जो गांव हाथला, तालुका संभालिया में स्थित है, सर्वो नं. 399, 480, कूल क्षेत्रफल एकड़ 7-10 + 1-27 तथा जिसका पूर्ण वर्णन संभालिया रिजस्ट्रीकर्ता विकीसत नं. 444/16-4-1981 में विया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

तारी**व**ः 8-12**-**1981

(अन्तरक)

प्ररूप आहर्र. टी. एम्. एतः.———-वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 विसम्बर 1981

निवरेश नं. रोफ. नं. पी. आर. नं. 1503/अर्जन राज 23-1/81-82--अतः मुभ्ते, जी सी गर्ग, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. सर्वे नं. 93 और 94 है, तथा जो खंभालिया तालुका संभालिया में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, संभालिया में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-1981 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापुर्वेक्ति सम्पति की उचित बाजार मूल्थ, उसके दरयमान प्रतिफाल सं, एसं दर्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-रिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; औट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी ध्न या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधः के निए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अर्थात् हि—

- (1) श्री सतवारा प्रेमजी वामा, श्री सतवारा रनमल वामा, सतवारा पेका दामा और अन्य, खेभालिया, जिला जामनगर,
- (2) संभालिया खेत उत्पादन समीति, मार्केटींग यार्ड, संभालिया, जिला जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया क्या ही।

अनुसूची

जमीन जो खंभालिया में स्थित है, सर्वो नं 93 और 94 क्षेत्रफल होक्टर 2-32-70, तथा जिसका पूर्ण वर्णन खंभालिया बिकतिखत नं 457/1-4-1981 में दिया गया है।

> जी . सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीच : 8-12-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भनीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निदेश नं. रोफ. नं. पी. आर. नं. 1502/अर्जन रॉज 23-1/81-82—अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर मध्यति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पमें से अधिक है और जिसकी सं. सर्जें नं. 280/4/3 ही, तथा जो जामनगर में रिधत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यानय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 16-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिमत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बित में बास्त्रिक रूप से अधिन नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भवि-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिखा भौर/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अध्य प्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय क्षायकर भिव्यतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती हारा प्रकट नहीं किया क्या या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः, अव, उन्त अविनियम की घारा 269 म के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269 म की उपघारा (1) के अधीन निम्मिलिखित व्यक्तियों, अथित् ---

- (1) श्री वल्लभदास दोवराज पटोल, श्री विनोदराय दोवराज पटोल, पवन चक्की के सामने, जेल रोड, जामनगर। (अन्तरक)
- (2) श्री अमृतलाल मोहनलाल और अदर्स, फीशन चोक, बावावड, जामनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के क्षिए कार्य**गाहियां** करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गन्दों श्रीर पदों का, जी उक्त श्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जिमन और मकान जो जामनगर में स्थित है, सी. एस. नं. 280/4/3, कुल क्षेत्रफल 17627'-7', 1637-59 वर्ग मीटर तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रिजस्ट्रीकर्ता विकासित नं. 1323/16-4-81 में दिया गया है।

जी सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रोज-1, अहमबाबाद

तारीख : 8-12-1981

मोहर ः

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निदेश नं. एफ. नं. पी. आर. नं. 1501/अर्जन रॉज 23-1/81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित काजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. सर्वो नं. 165 है, तथा जो गांव-कठडा, जिला-कच्छ, सब जिला-सांडवी में रिश्यत है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मांडवी-कच्छ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-4-1981 को पूर्वीकत संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम को इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्योक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल निम्नलिखित उद्वेदेग से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गुपा हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषध के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रामणी हीरणी पटोल, श्री करमन हीरजो पटोल, पी. ओ. मेरान, तालुका-मांडवी, (कच्छ)। (अन्तरक)
- (2) श्री सीमजी करेबजी जसरानी, जयरेशक मार सीमजी के पिताजी और गार्डीयन।

(अन्तरिती)

का यह स्वाना चारी करके पूर्वों कर सम्मृतित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति गु
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिमन जो कठडा, जिला-कच्छ, सब जिला-मांडवी मों स्थित है, सर्वो नं 165, कॉल क्षेत्रफल एकड़ 16-35, मांडवी-कच्छ, रिजिस्ट्रीकर्ता विकासित नं 494/21-4-81।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-।, अहमदाबाद

तारीख : 8-12-1981

मोहरु 😲

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निद्देश नं. एफ. नं. पी. आर. नं. 1500/अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसक पश्चात् उक्त आवानयम कहा गया हा, का वारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है किं स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं 371/3 और 377/4 है, तथा जो भूज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ्ज-कच्छ मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्तल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :--- (1) श्री वकाली ओसमाली आदम, रोलवे स्टोशन के सामने, भूज (कच्छ)।

(अन्तरक)

(2) ''बृन्दावन पार्क'' श्री शाह कान्तीलाल नेलचंद, तानीसा वास, (सांकडी शेरी), भूज (कच्छ)। (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों को, जी उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसची

जिसका सर्वों नं. 371/3 और 377/4, जो भूज में स्थित है, काल क्षेत्रफल एकड़ 2-15 तथा जिसका पूर्ण वर्णन भूज रिजस्ट्रीकर्ता विकिसत नं. 1132/81 दिनांक 28-4-81 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

ता्रीख : 8-12-1981

मोहर 🤙

प्ररूप ग्राइ . टी. एन्. एस. —

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निदोश नं रोफ नं पी. आर. नं. 1499/अर्जन रॉज 23-1/81-82--अतः म्फो, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं मर्थों नं 217 है तथा जो मेरान, तालुका-मांडवी, जिला-कच्छ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्य-लय, मांडवी-कच्छ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 21-4-1981

को पूर्वों कत सस्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्ल में कमी करने या उससे अथने में सृविधा का निए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्सरण जैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- 17---416GI/81

- (1) श्री रामजी हीरजी पटल, पी. आं. मेरान, ताल्का-मांडबी, जिला-कच्छ।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री स्वीमजी कंशवजी जंसरानी, जंसरानी डॉली, मांडवी, जिला-अच्छ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां वट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपर्तित में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिमन जो गांव मेरान, जिला-कच्छ में स्थित है, सर्वे नं 217, काल क्षेत्रफल एकड़ 11-35 तथा जिसका पूर्ण वर्णन मांडवी कच्छ रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीयत नं 493/21-4-81 में विया गया है।

जी. सीं. गर्ग, सक्षम प्राधिकारी . सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, अहमवाबाद

तारीख : 8-12-1981

मोहर 🕃

प्ररूप आई. टी. एन. एस , -----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भाग्यत (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 विसम्बर 1981

निर्दोश नं. पी. आर. नं. 1498 अर्जन ग्रेंज 23-।/81-82—यतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सर्वे नं. 1053 है तथा जो गांव वेजलपुर, सीटी तालुका, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-4-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के चभीन निम्नलिसित व्यक्तियों कर्धातः --

(1) श्री भगुभार^क अंबालातः, नवरंगपुरा, 1689, लीमजीवाला वास, अ**हं**मदाबाद।

(अन्तरक)

(2) बंसीधर रसीफलाल नगरी सेंट मेवियर्स कालेज के नजबीक एलिसब्रीज, अहमदाबाद, श्री रजनी-कान्स रसीफलाल नगरी, पाटीदार बोडींग के सामने, एलिसब्रीज, अहमंदाबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

साष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अमृसूची

जमीन जो बेजलपुर सीटी तालुक मों स्थित है। सर्वों नं 1053, क्रुल क्षेत्रफल एकड़ 2-1 तथा जिसका पूर्ण विवरण अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखन नं 4926/30-4-81 मों दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सं<mark>सम प्राधिकारी</mark> सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ो]ज-।, अहमदाबाद

तारील : 7-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्दोश नं रोफ नं पी आर नं 1510 अर्जन रोज 23-1/81-82---अतः मुक्ते, जी सी गर्ग, गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वें नं. 26 पैकी है, तथा जो बोडकदेव सीम, तालुका दसकोई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब 20-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने, यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उजित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिषत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-ितयक के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था किपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ह—— (1) श्री रमेशभाई नारनभाई पटल, अंच यू. अफ, के कर्ता, श्री नटवरभाई नारनभाई पटेल, कर्ल-मुख्यार सगीर अल्येश रमेशभाई, गांव बोडकदेव, तालुका दसकाई, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रवदन रमनलाल, श्रीमती सुलोचना चंद्रवदन, श्रीमती कमल चंद्रवदन, श्रीमती पल्लवीबेन कमलभाई, 'पर्णकुटी', गूजरात कोलेज के नजदीक, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अन्स्ची

श्रेती की जमीन जो बोडकदेव सीमा में स्थित है सर्वे नं 26 पैकी 1/3 शेर, क्षेत्रफल 5665 वर्ग यार्ड, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ती किकीखत नं 4270/20-4-81 में विया गया है।

जी. सीं. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीख : 8-12-1981

मोहर 🛭

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

आयंकर भिभित्रियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 2699(1) के भिभित्रुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 8 विसम्बर 1981

निवंश नं रोफ. नं. पी. आर. नं. 1511 अर्जन रॉज 23-।/81-82--अतः सुकें, जी. सी. गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, एउनका अधिक बाजार मृल्य 25,000/ रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. सर्वो नं. 26 पैकी है, तथा जा गांव बांडकदंव तालुका दसकाई में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्रम, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 20-4-1981

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य सं काम के द्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूजिका के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण भौ. मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निनियन व्यक्तियों अर्थान् :--- (1) श्री अरिविंद भाई नारनभाई पटाल, अंक. यू. अफ. को कर्ता और कालमूख्यार, विजयभाई अरिविंदभाई, श्रीमती जयाबन अरिवंदभाई, गांव बोडकदोव, तालुका दसकोई, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रवदन रमनलाल, श्रीमती सूलोचना रमनलाल, श्री कमल चंद्रवदन, श्रीमती पल्लवीचेन कमलभाई, 'पर्णकटी', गुजरात कोलेज के नजदीक, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रतिकत्त सम्पोत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, भी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलसक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिसन जो बोडकदोव सीस मी.स्थित है, सर्वो नं. 26 पैकी 1/3 शेर, क्षेत्रफल 5665 वर्ग यार्ड, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीसत नं. 4272/20-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीव : 8-12-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निवंश नं. पि. आर. न. 1326/एक्बी./23-11/81-82--अतः मुफ्ते, जी. मी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रज. से अधिक है।

और जिसकी सं नं 2635, मीषन राष्ट्रं हुँ, तथा जा नडीयाड में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडीयाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रांतफाल के लिए अन्तरित की गई है और म्फें यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथ्यमान प्रतिफल सं, एसे रूथ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखता में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रनारण से दुई किया आया की वाबत, उक्त प्रधिन नियम के प्रमोत कर देते के प्रनारण के दायित्व में कसी करके वा उसने बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/ग्रा
- (ख) ऐसी किसा आप या किसी अन एए अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिश्तियम, ए अन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिक्त व्यवितयों, अर्थात् :--

- (1) श्री खंबाभाई नाग्भाई पटल, श्री मन्भाई नाग्भाई पटल, श्रीमती सबीताबेन नान्भाई पटल, श्री गणशामभाई रावजीभाई, काकाड, निडयार। (अन्तरक)
- (2) अध्यक्ष और मचिव, श्रीमतीशीलावन वसंतलाल शाह, श्री प्रमोदलाल वसंतलाल शाह, 9 समारत सांसायटी, मिषन रोड, निडयाड। (अन्तरिती)

को यह म्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियां में सं किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितश्च किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में में किए सा सकते ।

स्गब्दीकरण:--इसमें ६युक्त शब्दों और पड़ां हा, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क ने परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया े ।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 2635, नृष् घराक (एयरकन्डीशन मिल्स) के सामने, निडयाड में स्थित है, जो यथाविधि अप्रैल, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाव

तारीख : 9-12-1981

मोह्य 🖫

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भुभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निदशे नं पि. आर. नं 1327/एक्बी./23-11/81-82—अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी में. नं 926-2 हैं, तथा जो कालोल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्रा अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981.

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन जिम्निलिखिट व्यक्तियों अर्थात:-- (1) पटल कान्ताबन, कान्तीभाई साथा भाई का विधवा, कालोल।

(अन्तरक)

(2) पटेल रामनलाल चिमनलाल और दुसरे, कालोल उत्तरा गुजरात।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 926-27, कलोल, यथाविधि अप्रैल, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजनार, अहमदाबाद

ता्रील : 10-12-1981

मोहार 🤄

रु. से अधिक हैं।

प्रस्प ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 289-व (1) के अधीन सूचका

· भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निदोश नं पि आर. नं 1328/एक्सी /23-11/81-82--अतः मभ्रे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजारे मुल्य 25,000/-

और जिसकी सं. नं. 359-टी. पी. एस. 4, गला-3, 4 है, तथा जो और । कटारगाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1981

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उविध बाजार मूल्प, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुस्य मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण ने लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिल उद्देश्य में उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, ने प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिनियम, या धनकर घश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां अर्थात्:---

(1) श्री भीखाभाई केशनभाई पटोल, रगकाल नियाग, वाराछा, स्रत, श्री जयंतीभाई भीवाभाई, रग्कल निवास, वाराछा, सरत।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री शम्भुभाई कारजीभाई, (2) श्री मीताभाई कारजीभाई, (3) श्री नानजीभाई वीरजीभाई, (4) श्री बाबभाई वीरजीभाई, (5) श्री पुनाभाई वीरजीभाई, (6) श्री बच्भाई अर्जुनभाई और बाबुभाई, अर्जुनभाई, कोडियारनगर, वाराछा रोड. सरत।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतबुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हु

अक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई यी आजेप,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पब्ती कर ग: → इसमें प्रयक्त शब्दों स्रीर गदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टणाय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो कातागीय-एस. नं. 359-टी. पी. एस. 4, गला 3, 4 और 1 यथाविधि एप्रिल, 1981 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमवाबाद

तारीख: 10-12-1981

मोहर 🕄

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

भायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) ने ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) .अर्जन र्जजना ।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निदोश नं. पि. आर. नं. 1329/एक्वी./23-।।/81-82—-अत: मुर्फो, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकान 'उदन अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है.

और जिसकी मं. प्लाट 4, 5, एस. नं. 156 (3) 4, हैं, तथा जो अकाटा, बरांडा तालुका मंं स्थित हैं (और इससे उपा- बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मं वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरांडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1981 को जो पूर्वोक्त पम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के का राण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित का जार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पश्चिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से कियत महीं किया प्रया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृषिधा के निए; और/सा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिल्पाने में सूविभा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधित्:—— (1) डा. गीरीक विकासभाई भगत, लालबाग सोसायटी, माजालपुर बरोडा।

(अन्तरक)

(2) श्री असोक रामलुभया मल्हात्रा, 33-कांज मोमाईटी अलकापुरी, बेरोडा ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीओं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिध-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मिलिकगत जो प्लाट नं. 4.5, एस. नं. 156 (3) 4, अकाटा, अप्रैल, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

जी . सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, अहमदाबाद

तारीख: 10-12-1981

प्रकप आई० टी० एन० एस •----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमवाबाद

अहमदाबाव, दिनांक 10 विसम्बर 1981

निदंश नं. पि. आर. नं. 1330/एक्वी /23-11/81-82—अतः मुफे, जी. सी. गर्ग, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. टिका नं. 16/3, एस. नं. 39/1 है, तथा जो अमाक टूट बंगलों में स्थित है (और इससे उपाबंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारील अंप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पम्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरकों अमेर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) ज्नतरण से हुई िकसी जाय की वाजत, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती वनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों अर्थात् ह्—— 18—416GI/81 (1) श्री रणुनाथ बालाजी नागवेकर, कास्टीट यार्टड अटारनी, गयेक बाड रीयल एस्टोट ट्रोडर्स, इन्द्रिमती महल, बोयोडा।

(अन्तरक)

(2) श्री रामनलाल चिमनयाल पारीख, 11-12, कर्ज सोसायीटी, अलकाप्री, बेरोडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृतित में वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वा के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरुण ह—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

Arus a

मिलिकियत जो टीका नं. 16/3, एस. नं. 39/1, बेरोडा यथाविधि अप्रैल, 1981 में रुजिस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 10-12-1981

प्रकप बाहाँ . टी . एन् . एस . ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निक्षेश नं. पि. क्षार. नं. 1331/एक्ष्वी./23-।।/81-82---अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजर मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टिका नं. 14, बीहानग सोसायीटी, है, तथा जो अजवा रोड, बेरोडा में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ध अनु-सुची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1981

का बूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिष्ठत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निचित बास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है द्र--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्निसिसत व्यक्तियों अर्थातः---

- (1) श्री सूर्यकान्त चम्पकलाल देसाई, उनके कुल भुस्तायर श्री द्रुव सूर्यकान्त देसाई, बेरोडा। (अन्तरक)
- (2) श्री इन्द्राकान्त कानतीलाल महिता, वीहानग् सांसायटी अजवा राष्ट्र, बेरोडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों बत् क्यां कर स्वाप्त से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरै पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मिलिकियत जो वीहानग सोसायीटी, नं. 14-आजव रोड, यथा-विधि अप्रैल, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम आधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमबाबाद

तारीय : 10-12-1981

मोहर ः

प्ररूप बाई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निदोश नं. पि. आर. नं. $1332/एक्बी \cdot /23-। 1/81-82---अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,$ श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने **का** कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए मधिक और जिसकी मं, नोंद नं, 1971-बी, वार्ड नं, 10 है, एथा जो रोणी पुलिया, हनुमान पोल, सुरत में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्रीमती पांड्याबेन सेवंतीलाल शाह, सोणी पृलिया, हन्मान पोल, स्रत।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री दोलिपकामार बी. यादाक, (2) श्री अशांककामार बी. यादाक, (3) श्री मापास-कामार बी. यादाक, राणी तलाव, डबगरवाड, सुरसं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रय्वत शब्दों और पक्षों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुस्धी

मिलकत जो नोद नं 1971-बी, वार्ड नं 10, सोणी पूलिया, हनुमान पोल, यथाविधि एप्रिल, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. मी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-11, अहमदाबाव

तारील : 10-12**-**1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 विसम्बर 1981

निदेश नं पि. आर. नं 1333/एक्बी./23-11/81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~रह. से अधिक **है** और जिसकी सं. नोद नं.4137-वार्ड नं. 2, आनन्द ही, तथा जो शेकी, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स्रत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीस एप्रिल, 1981 को पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करनं का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, जबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए, अर्रिया
- (स) ऐसी किसी आय या किसा धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) भी **गुभी**लास नथुभार गुज्र , पान्जारा शेकी,। संग्रामपुरा, सुरत्।
- (अन्तरक)
 (2) नवीनचन्द्रा अमृतलाल अनावील शकी संग्रामपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता. हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलिक्यत जो नोद नं. 4137, वार्ड नं. 2, सुरत यथा-विधि एप्रिल, 1981 में रिजिस्ट्री की ग्यी है।

> जी.सी.गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज-।।, अहमदाबाद

तारीब : 10-12-1981

मोहरू 🏗

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाव, दिनाक 10 दिसम्बर 1981

निदोश नं. पि. आर. नं. 1334/एक्की./23-11/81-82--अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/— हपए से प्रधिक है

और 'जिसकी सं एस नं 359/1, ए. पी एस 4, है, तथा जो गली 2,3,5-5 और 4 कटागोम, सुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, एप्रिल, 81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की गई है और प्रस्ते वा उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पाइ प्रतिणत से अधिक है भीर अन्तरक (प्रभारकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिकरूप से किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिए में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ≆त अधिनियम, या प्रत्-कर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात्।— (1) श्री जयंतीभाई भीखाभाई पटोल, रघुकतुल निवास, वराष्ट्रा रोड, सुरत।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री नारायणभाई शनकभाई, (2) श्री लालजी-भाई तपुभाई, (3) श्री कालुभाई छगनभाई, (4) धीरजभाई छगनभाई, (5) नागभाई छगन-भाई, (6) अरविन्दभाई नारायणभाई (7) बालू भाई वागजीभाई, (8) भगवानदास लाखाभाई, कोडीयारनगर, वराछा रोड, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जेंग के लिए कार्मैवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई** भी **आक्षो**प :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से.
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वक्द किसी ग्रन्थ अ्थिकित द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सर्केंगे।

स्पट्टीफरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रार्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनसची

मिलकियत जो एसः नं 359/1 टी. पी. एसः 4, गली 2, 3,5 और 4, कानागीय यथात्विधि अप्रौल, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहम्दाबाद

तारीब : 10-12-1981

मोहर 🛭

प्ररूप आई. दी. एन. एस्.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

्रनिदोश नं. पि. आर. नं. 1335/एक्वी./23-। र्।/81-82---अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

बायकर मिंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं एस नं 14/2 और 14/1 है, तथा जो खागब-ता. छोरयासी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को प्वेक्सि संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की याबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य कें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मुनिष्कित म्युनिस्त्रों अधीन हिन्न

(1) (1) श्री नाराणभाई छीतुभाई, (2) श्रीमती र वाबेनु गनगाराय प्रणणी का विध्वा, कुमुथारीया, ता. छोरयासी, सुरत।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री सुभाष मानसुखलाल, गोपीपुरा, क्षानमाली पोल, सुरत, (2) श्री मानसुखलाल साकलाल, हासमुखलाल मानसुखलाल।

(अन्तरिती)

को यह क्षना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यनाहियां कंरता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूँचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 14/1, 14/2, खागोब, ता. छोरयासी, यथाविधि अप्रैल, 1981 में रिज़स्ट्री की गयी है।

> जीः सीः गर्ग सक्षम प्राधिकारी तृहायुक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-≀ा, अक्षमदाबाद

तारीख: 10-12-1981

मोहर 😃

प्ररूप आइ .टा. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निद्देश नं. पि. आर. नं. 1336/एक्**वी**./23-11/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रह. से अधिक हैं और जिसकी सं ब्लाक नं 106 है, तथा जो मोजे सामरोली, ता - चिकली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिकली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख एप्रिल, 1981 को पूर्वोच्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददंश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तरियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री मीणाभाई मानगाभाई और चार दूसरे, सम्येली ता.-चिकली।

(बन्तरक)

(2) श्री किशोचेन्द्रा चिमनलाल गांधी और चार बासरी, बिल्लीमोरा, ता. गानुबोबी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में दिया गवा है।

अभृत्जी

मिलकियत जो सामरोली ब्लाक नं 106 यथाविधि अप्रैल, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी.सी.गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-≀ा, अहमदाबाद

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान्:--

तारीब : 10-12-1981

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 विसम्बर 1981

निद्धा नं. पि. आर. नं. 1337/एक्बी./23-11/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एस. नं. 902/1 है, तथा जो उम्मासादी ता.-वापी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आहर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूबिभा के लिए;

जतः जब, उच्त जीधीनयम की भारा 269-म के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

(1) श्रीमती भृलीबेन वल्लभ भाई पटोल, ग्नगाबेन लल्लू-भाई पटोल, पाडीं।

(अन्तरक)

(2) आर. आर्घ. इलेक्ट्रीकल्स, (पेटी)। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सेमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकींगे।

स्युष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

अनुस्ची

मिलकत जो उमासाडी, वापी ता., एस. नं. 902/1, एप्रिल, 1981 में <u>उजिस्</u>ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

तारीख % 10-12-1981 भोहर 🛭 प्रकप भार्षः टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-१।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निवेश नं. पि. आर. नं. 1338/एक्बी./23-11/81-82--अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य

25,000/- एत. से अधिक हैं।

25,000/- रु. स आधक हु
और जिसकी सं. नं. 1074-1-2 है, तथा जो --- में स्थित
हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पार्डी में रिजस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. तारील
एप्रिल, 1981

की पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्विकत संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री मगनलाल हारकचन्द्र शाह, नेहरू स्ट्रीट, वापी, ता.-पाडीं।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री सैनाथ बिल्डर्स का भागीदार, श्री जीतेन्द्रकामार मोहनलाल शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, **यो उक्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुया हो।

अनुसूची

मिलकत जो वापी एस. नं. 1074-1-2 यथाविधि अप्रैल, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

15-416GT/81

ताररीच : 10-12-1981

प्रकप बाइ े.टां. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निद^{र्}श नं. पी. आरं. नं. 1339/एकवी/23-।।/81-82—-अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

और जिसकी सं. नं. 517 है तथा जो अडाजन, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रिक्षिल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से घधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक कप से कथित नहीं जिया नया है:--

- (स) भ्रम्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त भ्रमि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी। किसी भाय या किसी वन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रमा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में। सुनिधा के लिए।

अतः जब, उसत अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :--- (1) श्री गेलाभाइ जसवन्तभाई पटेल, अंडाजन, ता. छोराथासी, स्रत।

(अन्तरक)

(2) सीधार्थ जसवानतलाल बेत, भरत षसवानतलाल बेत 17-जीवन वीहार, अङाजन, सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबदा किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपन्टीकरण !---इसमें प्रयुक्त शन्धों मौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एकः नं 517-अंडाजन यभाविधि अप्रैल, 1981 में रिजस्टी की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अूर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारील : 10-12-1981

प्रकप भाई• टी॰ एन॰ एस०-

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन्रज-।।, अहमधाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निर्दोश नं. पी. आर. नं. 1340/एकवी/23~11/81-82--अत: मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उन्तित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. नं. 79/2, 82 है तथा जो पार्डी, सानसपोर, ता. बलसाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलसाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिपल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाह्य/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्षः- (1) राजेश बार्ड मिलस का भागीबारों, श्री गला नानजी मेगहाजी, पोपटलाल अर्जन, पादायणी अर्जन, वलसाड।

(अन्तरक)

(2) मंसर्स लीडर इलेकट्रीकलस प्राइवेट लिमिटेड का डायरेक्टर, चनचलवास एन पालुकाणी, गुनवलाव, ता. वलसाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीध से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 79/ए और 82 पाडीं-सायपोर ने अप्रेल, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजना।, अहमदाबाद

तारीख : 10-12-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निर्दोश नं. पी. आर. नं. 1341/एकवी/23-।।/81-82~-अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. ब्लाक नं. 73, पैकी एस. नं. तथा जो पैकी, पारनेरा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, पाडीं में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981 को पूर्वीक्त संपर्तित के लिए अंतरित की गई है और मुफ्तेयह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:--

- (1) श्री शेराबाणु बाबुभाई राह्रोमभाई सुद और मैनर अजीनभाई का रक्षकतो, गुलाबबने, बाबुभाई रहिमानभाई की पुत्री, कामुबने, रमणलाल बाबू-भाई की पुत्री, छोटाभाई बाबुभाई दामानीया, हमीदाबने, अमीरबाबुभाई रहमानभाई की पुत्री राकक्षाण्यने अमीर, बाबुभाई की, पारडी। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती भायाबन, पुरुषाताणराम की पतनी, हीरा बाई, लकक्षमणभाई नानसी का पतनी, वलसाड। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भ्या हैं।

अनुसूची

मिलकत जो पानेरा-ब्लाक नं. 73, एस. नं. 23, अप्रैल, 1981 में यथाविधि रिजस्ट्रो की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अुर्जन रॉज-११, अहमबाबाद

तारीख: 10-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निद्धेंश नं पी आर नं 1342/एक्बी /23-11/81-82—-अतः मुक्ते, जी सी गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 63, सी. एस. नं. 2273/43 है तथा जो हालार रोड, धरामपुर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वालसाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्विष्य से उसत अन्तरण निस्तित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबते, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी साव या किसी धन या अन्य आस्तियां करे, जिन्हें भारतीय आय-कर मिश्रित्यमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या भग-कर अधिनियमं, या भग-कर अधिनियमं, या भग-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गमा था किया जाना वाहिए था, जिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ---

 (1) श्रीमती वासनतीक्षेत्र दालपतलाल दौषी, 17-ए, अशोक-ताजपाल राडि, वील्ले पारले, बांबे, (2) धीनशचन्द्रा धनसूखभाई शाह, राम-वाडी-वालसाड।

(अन्सरक)

2. जयवीप डयमण्ड इन्डस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड, हालार धरामपुर कास रोड, वालसाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मिलकत जो आर. एस. नं, 63, सी. एस. नं. 2273/ 43, हालार रांड, अप्रैल, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-११, अहमदाबाद

नारीब : 10-12-1981

मोहर 🔢

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के सुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निदर्शि नं. पी. आर. नं. एकवी/23-11/81-82---अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 63, टी. पी. एस. 1, सी एस. है, तथा जो नं. 2016/ए. आर. एस. नं. 156 पैकी बलसाड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वालसाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्मल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रिक्षल से, एसे दश्यमान प्रित्मल का पन्द्रष्ट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पायर गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किता में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; आर्रि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री नानुभाई मोरारजी,
श्री जसुभाई मोरारजी,
श्री उतीलाल मोरारजी,
श्री कींकुभाई मोरारजी,
श्री छोटाभाई मोरारजी,
श्रीमती कमलाबेन नाकोभाई,
श्री जीनाभाई मोरारजी,
श्री जीनेनन्द्रा जी भाई,
मादानवाड, वलसाड।

(अन्तरक)

(2) नवसार्जन को -ओ -है -सोसायिटी, सी बी., हाजी मार्केड, वाससाउ।

(अन्तरिती)

को यह सृष्ना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

मिलकत जो एफ. पी. नं. 63, टी. पी. एस. 1, सी. एस. नं. 2016/ए, आर. एस. नं. 156, पैकी यथाविध अप्रैल, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है ।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 10-12-1981

माहर:

प्रकप् आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निव श नं. पी .आर .नं. 1344/एकवी/23-11/81-82—अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र. से अधिक हैं
और जिसकी सं. नं. 167. विजलपर है तथा जो नवसरी

और जिसकी सं. नं. 167, बिजलपुर है तथा जो नवसरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

अधीन, अप्रैल, 1981 को पूर्वों कत संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फस निम्नलिखित उख्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिमयम को अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की खपधारा (1) को अधीन, निक्तिलिखित स्विक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री मणीभाई दयाभाई नायिक, विजालपुर, नव-सारी।

(अन्तरक)

(2) श्री मनसुखलाल मणीभाई घटल, नागीनभाई देवा भाई पटल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एसः नं 167-विजालपुर यथाविधि अप्रैल 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाव

तारीब : 10-12-1981

माहरुः

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -=----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यां ज्य, सहायक आयुकार आयुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रॉज-।।, अहसदानाद अहमदाबाद, दिगांक 10 दिसम्बर 1981

निद्रोग नं. पी. आप. नं. 1345/एकची/23-11/81-82--अनः सभ्रें, जी. सी. गर्गः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. आर. एसं. न. 254 - प्लाट-46, है। तथा जो आणा भाग नवसारी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिम्ति में वास्त-विक सूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जलरक से हुई िकसी नाम की बाबत, उनत् अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासिक में कभी करने या उससे कुमने में सुविधा के [आए;] नोड/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भून या अन्य जास्तिवीं की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विमा के लिए।

(1) श्री मुखा भाई छोटा भाई पटल, गीता करूज, आका भाग, नक्षमारी।

(अन्तरक)

(2) शंन जालेजार केंकमारू काण्डीया, माछली पीन, उगमानी माहोलों, सृरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संप्रित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता क्रिया

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में काहे भी आक्षेप्ध--

- (क) इस स्वना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी अन्य अपनित सुवारा अधीहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. न. 254, प्लाट 46, आशा भाग, यथाविभि अप्रैल, 1981 में रिजिस्टी की गयी **है**।

> जी सी गर् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-११, अहमदाबाद

अतः अव, उत्कत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन निम्नुविधित व्यक्तियों नुष्यिः—

तारीख: 10-12-1981

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) अर्जन रॅज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निवंश गं. रोफ. नं. पी. आर. नं. 1517 अर्जन रोज 23-1/81-82—अत: मुफ्ते, जी. सी. गर्ग, अग्न्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/फ. से अधिक हैं और जिसकी मं, सबों नं. 74 अफ. पी. नं. 239 हैं। तथा जो वस्त्राप्र, सीटी तालुका में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वास हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-4-1981 को पूर्वीक्त संपर्श्ति के उच्चित वाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिकृत्य के लिए अन्तरित की गई की सार मुक्त यह विश्वास

- का प्वाक्त सपास्त के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :--
 - (क) अन्सरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री दर्शन सुरन्द्र पारेल सुरन्द्र संगलदास रोड, अलिसब्रीज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) होतु विकास मंडल ओर्नस अमोसीयटर्स प्रोमोटर-श्री सुमेवभाई वी. शार, श्रीमाली सोसायटी, नवरंगपुरा अहमवाबाद, संफ्रेंटरी - बीपीनचन्द्र बाबुभाई शार, उस्मानपुरा, सुमतीनगर सोसायटी, अहमवाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

जक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्याराः
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वृद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में रिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जो वस्त्रापुर सीटी तालुका में स्थित है, सर्वो नं 74, अफ. पी. नं 239, कुल क्षेत्रफल अफर 2-21 गुंडा ही, तथा जिसका पूरण वरणन जहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीण्त नं 3332/1-4-1981 में दिया गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकार्दीः सहायक आयकर आयुक्त (निदीक्षण) अर्जन र ज-1़ अहमदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मुभत्ः --- 20-416GI/81

तारीख: 15-12-81

प्रकृष प्राई० ही० एत० एस०----

आयकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रमीत पूजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहम्मदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निवोध नं. रोफ. नं. पी. आर. नं. 1506 अर्जन रोज 23-1/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर प्रवित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रवित्तियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से पिछक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 26 पैकी है। तथा जो बोडकवेब सीम, तालुका दसफोई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-4-81

(1908 का 16) के अधीन, 20-4-81
को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई
है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि
यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्प्रद प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण लिखित में वास्तिक का का से का स्वार्थ के स्वार्थ का स्वार्य का स्वार्थ का स्वा

- (क) अन्तरण से कुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर वेने के अन्तरक के वासिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य पास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविद्या के लिए;

अतः, ग्रन, अन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्सरण में, भें, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के क्रिपीन निम्निजित क्युन्तियों बर्चात्ः~ (1) श्री नटवरभाई नारनभाई पटोल कर्ता-अचे यू. अफ के और काल मुखन्यार सगीर यरोगभाई नटवर-भाई, (2) ललीताबेन नटवरभाई पटोल, गांव - बोड-फवेब, तालुका - दसफ्रोई।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रवदन रमनलाल सुलोचनावेन चंद्रवदन कमल चन्द्रवदन पल्लवीबेन कमलभाई पर्णकुटी, गुजरात फोसेजफे नजदीक, अहमदाबाद।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकातन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोत्तुस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ईस्पक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्ष्वों भीर पदों का, जो उक्त भक्षितियम के सम्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही धर्म होगा, जो उस सम्याय में वियागया है।

अनुसूची

खेती की जीमन जो बोडकदिव सीमा में स्थित है, सर्वों नं. 26 पैकी 1/3 शेर, कुल क्षेत्रफल 5665 वर्ग यार्ख, जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 4268/20-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) धर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

तारीख : 8-12-81

अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनर्ज-।,

अहमदाबाद , दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निदंश नं. रोफ. नं. पी. आर. नं. 1507 अर्जन रोज 23-।/81-82--अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वे नं. 26 पैकी है। तथा जो बोडकवेब सीमा, तालुका - वसफ्रोर्इ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-4-81

का पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; बीट्र/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था विकया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के स्थीन, निम्मिलिया अधिनत्यों स्थातः— (1) श्री अरविंबभाई नारनभाई पटेल खुद, और कर्ता अंच. यु. ओफ. के विजयभाई अरिवंदभाई, जयाबेन अरिवंदभाई गांय - बोडकटेव, तालुका - देसफ्रोई, जिला - अहमकाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पदमनाम भोगीलाल श्री मदनभोरन भोजीलाल, नटराज सेन्टर, आश्रम रोड, इन्कमटौक्स आफिस के नजदीक, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परिस के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी ब्दावितयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवािकत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णमीन जो बोडकदेव सीम में स्थित है, सर्वो नं .26 पैकी 1/3 घर जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकिश्वित नं .4204/20-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीख: 8-12-81

प्ररूप बाह्रै.दी.एन्.एस्.,-------

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्) अर्जन रंज्-। , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निदोश नं . रोफ . नं . पी . आर . नं . 1508 अर्जन रॉज 23-1/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/ रत. सं अधिक है और जिसकी सं सर्वें नं 26 पैकी है तथा जो बोडकदेव सीम, तालुका - दसफ्रोई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारों के कार्यालय, अहमवाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-4-1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कश्वित नहीं किया गुवा है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे ब्चने में सूर्तिधा-के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अप्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

- (1) श्री रमेशभाई नारनभाई पटोल कर्ता अंच. यू. अंफ की, (2) श्री नृटभ्रलाल नारनभाई पटोल कुलमुख-त्यार अल्पेशभाई रमेशभाई, गांव - बांडकदेव, तालुका - दसकोई, जीला - अहमदाबाद।
 - (अन्तरक) वे पहस्राम भोगीलाल श्री मन्त्रभोस्त भोगीलाल तर-
- (2) श्री पदमनाम भोगीलाल श्री मदनमोहन भोगीलाल नट-राज सेन्टर, आश्रम रोड, इन्कमटैक्स आफिस के नज़-दीक, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कत व्यक्तियों में दो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

खेती की जमीन को बोडकाद व की सीम में स्थित है सर्वें नं 26 पैकी 1/3 शेर, जिसका पूरण वरणन अहम्भदाबाद रिजस्ट्रीक ता बिकीखत नं. 4266/20-4-81 में विया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रूजि-।, अहमदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गु के अनुसरण मो, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् हिन्न

त्रीख : 8-12-81

मोहर 🖫

प्ररूपु आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पृता

भारत सरकार

सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।.

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निवंश नं. रफे. नं. पी. आर. नं. 1509 अर्जन रंज 23-।/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'पुक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित् आजार मृल्य 25,000/-- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 26 पैकी है। तथा जो बोडकदेव सीम, तालुका - वसफ्रोई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-4-81

को पूर्णिक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बित् में वास्तिवृक्ष कृत्र ए सिब्त में वास्तिवृक्ष कृत् से कि भित् नहीं किया ग्या हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उपसे बुवने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अभ, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री नटवरभाई नाटनभाई पटोल अंग . यू. अंफ . के कर्ता (सगीर) परोशभाई नटवरभाई ललीताक्षेत्र नटकर-भाई पटोल , गांव - बोडक दोव , तालुका - दसफ्रोई , जिला-अहमवाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पदमनाम भागीलाल मदनमोहन भोगीलाल नटराज सन्टर, आश्रमरांड, इन्फमटोक्ष ओफिस के नजदीक, अहमदाबाव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिस्भाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस्म गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन जो बोडकदंव सीम मे स्थित है, सर्वे ने. 26 पैकी 1/3 शेर कुल क्षेत्रफल 5665 वर्ग यार्ड तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकाखेत नं स् 4274/20-4-81 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन राज-1, अष्टमदाबाद

तारीख : 8-12-81

र्शंथ कोक सेवा ग्रायोग भोटिस

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांक्रियकी सेवा परीका, 1982 सं• एफ • 12/4/81 प• I (खा)

नई दिल्ली, विनांक 16 जनवरी, 1982

नारत के राजपन्न विनांक 16 जनवरी, 1982 में गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विमाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के समुतार शीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवामों के प्रेड IV में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा, भायोग द्वारा धगरतला, धहमवाबाद, ऐजल, इलाहाधाद, बंगलीर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, विसपुर (गोहाटी), हैवराबाद, इस्माल, ईटानगर जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, धीनगर तथा विवेन्द्रम में 29 जून, 1982 से सम्मिलत प्रति-योगिता परीक्षा ली जाएगी:—

भायोग यदि चाहे तो उक्त परीका के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीकों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों की उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को भपनी विवक्षा पर भ्रलगकेन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्वलः (स्थकों) की जानकारी दे दी जाएगी (भनुवंध I परा II देखिए)।

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के भाषार पर जिन दो सेवाओं के लिए भर्ती की जानी है उनके नाम तथा इन दोनों सेवाओं के प्रेड IV में रिक्तियों की भनुमानित संख्या इस प्रकार:—
 - (i) भारतीय भर्ने सेवा

40 (इनमें भनुसूचित जातियों के छम्मीववारों के लिए भारक्षित 6 रिक्तियां तथा धनुसूचित जम-जातियों के उम्मीववारों के लिए 3 धारक्षित रिक्तियां सम्मिलत हैं)

(ii) भारतीय सांक्यिकी सेवा

40 (इनमें धनुसूचित जातियों के जम्मीदवारों के लिए धारिकत 7 रिक्तियों तथा धनुसूचित जन-जातियों के जम्मीदवारों के लिए 3 धारिकत रिक्तियों सम्मिखित हैं)

उपर्यंक्त रिक्ति-संख्या में परिवर्तन हो सकता है।

3. जन्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उस्लिखित सेवामों भें से किसी एक प्रवता दोनों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए प्रावेदन कर सकता है। एक बार प्रावेदन-पक्ष भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की मनुमति नहीं दी जाएगी।

श्रीव कोई उम्मीदबार वोनों सेवाओं के लिए परीक्षा में प्रवेश पाता चाहता है तो भी उसे एक ही मावेदन-पत्न भेजने की मावश्यकता है। तीच दैरा 6 में उत्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा। जस प्रत्यक सेवा के लिए मलग-मलग नहीं जिसके लिए वह मावेदन कर रहा है।

श्वान दें :— उसे केवल उसी सेवा/उन्हों सेवाओं के लिए उम्मीदधार नाना जाएगा जिसके/जिनके लिए वह भाषेदन करेगा, दोवों सेवाओं के शिए मावेदन करने वाले उम्मीदबार को मपने मावेदन-पत्न में सेवाओं के संबंध में मपना वरीयता-कम स्पष्ट कप से बताना चाहिए ताकि योग्यता कम में उसके स्थान को ज्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी बरीवता पर भली-माति विचार किया जा सके । जिन सेनाओं के लिए उम्मीदनार विचार किए जाने के अच्छुक है उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा दर्भाए गए वरीयता कम में परिवर्तन से संबद्ध किसी भी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की "रोजगार-समा-चार" में प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिन के भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीवनारों को निर्धारित झावेदन-प्रपत्न पर सचिव, संघ लोक सेवा झायोग, धौलपुर हाउस नई विस्ली (110011) को झावेदन करना चाहिए! निर्धारित झावेदन-प्रपत्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्व विवरण दो रुपये (रु० 2/-) देकर झायोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा झायोग, धौलपुर हाउस, नई विस्ली-(110011) को मनीझावेर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा झायोग को नई विस्ली जनरल डाकघर पर देय झारतीय पोस्टल झावेर द्वारा मेंजी जानी चाहिए। मनीझावेर-पोस्टल झावेर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये झावेदन-प्रपत्न झायोग के काउन्टर पर नक्ष्य मुगताम द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये (रु० 2/-) की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट: - उम्मीदवारों को चैतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पक्ष भारतीय अवंसेवा--भारतीय सांक्रियकी सेवा परीक्षा, 1982 के लिए निर्धारित मुद्रित अपन में ही अस्तुत करें। भारतीय अवं-सेवा--भारतीय सांक्रियको सेवा परीक्षा, 1982 के लिए निर्धारित आवेदन-पत्नों से इतर प्रपत्नों पर अस्तुत आवेदन-पत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन पत आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 15 मार्च, 1982 (15 मार्च, 1982 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समृह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, बिपुरा, सिकिकम तथा जम्मू और कश्यीर, के सहाख डिवीजन में रहने वाले और जिनके आवेदन उपर्यूक्त में से किसी इलाके से बाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उम्मीदवारों के मामले में 19 मार्च, 1982) एक या उससे पहले बाक द्वारा अवश्य मिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाए निर्वारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी भावेदन-यद पर विचार महीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समृह, सक्तद्वीप, असम, मैथालय, अदणाबल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, सागासैण्ड, क्षिपुरा, सिक्किम और जम्मू एवं कश्मीर के लहाज डिबीजन में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 15 मार्च, 1982 से पहले की किसी सारीख से दिवेशों में या अंडमान एवं निकोबार क्षीपसमृह, सक्तद्वीप, असम, मेथालय, अदणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, सागासैण्ड, सिपुरा, सिक्किम और जम्मू एवं कश्मीर के लहाज डिबीजन में रह रहा था ।

टिप्पणी (i))—जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने बाखे आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार ह उन्हें भावेदन पंत के संगत कालम में भपने पठों में अतिरिक्त समय के हकदार हलाके या क्षेत्र का नाम (भ्रम्यात् भ्रसम, मेबालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लहाता क्षेत्र स्पष्ट कप से निविष्ट करना चाहिए ग्रम्यचा हो सकता है कि उन्हें भ्रतिरिक्त समय का काम म

दिप्पणी (ii):--उम्मीदबारों को सलाह बी जाती है कि वे झपन आहे-वन-पत्नों को स्वयं सं० खी० से० झा० के काउंटर पर जमा कराएं झचवा रजिस्टडं डाक द्वारा खेजें। झायोग के किसी धन्य कर्मचारी को विष् गए बावेदन-पत्नों के लिए बाबोग उत्तरवायी नहीं होगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को करे हुए प्रावेदन-पक्ष के साथ ग्रामोग को द 48 (रुपये ग्रव्हालीस) (ग्रनुसूचित कातियों और ग्रनुसूचित जम जातियों के मामले में द 12 (रुपये बारह) का नृक्ष भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक देवा ग्रायोग को नई विल्ली के प्रधान बाकचर पर देय रेखांकित मारतीय पोस्टल बार्बर या सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग को स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया की मई विल्ली स्थित मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया की निसी की बाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ब्रापट के रूप में हो।

विवेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च प्रायुक्त, राजवूत था विवेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा धायोग परीका शुल्क" के लेखाशीय में जमा हो जाए और धावेवन-पन्न के साथ उसकी रसीव लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन मानेदन-पत्नों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम मस्थीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्भीदवारों पर लागू नहीं होता को नीचे के पैराग्राफ 7 के अन्तर्गत निर्धारित सुस्क से छूट चाहते हैं।

7. मायोग, यवि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब थह इस बात से संतुष्ट हो कि माबेदक या तो 1 जनवरी 1964 भीर 25 मार्च, 1971 के बीच की मविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (मब बंगला देश) से मारत माया हुमा वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा से बास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मृततः भारतीय व्यक्ति है मीर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत माया है या बहु श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मृततः भारतीय व्यक्ति है जो मत्त्रबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के मन्तर्यंत 1 नवस्वर, 1964 को या उसके बाद भारत माया है या माने वाला है मीर निर्मारित मुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीववार ने निर्धारित गुल्क का भुगतान कर विया हो किस जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं विया गया हो उसे (अपने तीस) (अनुसूचित जातियों भीर अनुसूचित जनजातियों के मामले में ६० 8 (रुपये झाठ) की राखि अधिस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट 1 की आतों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले जन्मीववार का आवेदन-पक्ष यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह आहंक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त बोठ के स्ववन्धों की अपेकाओं अन्यवा पासन नहीं कर सकेगा तो वह खुल्क वापसी का हकवार नहीं होगा।

हपर्युक्त भीर बीचे पैरा 9 की व्यवस्था को छोड़ कर अध्य किसी भी स्थिति में भायीन को भुनतान किए गए शुल्क की बापसी के किसी दावे पर न को विचार किया जायेगा भीर न ही शुल्क को किसी सन्य परीक्षा वा चयन के क्षिए भारक्षित रखा जा सकेगा।

9. यदि कोई उम्मीदवार जिसने 1981 में प्रायोजित मा॰ प्रथं केवा/मा॰ सां॰ सेवा परीक्षा दी हो इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छुक हो हो उसे परीक्षा परिणाम या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना प्रपश्च प्रावेदन-पन्न इस प्रकार प्रथम प्रस्तुत कर देना चाहिए कि वह प्रायोग के कार्यालय में निर्धारित तारीक्ष तक केंद्रेच जाए। यदि वह 1981 की परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर नियुक्ति हेतु प्रनुगंसित कर दिया जाता है तो 1982 की परीक्षा हेतु उसकी उम्मीदवारी उसके धनुरोध पर रह् कर दी जाएगी भीर उसका शुल्क लौटा दिया जाएगा दशतें कि उम्मीदवारी रह करने भीर शुल्क लौटाने का धनुरोध प्रायोग के कार्यालय में 29-5-1982 तक प्राप्त हो जाए।

10. उम्मीवनार को प्रपत्ता झानेवन-पक्ष प्रस्तुत कर देने के बाव उम्मीवनारी नापस क्षेत्रे से संबद्ध उसके किसी भी धनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। 11. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिविष्ट-! में बस्तिविष्ठ परीक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया है, कुछ विषयों के प्रश्न-पत्नों में वस्तुपूरक प्रश्न पूछे आएंगे। नमूने के प्रश्न सहित बस्तुपूरक परीक्षण सम्बन्धों व्यारे के लिए क्रपया "उम्मीदबार भूजमा-विषरणिका" के धनुबन्ध II का प्रवलोकन करें। विनय का संयुक्त एचिक

षन्शंध-I

उम्मीदबारों को धनुदेश

 उम्मीदवारों को चाहिए कि वे मावेदन-प्रपक्ष मरने से पहने नोटिस मौर नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख में कि वे परीक्षा में बैठने के पाल हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

धावेवन-पक्ष घेजने से पहले उम्मीववार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो धन्तिम कप से भुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ज्यान रखना पाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध की सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार प्रपने उस केन्द्र में परिवर्तन जाहता है तो उसने उक्त परीका हेतु प्रपने प्रावेदन में निर्विष्ट किया था तो उसे सचिव, संच लोक सेवा प्रायोग को इस बात का पूरा भौजित्य बताते हुए एक पत्र राजस्ट बाक से प्रवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के प्राधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 29 मई, 1982 के बाद प्राप्त धनुरोधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को झाबेबन-प्रपक्त सका पावती कार्ड अपने हाच से स्याही से या बाल प्लाइन्ट पैन से ही भरने चाहिएं। सभी प्रविध्दियां-उत्तर शक्ष्यों में होनी/होने चाहिएं, रेखा या बिन्यु झाबि के द्वारा नहीं ' अझरा या गलत भरा भुन्ना आवेबन-पत्न रह किया आएगा।

उम्मीवनार यह घ्यान रखें कि प्रावेदन पत्न भरते समय उन्हें भारतीय ग्रंकों के केवल ग्रंतर्राष्ट्रीय क्यों का ही प्रयोग करना है। शाहे माज्य-मिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्न या इसके समकका प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख हिन्दी ग्रंकों में वर्ज है तो भी उम्मीवशार यह सुनिध्चित कर ले कि वे ग्रावेदन प्रपत्न में प्रविष्टि करते समय इसकी भारतीय ग्रंकों के केवल ग्रंतर्रीष्ट्रीय रूप में ही लिखें। ने इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि ग्रावेदन पत्न में की गई प्रविष्टिया स्पष्ट ग्रोर मुपाट्य हों। यवि वे प्रविष्टियां ग्रपाट्य या भ्रामक हैं तो उनके निकंचन में होने वाली भ्रांति या संदेइ के लिए उम्मीवबार जिम्मेवार होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना शाहिए कि मायोग द्वारा मावेदन-पक्ष में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पक्ष सादि स्वीकार महीं किया आएगा। इसलिए उन्हें भावेदन-पक्ष सही क्षप में घरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी शाहिए।

तभी उम्मीदवारों को यह भी आहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हो या सरकारी भौबोगिक उपकर्मों में या इसी प्रकार के भन्य संगठनों में हो या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पन्न आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पन्न अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संब क्षोक सेवा आयोग में देर से पहुंचे हों तो उस आवेदन-पन्न पर विचार महीं किया जाएगा, मले ही वह नियोक्ता को आखरी तारीब से पहले प्रस्तुत किया हो।

जो न्यस्त पहले से ही सरकारी नौकरी में प्राकृत्सिक या दैतिक वर् कर्मेजारी से इस स्थामी या प्रस्थामी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मे-चारियों की हैसियत से या कोक उद्यमों में सेवा करने वालों के रूप में काम कर रहे हैं उन्हें यह परिवक्षण (ग्रंबरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से प्रपंते कार्यांजय विभाग के प्रश्यक्ष को बूजिस कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए ग्रावेशन किया है।

- उम्मीदवार को अपने भावेदन-पत्न के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवद्य भेजने चाहिएं:----
 - (i) निक्षीरित गुरुक के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल ग्रांबर या बैंक कृष्ट भथवा शुरुक में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पन्नों की भ्रमित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस का पैरा 6 भीर 7 नीचे पैरा 6)।
 - (ii) क्रायु के प्रसाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिश्विपि ।
 - (iii) कैंक्सिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की समिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिक्रिपि।
 - (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट प्राकार (लगमग 5 सें० मी × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतिया।
 - (v) जहां लागू हों बहां धनुसूचित जाति/धनुसूचित जग जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पक्ष की ग्राधिप्रमाणित/प्रशा-णित प्रतिलिपि (देखिए मीचे पैरा 4)।
 - (vi) जहां लागू हो वहां प्रायु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न की भ्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
 - (vii) उपस्थिति पत्नक (भावेदन-पत्न के साथ संलग्न) विधिवत भरा क्षेत्रा है।
 - (viii) लगभग 11.5 सें० भी०×27.5 सें० भी० माकार के दो विमा टिकट लगे लिफाफे, जिन पर मापका पता लिखा हो।
- हिप्पणी (i):-- उम्मीदवारों को भ्रपने मावेदब-पक्षों के साथ उपर्युक्त मद (i) (ii), (iii) भीर (V) में खिल्लिस प्रमाण-पक्षों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी है जो सरकार के किसी राजपन्नित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों म्रथभा स्वयं उम्मीदवारीं द्वारा सही प्रमाणित हो। को उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के भाषार के लिए साक्षास्कार हेन्द्र पर व्यक्तिगत परीक्षण बहुता प्राप्त कर लेते हैं। उन्हें अपर्युक्त प्रमाण-पद्म भूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः सन्तुबर, 1982 में वोषित किए जाएंगे। उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्न साक्षारकार के समय प्रस्तुत कराने के लिए तैयार रखने चाहिएं। जो जम्मीद्रवार एस समय धपेक्षित प्रमाण-पत्न मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे अनकी अम्मीदवारी रह कर जाएशी झौर उनका मागे विचार किए जानेका दावा स्ववीकार नहीं होगा।
- टिप्पणी (ii):—श्रावेदन पत्नों के साथ मेजी गई सभी प्रमाण-पत्नों की समिप्रमाणिस/प्रमाणित प्रति पर उम्मीव्वार को हस्ताक्षर करने होंगे सौर तारीख सी देनी होगी।
- (i) से (vi) मद (v) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 मीर 5 क्षीर 6 में विष् गए हैं:--
- (i) (क) निर्धारित मुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पौस्टल धार्वर:---

प्रत्येक पोस्टल झाउँर झनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उत्त पर "स्विष, संघ चीक सेवा झायोग" को नई दिल्ली के प्रधान डाकवर पर देव शिक्षा जाना चाहिए।

किसी सन्य डाकमर पर देय नोस्टन झार्डर किसी भी स्थिति में इसीकार नहीं किए जाएंगे विरूपित या कडे-फटे पोस्टल झार्डर भी स्थीकार नहीं किए जाएंगे। सभी पोस्टल धार्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर भीर जारी करने वाले डाकथर की स्पष्ट मृहर होनी चाहिए।

उम्मीवनारों को प्रवस्त क्वान रखना चाहिए कि को पोस्टल झाईर न तो रेखांकित किए गए हों झौर न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्की जनरल डाकचर परदेय किए गए हों, उन्हें सेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारिस शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ब्राक्ट:--

बैंक क्राफ्ट स्टेट बैंक माफ इंडिया की किसी साखा से लिया जाना पाहिए भीर सिवन, संघ लोक सेवा सायोग को स्टेट बैंक साफ इंडिया मुक्य शाबा, नई विल्ली में देव होना चाहिए तथा विधिवत् रेवांकित होना पाहिए।

किसी प्रान्य बैंक के मान देय किए गए बैंक कृष्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे, विरूपित या कटे-फटे कृष्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

- टिप्पणी: उम्मीदवारों को स्रपने धावेवन-पन्न प्रस्तुत करते समय तैंक द्वापट की पिछली स्रोर सिरे पर स्रपना नाम तथा पता किसाना चाहिन्। पोस्टस साईरों के सामले में उम्मीदवारों को पोस्टल साईर के पिछली स्रोर इस प्रयोजन के लिए निर्वारित स्थान पर स्रपना नाम स्था पक्षा सिकों।
- (ii) प्रायु का प्रमाण पत्त :— प्रायोग जन्म की बह्न तारीक स्वीकार करता है जो मैद्रिकुलेकन या माध्यमिक विश्वालय क्रोक्ने के प्रमाणपत्त या किसी पारकीय विश्वविश्वालय द्वारा मैद्रिकुलेकन के तमकक्ष नाने गए प्रमाणपत्त या किसी विश्वविद्यालय द्वारा प्रमुशक्तित मैद्रिकुलेटों के रिकस्टर मैं वर्ज की गई हो भीर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणिक हों। जो उम्मीदवार उज्यतर माध्यमिक परीक्षा या ससकी समकक्ष परीक्षा स्त्रीणं कर चुका है, वह उज्यतर माध्यमिक परीक्षा या ससकी समकक्ष परीक्षा स्त्रीणं कर चुका है, वह उज्यतर माध्यमिक परीक्षा वा समकक्ष परीक्षा के प्रमाणपत्र की अधिप्रमाणित प्रशाणित प्रति- लिपि प्रस्तुत कर सकता

प्रायु ने संबंध में कोई घत्य वस्ताबेज जैसे जन्मकूंडली, शपयपत नगर निगम से सेवा प्रभिलेख से शाल जन्म संबंधी उद्धरण, तथा प्रन्य ऐसे ड्री प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

प्रभृदेशों के इस भाग में आए हुए "मैड्रिकुश्वेशन/उच्चतर माज्यमिक परीक्षा प्रमाणपक्ष" गाववांस के श्रन्तर्गत उपर्मुक्त वैकरियक प्रमाणपक्ष सम्मिलित

कभी-कभी मैद्रिकुलेशन/उच्चतर नाज्यनिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती या प्रामु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीववारों को मैद्रिकुलेशम/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की प्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि के प्रतिरक्ता उस संस्था के हैं बमास्टर/प्रिसिपन से लिए गए प्रमाणपत्न की एक श्रीलप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिषि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उच्चीच की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के वाक्षिशा रिजटर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीन या नास्ति की प्रमु लिखी होनी चाहिए। उम्मीववारों को वेतामनी दी जानी है कि यदि प्रानेदन पत्न के साथ इन प्रमुवेशों में यथा निर्वारित प्रायु का पूरा प्रमाण नहीं घेजा गया तो प्रानेदन पत्न प्रस्थीकार किया जा सकता है।

टिप्पणो 1--जिस उम्मीदबार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त नाध्यमिक विकालय प्रमाण-पत हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की प्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिधि मेजना वाहिए। टिप्पणी 2 उम्मीदिवार यह ध्यान में रखे कि प्रायोग उम्मीधवार की जम्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि प्रावेदन पक्ष प्रस्कृत करने की नारीख को मीट्रकुलेशन/उच्छतर माध्यमिक वरीका प्रमाण पत्र या समकक्ष के प्रमाणपत्र में दल है धीर इसके बाद इसमें परिवर्तन के किसी अनुगेश पर न ली विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा

टिप्पणी 3-- उम्मीवबार यह भी मोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीका में प्रवेश के लिए अन्य की तारी व एक बार घोषित कर वेने और प्राणीग द्वारा उसे प्रपने प्रभिलेख में वर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीका में परिवर्णन करने की घन्मति नहीं टी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण :--उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पन्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिक्षिप ग्रवश्य मेजनी चाहिये जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निश्चरित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पाम है। भेजा गया प्रमाण-पक्ष उस प्राप्तिकारी (ग्रव्यत् विश्वविद्यालय या किसी भ्रम्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विश्वेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पक्ष की भ्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिषि न भेजी जाए सो उम्मोदवार को उसे न भेजने का कारण भ्रवश्य बताना चाहिए और भ्रपेक्षित योग्यता से संबद्ध भ्रपेन वार्व के, समर्थन में किसी भ्रत्य प्रमाण-पश्च की प्रतिनिषि मेजनी चाहिए भाग कर ताली की समर्थन में किसी भ्रत्य प्रमाण-पश्च की प्रतिनिषि मेजनी चाहिए भाग इस ताश्य वर उसकी गुणवता के भ्राधार पर विचार करेगा। किन्तु वह उसे प्रयोद्ध मानने के लिए बाध्य नहीं होया।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा ग्राप्ती शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत कियी परीक्षा उत्तीर्ण करने से संबक्ष विश्वविद्यालय के प्रमाण-पक्ष की ग्राम्प्राणात/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय प्रमाण-पर्क की ग्राम्प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के ग्रानिर्वत, प्रिमानल विभागात्र्यक्ष से लिए गए इस ग्राम्प्य के प्रमाण पक्ष की एक ग्राम्प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ग्रावश्य भेजती चानिए कि जसने नियम 6 में निर्धारित किसी एक विषय या एक से ग्राधिक विषयों में ग्राहंक परीक्षा स्थीएं की.

मोट: -- यिव कोई खम्मीदवार किसी ऐसे परीक्षा में कैट चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में कैटने का पाठ हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो यह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। को उम्मीदवार इस प्रकार की आवेदन कर सकता है। को उम्मीदवार इस प्रकार की आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे जम्मीदवार अन्य गर्ने पूरी करते हों, तो उन्हें परीक्षा में बैठने विद्या जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी और यदि वे आहें क परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी और यदि वे आहें क परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से अर्था और इस हालत में 30 सितम्बर, 1982 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रह की जा सकती

(iv) कोटो की दो प्रतियां :--उम्मीववार के प्राप्त हाल ही के पासपीट धाकार (लगभग 5 सें क्मी०×7 सें क सी०) के कोटो की दो एक जैसी प्रतियां प्राप्त्रथ कें जभी चाहिए। इतमें से एक प्रति धावेदन-पत्न के पहले पृथ्ट पर और दूसरी प्रति उपस्थित पत्रक में निर्मारित स्थान पर जिप्का देशी चाहिए। कोटो की प्रत्येक प्रति पर उम्भीदवार को सामने की और स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ह्यान ई:--उम्मीवबार को चेताबनी की जाती है कि यदि प्रावेदन पक्ष के साथ उपन पैरा 3(ii), 3 (iii) और 3 (iv) में उम्लिखित प्रमेखों में से कोई एक संस्थान न होगा और उसे न भेजने का उचित स्वब्दीकरण भी नहीं दिया गया होगा नो झानेदन-पत्र श्रम्दीकार किया जाएगा और इस अन्धोकृति के बिस्था कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। 21--416GI/81 4 यदि भोई उम्मोश्तार िं जि सन्सूचित जाति या सन्सूचित जन जाति का होने का दावा करें तो उसे अपने दाये के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माना-िंपता या जीवित याना या पिता) द्याम नीर में रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल राधिकारी या भीचे उन्लिखित किया सम्य अस्कारी से जिसे स्वतः राज्य गरकार ने यह प्रमाण पन्न जारी करने के लिए सक्तम अधिकारी के रूप में एवं नामित किया हो, नोचे विए गए कामें में प्रमाण-पन्न लेकर उसकी एक अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मोदनार ते माता-पिता और रोनों की मृत्यु हो गई हो, तो यह एमाण पन्न उस लिये के प्रधिकारों से लिया जाना चाहिए जहां उम्मोदवार अपनी शिक्षा से चिन्न किसी धाय प्रयोजन से साम शौर पर रहना है।

मारत सरकार के ग्राप्रीन गर्दों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले धनसूचित जाति भीर धनस्चित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तृत किए जाने बाले ध्याण-पट का फार्स : ध्माणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कृमारी*-----गोन/अस्वा =-----जिला/मण्डल = ------संब^क राज्य देख -----के/की के निवासी है ---------- कार्निजनजानि के कि प्रमीत भनस्चित जाति/जन* जाति के ६० में मान्यता दी गई है:--मंतिधान (प्रन्युखित जाति) धादेश, 1950 स्ति⊧ान (श्रनुसूचित अन जानियां) य¦देश 1950[‡] । संविधान (ग्रन्स्नित जातियां) (संय गड्य क्षेत्र), धारेण, 1951*। संविकान (ग्रनुसूचित जन जातिया) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रादेश, 1951* 1

(श्रन्स्चित जातियां श्रीर अनुस्चित जन जातियां स्की (प्राफ्रीधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्कत अधिनियम, 1960, पंजाबी पुनर्गठत अधिन्यम, 1960, पंजाबी पुनर्गठत अधिन्यम, 1966, तिमाचल श्वेश राज्य अधिनियम, 1970, कौर उत्तर पूर्वी क्रेस (पुनर्गठन), अधिनियम, 1971 और अनुस्चित आतियां तथा अनुस्चित जन आतियां आदेश संशोधन अधिनियम, 1976 हारा यथा संशोधित ।

संबिधान (जम्मू भीर काण्डीर) ग्रानुपूचित जातियां, ग्रावेश, 1956। संबिधान (श्रष्टमान भीर निकोबार हीप सम्ह) ग्रानुमूचित जन जातियां श्रावेश, 1959 भीर प्रानुसूचित जातियाँ ग्रीर श्रान्यचित जन जातियां ग्रावेश (संशोधन) श्रीकृतियम, 1976 श्रारा यथा संकोधित ।*

संविधान (बादरा भीर नगर हवेली) धनुसूचित जातिय[†], श्रादेश, 1962[‡] । संविधान (दादरा भीर नगर हवेली) श्रनुसूचित जन जानियां, भादेश

संविद्यान (पांडिकेरी) ब्रनुपुलित जासियां ब्रादेश 1964 ।

1962* 1

संविधान (ग्रन्यूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) भादेश, 1967*
संविधान (गोवा, दमन धौर वियु प्रनुस्चित जातियां) प्राप्तेश 1968*।
संविधान (गोग्रा, दमन धौर वियु) धमुस्चित जन जातियां प्रादेश,

संविधान (नागलैंड) प्रमुप्तित जन जातिया धादेश 1970 ।
संविधान (मिक्किम) प्रमुप्तित जाति प्राटेश, 1978 ।
संविधान (सिक्किम) प्रमुप्तित जन जाति प्राटेश, 1978 ।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी* भौर/या* उनका परिवार भामतौ	र से गांव/कस्बा* :			
जिला/मंबल*	राज्य/			
मध* राज्य क्षत्त	————में रहते∫			
	हस्ताकार			
	(कार्यालय की मोहर सहित)			
स्यान				
तारीय				
राज्य/सं य * राज्य क्षे ल				

*जो सब्द लागृन हों, उन्हें कृपया काट दें।

टिप्पणी: -- यहां प्रयुक्त "ग्राम तौर से रहते/रहती हैं" शब्दों का ग्रर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन ग्राफ दि पोपुल एक्ट, 1950" की श्वारा 20 में है।

**जाति/जनजाति प्रमाण पक्ष जारी भरने के लिए सक्षम भविकारी।

- (1) जिला मैजिन्ट्रेट/ग्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलकटर/क्रिस्टी-कमिण्नर/एडीशनल डिप्टी कमिण्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाउपेंडरी मैजिस्ट्रेट/मिटी मैजिस्ट्रेट/ सब-क्रिबीजनल मैजिस्ट्रेट/ तास्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्य्टिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा श्रसिस्टेंट कमि-क्तर ।
 - ौ (प्रयम श्रेणी के स्टाईपेक्री मैजिस्ट्रेट से कम भ्रोहदे का नहीं)।
- (ii) चीफ प्रेसीवेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीवेंसी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसीवेंसी मैजिस्ट्रेट
- (iii) रेवेन्यु अफसर जिसका घोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-विवीजनल प्रफसर जहां उम्मीदवार धौर/ या उसका परिवार श्राम सौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/विवलपर्नेट प्रफसर, (समझीप)।
- 5. (i) नियम 5 (ख) (ii) या 5 (ख) (iii) के मंतर्गत निर्धारिक्स मायु सीमा में छूट का दावा करने वाले भीर या उक्त नीटिस के
 पैराग्राफ 7 के मधीन शृहक से ६८ का दावा करने वाले १ तपूर्ट पृथीं
 पाकिस्तान (ग्रव वंगला वेग) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित
 प्राधिकारिशें में ते किसी एक के लिए किए प्रमाण-पन्न की मिषप्रमाति/प्रमाणित
 प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व
 पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बंगला वेश) से माया हुमा वास्तविक विस्थापित
 व्यक्ति है भीर 1 जनवरी, 1984 मौर 25 मार्च 1971 के बीच की
 प्रविधि के दौरान प्रज्ञजन कर भारत माया है—
 - (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों झथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत णिथिरों के कैम्प कमांडेंट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला भैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय नियास कर रहा है।
 - (3) ध्रापने-अयने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रधारी ध्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (4) स्थय अभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल झफसर।
 - (5) उन-गरणार्थी पुनर्वास-धायुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुन-र्वास), कलकत्ता ।
- (ii) नियम 5(क) (iv) 5(ख) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का बाबा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुक्क से छूट का दाबा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति की श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त

- के कार्यालय से लिए गए इस माशय के प्रमाणपत्न की एक मिन्नमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो भक्तूबर, 1964, के भारत-श्रीलंका समझौते के भ्रष्टीन 1 नवस्त्रर, 1964 को या उसके बाद भारत भाया है या धाने वाला है!
- (iii) नियम 5(ख) (vi)या 5(ख) (vii) के अंगर्गेत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रस्पावितित भारत मूलक अ्यक्ति को फिलहांल जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैंजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रस्पावितित स्पक्ति और वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं धाया है।
- (iv) नियम 5(ख) (viii) प्रथम 5 (ख) (ix) के अन्तर्गत निर्धा-रिल आयु सीमा में छूट का बाबा करने वाले और/या उक्त नीटिस के पैरायाफ 7 के अधीन गुरूक से छूट का बाबा करने वाले बर्मा से प्रथ्या-वितत मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पित्र्वान प्रमाण-पन्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विश्वाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाव भारत आया है, अधवा उसे जिस अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वर्मा से आया हुआ बास्तविक प्रत्यावितत व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाव भारत आया है।
- (v) नियम 5(ख) (x) ध्यथा 5(ख) (xi) के घन्तर्गत घायु-सीमा में छूट बाहते वाले ऐसे उम्मीदवार को जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुम्रा है महानिदेशक, पुनःस्थापन, रक्षा मंद्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस भागय का एक प्रमाण-पत्न लेकर उसकी एक ध्रमित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी बाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शख् देश के साथ संघर्ष में प्रथवा ध्रमाति-प्रस्त क्षेत्र में फीजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुम्रा धौर परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुम्रा।

_	जम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पक्त का फार्मैः
	प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट के रैंक नं ०
शत् हुए	देश के साथ *संघर्ष/प्रशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलाग ग्रौर उस विकलांगता के परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए ।
	इस्ता ब र
	पदनाम
	G-stor

^कजो मध्य लागून हो उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 5 (ख) (xii) या 5(ख) (xiii) के संतर्गत झायु में छूट बाहुने बाले. कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य द्वेजानिया, टंगानिका झौर जंजीबार से प्रव्रजन कर आए हुए या जाम्बिया, मलाबी, जेरे तथा इथिपोपिया से प्रत्यावित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैंजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-यज की एक अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बास्तव में उपर्युक्त देशों में प्रव्रजन कर भागा है।

ओ भूतपूर्व सैनिक तथा कमीणन प्राप्त अधिकारी (आपासकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) नियम 5(ख) (XIV) अथवा 5(ख) (XV) की शतों के अधीन आयु सीमाओं में छूट का दावा करते हैं उन्हें संबद्ध प्राधिकारियों से निम्नलिखित निर्धारित प्रपत्न में उन पर लायू होने वाले प्रमाण-पत्न की, एक प्रमाणित/अभिप्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।

(क) कार्यमृक्त/सिवानिवृक्त कार्मिकों परलागू

प्रमाणित किया जाता है कि सं०
रैंकनामने,
जिनकी जत्म को तारीख
निर्मा सम्माना सार्थि स्
सना/नौसेना/वायु सेना में सेवा की है और वे निम्नलिखित में से एक शर्त पूरी करते हैं:
(क) उच्होंने पांच या पांच से प्रधिक वर्षो सक सैनिक सेवाकी है
भीर कार्यकाल के समापन पर कवाचार या भ्रक्षमता के कारण
वर्जास्स या कार्ययुक्त होने के ग्रलावा प्रन्य ग्राधार पर कार्यमुक्त
हर हैं।
(ख) वे सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक भ्रपंगता था मक्षमता
के कारणकी कार्यमुक्त हुए हैं।
सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पदनाम
मोष्टर
स् यान :
तारीखः
(स्र) सेवारत/कार्मिकों पर लागू
प्रमाणित किया जाता है कि सं०
र्रक
से सेना/नौसेना/वायुसेना में
सेवा कर रहे हैं।
2. उन्हें है कार्यमुक्त/सेवा निवृत्त होना है ।
उनका पांच वर्ष का कार्यकाल
र्समावना है ।
उनके विरुद्ध कोई धनुशासनात्मक सामला लम्बित नहीं है।
सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पदनाम
मोक्रर :

स्थावः सारीकाः

प्रमाण पत्र जारी करने वाले सक्तम प्राधिकारी निम्नलिखित हैं:----

(क) कमीशन प्राप्त मधिकारियों (झापातकालीन कमीशन प्राप्त/ मधिकारियों/अस्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त मधिकारियों सहित) के मामने में :--

सेना -- कार्मिक सेवा निदेशालय, सेना मुख्यालय, नई दिल्ली । नौसेना -- कार्मिक सेवा निदेशालय, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली । बायु सेना -- कार्मिक सेवा निदेशालय, बायु सेना मुख्यालय, नई दिल्ली ।

(का) मौ सेना तथा बायू सेना के जुनियर कमीशन प्राप्त प्रविकारियों/ धन्य रैंकों तथा समकल प्रधिकारियों के मामले में :---

सेना — विभिन्न रेजिमेंटल रिकार्ड कार्यालयों द्वारा नौसेना — नौसेना रिकार्ड बम्बई । वास सेना — वास सेना रिकार्ड, वई विल्ली ।

6. जो उम्मीववार उत्पर पैरा 5(i), (ii) और (iv) में से किसी भी वैसे संबद्ध है तथा मोटिस के पैरा 7 के अनुसार शृक्क में छूड का दावा करता है, उसकी किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्तित अधिकारी या संसद सबस्य या राज्य विधान मंडल के सवस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शृक्क देने की स्थिति में मही है, इस आशय का एक प्रमाण-पक्क भेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

- 7. जिस व्यक्ति के लिए पालता प्रमाण-पत्न ग्रायश्यक हो उसे ग्रपने लिए ग्राभीक्ट पालता प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रणासनिक सुधार विभाग) को धावेदन करना चाहिए।
- इ. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे श्रावेदन-पत्न भरते समय
 कोई झूठा ब्योरा न दें श्रथवा किसी महत्यपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रथमे द्वारा प्रस्तुन किए गए किसी प्रलेख प्रथचा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उनमें परिवर्तन करें भीर न कोई फैरबदल करें और न ही कोई फेरबदल किए गए/मूटे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या इससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई प्रमृक्ति ध्रथवा विसंगति है तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

- 9. झावेदन-पन्न देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तक स्वीकार नहीं किया जाएगा कि झावेदन-प्रपन्न ही झमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पन्न का भेजा जाना ही स्थत ६स बात का सुचक न होगा कि झावेदन-प्रपन्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात हो गया है।
- 10. प्रायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक प्रावेदन-पन्न जिसमें तेर से प्राप्त प्रावेदन पन्न भी सम्मिलित है की पावती दी जाती है सथा प्रावेदन-पन्न की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीवयार को प्रावेदन पंजी-करण संख्या सूचित कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को जक्त परीक्षा के आवेदन पन्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित पंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे सत्काल प्रायोग से पावती बेसु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीववार को ग्रानेवन पंजीकरण संख्या सूचित कर वी गई। है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि ग्रावेवन पत्न सभी प्रकार पूर्ण है भौर ग्रायोग हारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्न के परिणाभ की सूचना यथाणीय दे वी जाएगी। कि तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्न के परिणाम के बारे में संघ छोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तथकाल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में जिचार किए जाने के दावे से बंचित हो जाएगा।
- 12. जिन पुस्तिकाघों में नियमावली तथा पिछली पांच परीक्षाझों के प्रकानपत्नों का स्थीरा सिम्मिलत होता है, उनकी बिकी प्रकाशन, नियंत्रक सिविल लाइन्स, विल्ली—110054 के धारा की जाती है भीर उन्हें वहां छे भेल आईर तथा नकद मुगतान द्वारा सीछे प्राप्त किया जा गकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" बलाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली—110001 शीर (iii) प्रकाशन शाखा का बिकी कालंटर, उद्योग धवन, नई दिल्ली—110001 शीर (iii) गवर्नमेंट प्राफ इंडिया बुक बिपो, 8, के० एस० राय रोइ, कलकत्ता-700001 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकायें विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।
- 13. प्रावेदन-पत्नों से संबद्ध पक्ष-व्यवहार:—प्रावेदन-पत्नों से संबद्ध सभी पत्न प्रावि सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग, धौलपुर, हाउस, शाहजहाँ रोड़, नई दिल्ली—110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्योरा प्रानिवार्य रूप से दिया जाए:—
 - (i) परीक्षाकानाम
 - (ii) परीक्षाका महीना भीर वर्ष

- (iii) उम्मीदवार का झानेवन पंजीकरण सं० रोल नम्बर झथवा जन्म की नारीख, यदि (मध्येदन 'जीकरण सं०) रील नम्बर, सूचित नहीं किया गया है।
- (iv) उम्मीदवार का माम (पूरा तथा बड़े घक्षरों में)
- (v) भ्रावेदन-पर्जो में विया गया पन्न-ध्यवहार का पता

अयान वें :--(i) जिन पत्नों मादि में यह अयौरा नहीं होगा, संभवतः छन पर अयान नहीं विया जाएगा।

विशेष ज्यान:—(ii) प्रदिकिसी उम्मीदवार से कोई पक्ष/प्रेषण परीक्षा हो

भूकने के आव प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व

प्रान्कमांक नहीं है तो इस पर ज्यान न देते हुए कोई
कार्रवाई नहीं की जाएगी।

14. पत्ने में परिवर्तन:—उम्मीववार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके प्रावेदन-पत्न में उस्लिखित पत्ते पर भेजे गए पत्न भादि प्रावश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्ते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर ग्रायोग को उसकी सूचना उपयंक्त पैरा 13 में उस्लिखित भ्यौरे के साथ, यगाशीझ दी जानी चाहिए। यग्रपि भायोग ऐसे परिवर्तनों पर ज्यान देने का पूरा-पूरा प्रयस्त करता है। किन्तु इस विश्य में यह कोई जिम्मेदारी स्त्रीकार नहीं कर सकता।

सम्बंध-2

इम्मीदवारों के सूचनार्थ विवरणिका,

(क) वस्तुपरक परीक्षण :---

भ्राप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "वन्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (पनीक्षण) में भागको उत्तर लिखने नहीं होंगे। बस्मेक प्रश्न (जिसको भ्रामे प्रश्नाण कहा जाएगा) के लिए कई मुझाए गए उत्तर (जिसको भ्रामे प्रस्युत्तर कहा जाएगा) दिए जात हैं। उनमे भे प्रस्येक प्रश्नाण के लिए भ्रापको एक उत्तर चून लेना है।

इस विश्वरणिका का उद्देश्य भ्रापको इस परीक्षा के बारे में कुरु जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्थरूप से परिचित्तन होने के कारण भ्रापको कोई हानि न हो ।

(सा) परीक्षणकास्यरूपः

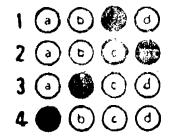
प्रक्रन पक "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3— प्रादि के कम से प्रथनांश होंगे। हर प्रकाश के भीचे ए, की, सी, जी चिक्क के साथ सुकाए गए प्रत्युक्तर लिखे होंग। प्रापका काम एक सही या यदि प्रापको एक से प्रक्षिक प्रत्युक्तर सही लगे तो उनमें से सर्वोक्तम उक्तर का चुनाय करना होगा। (सत में दिए गड्ड नमूने के प्रकाश वेख लें)। असी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रथनांश के लिए प्रापको एक सही प्रस्युक्तर का चुनाव करना होगा। यदि धाप एक से प्रधिक चुन लेते हैं तो प्रापका प्रत्युक्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधिः

. परीक्षा सबन में धापको मलग एक उत्तर पत्रक जिसकी (एक नमूग प्रति धापको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेंजी जाएगी) विया आएगा। धापको प्रपने प्रस्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिक में या उत्तर पत्रक को छोडकर ग्रन्य किसी कागज पुर लिखे गए उत्तर नहीं जीचे जायेंगे।

उत्तर पत्नक में प्रश्नाशों की संख्याए 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने ए बी, सी, ही चिह्न वाले बृत्ताकार स्थान छये होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने भीर यह निशंय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सहाया सर्वोत्तम है यापको उस प्रस्युत्तर के मक्षर बाने बृत्त को पैसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे बीकत कर देना है, जैसा कि (मापका उत्तर दंगनि के लिए)

नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्नक के मृत को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह अस्री है कि :--

- प्रभाशि के उत्तरों के लिए केवल ग्रच्छी किस्स की एच बी० पेंसिल (पैसिसें) ही लाएं ग्रीर उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए प्राप प्रपने साथ एक रबड़ भी साएं।
- 3. उत्तर पक्ष्म का उपगोग करते समय कोई ऐकी ग्रसावधानी न बरतें जिससे वह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट ग्रावि पड़ जाए या वह खराब ही आए।

(भ) कुछ महत्वपूर्व विनियमः

- 1. श्रापको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचत ही अपना स्थान महण करना होगा।
- परीक्षण शुरू होने के 30 मिसट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश महीं विया जाएगा।
- 3. परीक्षा मुक्त होने के बाद 45 मिनट तक किसी की परीक्षा भवन छोड़ने की धनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाध्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पक्षक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को हौंप व । ग्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ने जाने की प्रनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंबन करने पर कड़ा वंड दिया जाएगा।
- 5. भापको उत्तर पत्नक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरता होगा। ग्रापको कुछ विवरण उत्तर-पत्नक पर कृटबद्ध भी करने होंगे। इसके बारे में भापके नाम भनुवेश प्रवेश प्रमाण पत्न के साथ भेजे जाएंगे।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में विए गए सभी श्रमुदेश धापको सावधानी से पढ़ने हैं। इन धनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से प्रापंके संबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पढ़क पर कोई प्रविष्टि संविष्ध है, तो उस प्रधनीय के प्रत्युक्तर के लिए धापको कोई सम्बर नहीं मिक्नेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को धारम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके धनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. आप अपना प्रथेश प्रमाण-पत्र साथ लागें, आपको अपने साथ एक एच० बी० पैंसिल, एक रवंड, एक पैंसिल शापंतर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक एक विकलप थोड़ या हाई बोड़ें या काई बोड़ें भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या प्रमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज विया जाएगा। आप कच्चा काम या शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उसर पक्षक के साथ पर्यनेसक को बापस कर वें।

(ब) विशेष प्रनुवेश

परीक्षा भवन में धपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक धापको उत्तर पत्रक वेंगे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना भर वें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक धापको परीक्षण पुस्तिका वेंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर धाप यह प्रवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संबंधा लिखी हुई है धन्यथा, उसे बदलवा लें। धापको परीक्षण पुस्तिका तब सक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

(च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य भ्रापकी गति को अपेका शुद्धता की जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि भ्राप अपने समय का यद्यासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ भ्राप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। भ्राप सभी प्रक्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिता न करें। भ्रापको को प्रक्न अस्यन्त कठिन माल्म पड़े उन पर समय अर्थ क करें। दूसरे प्रक्नों की भ्रोर बढ़ भीर उन कठिन प्रक्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नांशों के श्रंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। श्रापके द्वारा श्रंकित सही प्रश्युत्तरों की रुख्या के श्राधार पर ही श्रापकी श्रंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए श्रंक नहीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यशिक्षक प्रापको लिखना बंद करने को कहें, ध्राप लिखना बंद कर दें। ग्राप भ्रपने स्थान पर तब तक बैठें रहें जब तक निरीक्षक भ्रापके पास भ्राकर भ्रापसे सभी भावश्यक बस्तुएं ने जाएं भीर भ्रापको हाल छोड़ने की भ्रनुमित दें। भ्रापको परीक्षण-पुस्तिका भीर उत्तर पक्षक तथा कथ्ये कार्य का कार्यज परीक्षा भवन से बाहर ने जाने की भ्रनुमित नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नाट :-- *सर्हा/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्विष्ट करता है)

सामान्य ग्रध्ययन

अहुत अंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा काम से निम्निशिक्षित में से किस कारण से रक्त स्नाथ होता है?

- (a) रफ्त का वाब वायुमंडल के वाब से कम होता है।
- *(b) रक्त का धाव वायुमंडल के दाब से प्रधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकामों की भन्दकनी तथा बाहरी शिखाओं पर वाब समान होता है।
- (d) रक्त का दाब वायुभंडल के दाब के अनुरूप घटता बहुता है।

2. (क्रुडि<u>ष</u>)

ग्ररहर में, फूलों का कड़ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- *(a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छिङ्काव
 - (b) दूर दूर पौधे लगाना
 - (c) सही ऋदु में पौधे लगाना
 - (d) योड़े योड़े कासको पर पौधे लगाना।

(रसायन विकान)

H3VO4 का एनहाबाइड निम्नलिखित में से क्या होता है?

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V_2O_3
- *(d) V₂O₅

4. (मर्थशास्त्र)

अप का एकाधिकारी गोषण निम्निलिक्ति में सेकिस स्थिति में होता :?

- *(a) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजबूरी कम हो।
- (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पाद दीनों बराबर हो।
- (c) मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद से मिकि हो।
- (d) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

(वैद्युत्त इंओनियरी)

एक समाक्ष रेखा को प्रपेक्षित पराजैक्षुतांक 9 के पैराजैक्षुस से स-पूरित किया गया है। यदि C मुक्त घम्तराल में संचरण जेग दर्शाता है
सो लाइन में संचरण का केग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

6· (<u>মু</u>-বিকান)

बेसास्ट में ज्लेजिश्रोक्सेस क्या होता है ?

- (a) श्रालिगोक्नेज
- *(b) लेबोडोराइट
- (c) एल्बा**इ**ट
- (d) एनाधाइठ

7. गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वासा भौर $d^2y = dy = \sigma$ समीकरण $dx^2 = dx$

- को संगत रखने वाला वत्र-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है ?
 - (a) y=ax+b
 - (b) y=ax
 - (c) y=ae +be-x
 - *(d) y=ae —a

8. <u>(</u>मौतिकी)

एक प्रादर्श कष्मा इंजन 400° के और 300° के तापत्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी अमता निम्नलिखित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

9. (सांदियकी)

यदि द्विपद विचर का माध्य 5 है तो इसका प्रशरण निम्नलिखित में से क्या होगा?

- (a) 4^2
- *(b) 3
- (c) ∝
- (d) —5

10. (मृगोल)

श्रमिके विक्षिणी भाग की अस्यिधिक समृश्चिका कारण निम्नलिखित में सेक्या है ?

- (a) यहां पर कानिज साधनों का विपूल मंडार है।
- *(b) वर्मा की ग्राधिकांश नवियों का डेस्टाई भाग है।
 - (c) यहां श्रेष्ठ वन संपदा है।
 - (d) देश के झिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

11. भारतीय इतिहास :

बाह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है?

- (a) बौद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी बाह्यणबाद के अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक थी।
- (b) जाह्यणनाद जहुत श्रिष्ठिक कर्मकांड शीर झाडेंबर से पूर्ण धर्म था।
- *(C) क्राह्मणवाद के भ्रश्युदय के साथ, विल सम्ब्रः टी यज कर्म का महत्वकम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाश्रों को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

12. (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरीश्वरवादी दर्शन समूह कौन-सा है?

- (a) बीदा, न्याय, बार्वाक, मीमांसा
- (b) न्याय, वैशोषक, जैन और बौद्ध, चार्चाक
- (c) मद्रीत, वैदात, सांख्य, चार्वाक थोग
- *(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्चाक

13. (राजनीति विज्ञान)

'वृत्तिगत प्रतिनिधान' का मर्थ निम्नलिखित में से क्या है?

*(a) अ्यवसाय के भाधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।

- (b) किसी समृह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
- (d) श्रमिकों संघों द्वारा अत्रत्यका प्रतिनिधित्य ।

14. (मनोविज्ञान)

लक्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किसी को निर्वेशित करती है?

- (a) लक्ष्य संबंधी भावस्थकता में वृद्धि
- *(b) भाषात्मक भ्रवस्था में न्युनला
- (c) व्यावहारिक ग्रधिगम
- (d) पक्रापात पूर्ण अधियम

15 (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन सी है?

- *(a) ग्राम संरकार में महिलाओं तथा अन्तजीर वर्गों को भौपचारिक मतिनिश्रित्व प्राप्त धुन्ना है।
 - (b) खुमाछूत कम हुई है।
- (c) वंजित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
- (d) जन साधारण में मिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी :---जम्मीववारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नोंग (प्रथन) केवल उदाहरण के लिए दिए गए **हैं सौ**र यह जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यवर्या के झमुसार हो।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

No. A-19021/9/81-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Pande, IPS (1970-Gujarat) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 17th Dec., 1981.

The 26th December 1981

No. PF-Z-4/65-AD.V.—The President is pleased to promote Shri Z. A. Khalidi, Deputy Legal Adviser, CBI as Addl. Legal Adviser, Central Bureau of Investigation with effect from 16-11-81 in a temporary capacity on regular basis until further

No. A-19035/8/80-AD.V.—In partial modification of even number dated 18-11-81, the Director/CBI and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to promote Shri T. Sudersana Rao, Crime Assistant as Office Superintendent/Central Bureau of Investigation on adhoc basis in the leave vacancy from 2-11-1981 to 14-1-1982.

> Q. L. GROVFR, Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE New Delhi, the 22nd December 1981

No. 8-II-1657/81-Estt-L.—The service of Shri D. R. Khurana, Dy. S.P. of C.R.P.F. are placed at the disposal of the Tripura Government on deputation basis with effect from the forenoon of 11-12-81.

The 24th December 1981

No. O-II-1578/81-Estt,-The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Surender Singh as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hac basis with effect from the afternoon of the 2nd Dec. 1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is,

> A. K. SURI Asstt. Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 23rd December 1981

No. 10/28/80-Ad.I.-The President is pleased to appoint S/Shri B. M. L. Jain and Suraj Bhan, Programme Assistant/ Console Operator in the Computor Centre, as Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, on a regular basis, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30th November, 1981, until further orders.

2. The headquarters of S/Shri Jain and Bhan will be at New Delhi.

The 24th December 1981

No. 10/57/79-Ad.I.-In continuation of this office Notification of even number dated the 26th August, 1980, the President is pleased to appoint Wing Commander B. B. Adlakha (5731) as Director (Flectronic Data Processing) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer or deputation, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period upto the 28th February, 1982 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter

The headquarters of Wing Commander Adlakha will be at New Delhi.

The 26th December 1981

No. 11/25/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint by transfer on deputation, Shri M. M. Das. an Officer of the Orissa Administrative Service, and at present working as Assistant Director of Census Operations, Orissa, Bhubaneshwar, on deputation basis, as Deputy Director of Census Operations in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with ellect from the forenoon of the 9th December, 1981 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Das will be at Bhubaneshwar.

No. 11/33/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri U. B. Chaturvedi, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna, as Deputy Director Census Operations in the same office, on a purely temporary and adhoc basis for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 16th September, 1981 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter

- 2. The headquarters of Shri Chaturyedi will be at Ranchi.
- 3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon the official concerned any claim to regular appointment to the post of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations non for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefore,

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 20th December 1981

F. No. BNP/C/5/81.—In continuation of this Office Noti-F. No. BNP/C/5/81.—In continuation of this Office Nou-fication number BNP/C/5/80 dated 30-10-80, the term of appointment of Shri S. C. Gupta as Accounts Officer on de-putation is extended upto 13-10-82 on the same terms and conditions.

> M. V. CHAR General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL MAHARASHTRA I,

Bombay-400020, the 3rd December 1981

Admn.I/Genl/31-vol.III/C.1(1)/7.—The Accountant General, Maharashtra (I), Bombay, is pleased to appoint the following Section Officers (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officers from the date mentioned against their names; until further orders;

Shri M. L. Shirsat, 20-11-81 (F.N.). Shti V. R. Thakur, 23-11-81 (F.N.).

Shri N. V. Lele, 19-11-81 A.N.

R. S. SHARMA Sr. Dy. Accountant General/S.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 21st December 1981

No. AN/1/1174/1/Vol.I.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that Service, until further orders, with effect from the dates shown against their names :

- 1. Shri ARUN CHANDRA PATNAIK, 24-01-80 (FN).
- 2. Smt. NEIL RAMAL NARANG, 17-06-81 (FN).

- 3. Smt. BULBUL GHOSH, 18-07-81 (FN).
- 4. Smt. INDU LIBERHAN, 20-07-81 (FN).
- 5. Shri R. M. S. LIBERHAN, 13-07-81 (FN).
- 6. Shri TARAPADA MANDAL, 03-11-81 (FN).
- 7. Shri PREM SINGH, 20-11-81 (FN).

R. K. MATHUR, Addl. Controller General of Defence Accts. (AN)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 15th December 1981

No. A. 19018/556/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Man Singh Mina, Asstt Official Liquidator (Accounts, Office of Official Liquidator, Bombay, Ministry of Law, Justice and Company Affairs as Director (Gr I) (Export Promotion) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 2nd December, 1981, until further orders

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 21st December 1981

No. 8299B A-19011(3-MSK)/81-19B.—Shri M Sampat Kumar, Senior Technical Assistant (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the afternoon of 2-11-81, until further orders.

> J. SWAMI NATH Director General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 26th December 1981

No. C-5779/594.—The undermentioned Technical Assistants (Selection Grade) are appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (Group 'B' post), Survey of India, on ad-hoc basis, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as stated against each :-

Name

Date of promotion Office to which posted

- 1. Shri Bhagwan Singh 21st September, 1981 (F.N.), No. 103(PZO) Printing Group (M.P. Dtc.), Dehra Dun.
- 2 Shri Dharam Singh 30th September, 1981 (F.N.), No. 105 (DLI) Printing Group (Surair), New Delhi.

G. C. AGARWAL, Brigadier. Surveyor General of India

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER P&T CIVIL DIVISION

Bhubaneswar-751009, the 1st October 1981

FORM X

Notice No. CDB/PF/UKS/I.—Notice of termination of service issued under Rule 5(1) of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965.

In pursuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965, I Shri B. N. Ghosal, Executive Engineer, P&T Civil Division, Bhubaneswaronosai, Executive Engineer, P&T Civil Division, Bhubaneswar-751009, hereby give notice to Shri Uma Kanta Sharma, Beldenr, P&T Civil Sub-Division, Bhubaneswar that his services shall stand terminated with effect from date of expiry of a period of one month from the date or which this notice is served on, or as the case may be tendered to him. Station: BHUBANESWAR.

Dated: 1-10-81

(Sd.) ILLIGIBLE Sigs. Appointing Authority

То

Sree Uma Kanta Sharma. P-4, Shyangjasimal Bhangja, NEPAL.

ACKNOWLEDGEMENT

I hereby acknowledge the receipt on this day of the notice of termination from service.

Signature of the Individual.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th December 1981

No. A. 31013/3/81-D.—The Director General of Health Services is pleased to appoint the undersigned officers in a substantive capacity to the posts of Drugs Inspector (Group "B"—Gazetted) in the Zonal Offices of the Central Drugs Standard Control Organisation shown against each with effect from 22-8-81 :-

- 1. Shri Randair Mandal East Zone (Now on deputation to M.S.O.)
- 2. Shrl M. Venkatcswarlu South Zone.
- 3. Shri B. R. Wadhawan, North Zone.
- 4. Shri S. P. Das. East Zone.
- 5. Shri R. Narayanaswamy, South Zone.
- 6. Shri Inderjit Schgal, North Zone.
- 7. Shri K. C. Sharma, South Zone,
- 8. Shri G. N. Ray, East Zonc.
- 9. Shri P. K. Rastogi, North Zone.
- 10, Shri D. P. Sharma, West Zone.
- 11. Shri A. K. Sinha, West Zone.
- 12. Shri S. D. Vijayaraghavan, North Zone,
- 13. Shri H. G. Gujral, North Zone.
- 14. Shri Sankar Gupta, East Zone.
- 15. Shri Debasish Ray, East Zone.
- 16. Shri Kapil Bhargava, West Zone.
- 17. Shri Alapati Krishna Dev, South Zone.
- 18. Shri Ant Ram Singh, West Zone,
- 19. Shri Samuel Devi Prashad. South Zone.
- 20. Shri P. Seetharamaih. North Zone,

SHIV DAYAL Dy. Director Admn. (Stores) for Director General of Health Services

New Delhi, the 19th December 1981

No. A. 19018/11/80-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Fr. R. P. Pandey to the post of Ayurved Physician in the Central Government Health Scheme, Allahabad on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 23-11-1981.

T. S. RAO Dy. Director Admn. (CGHS.I)

New Delhi, the 22nd December 1981

No. A. 12026/11/80(RMLH) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Kuldip Singh, Head Clerk, Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi to the post of Stores Officer in the same Hospital on an adhoe basis with effect from the forenoon of the 24th November, 1981 and until further orders.

No. A. 31013/6/80(CFL)/Admn.I.—President is pleased to appoint Smt. Protima Sen Gupta to the post of Senior Analyst

\$1 Name

at the Central Food Laboratory, Calcutta in a substantive capacity with effect from the 12th February, 1978.

No. A. 12026/9/81(HQ) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Kumar, Deputy Architect, Directorate General of Health Services to the post of Architect in the same Directorate on a purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of 24th November, 1981 and until further orders.

2. Consequent upon his appointment as Architect, Shri R. C. Kumar relinquished charge of the post of Deputy Architect in the Directorate General of Health Services with effect from 24th November, 1981 (Forenoon).

T. C. JAIN Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF IRRIGATION

OFFICE OF THE GENERAL MANAGER FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka, the 19th November 1981

No. E/P-140/1373(8).—Sri H. K. Bandyopdhyay officiating Executive Engineer (Electrical) of the Farakka Barrage Project, Ministry of Irrigation is hereby appointed substantively in the Grade of Assistant Engineer (Flectrical) in the Central Service Group 'B' with effect from 19-11-81.

R. V. RANTHIDEVAN General Manager Farakka Barrage Project.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

Bombay-400 085, the 21st December 1981

No. P-149/Estt.II/2126.—Shri Janardan Shivram Patwardhan, a permanent Assistant Accounts Officer in this Research Centre voluntarily retired from Government service under Rule 48(A) of CCS (Pension) Rules 1972 on the afternoon of 31-8-1981.

KUM. H. B. VIJAYAKAR Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 18th December 1981

No. NFC.PAR.0704.6297.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri S. S. Chibber, Permanent Assistant Security Officer to officiate as Security Officer, on ad-loc basis in Nuclear Fuel Complex, from 26-4-81 to 27-5-81 against leave vacancy.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 21st December 1981

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Gajender Singh Yadav as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of November 17, 1981 until further orders.

The 22nd December 1981

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri S. V. Satyanarayana Reddy as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of December 22, 1981 until further orders.

The 26th December 1981

No. AMD-2/3127/81.Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy is pleased to accept 22—416GI|81

the resignation of Shri P. Prasada Rao, Scientific Officer/SB. Shri Prasada Rao relinquished charge of the post with effect from the afternoon of 14-12-1981.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110066, the 22nd December 1981

No. A.32015/1/81-E.I.—In continuation of this Office Notification No. A.32015/1/81-E.I. dated the 11th March, 1981, the President is pleased to sanction the continued adhoc appointment of Sh. V. N. Kapur, to the post of Deputy Director General, Civil Aviation Department, for a further period of six months from 13-7-81 and upto 12-1-1982.

No. A.32013/2/81-E.I.—In continuation of this Office Notification No. 32013/2/81-E.I. dated the 24th June, 1981 the President is pleased to sanction the continued ad hoc appointment of Sh. R. V. Ranadive, to the post of Deputy Director General, Civil Aviation Department for a further period of 45 days from 1-10-81 and upto 14-11-81.

S. GUPTA

Deputy Director of Administration, for Director General of Civil Aviation.

Present Stn. Stn to which Date of:

New Delhi, the 19th December, 1981

No. A. 32013/5/81-EC -The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers in the Civil Aviation Department to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the date(s) indicated against each and to post them to the stations indicated against each:—

No.	of posting		taking over charge
S/Shri			
1. K.V. Vasúdevan	. Nagpur	Nagpur	1-12-81 (FN)
2. R.R. Joshi .	. Bombay	Bombay	30-11-81 (FN)
3. C. L. Khera .	Delhi	Delhi	30-11-81 (FN)
4. G. S. Vedi	Delhi	Delhi	30-11-81 (FN)
5. P. S. Raju	Bombay	Bombay	30-11-81 (FN)
6. K. K. Sidharthan	Bombay	Bombay	30-1 1- 81 (FN)
7. P; K. Nair	Bombay	Bombay	30-11-81 (FN)
8. M.V.K. Murthy .	Bombay	Bombay	30-11-81 (FN)
9. P.N. Subbiah	. Bombay	Bombay	30-11-81 (FN)
0. N.S. Paul .	Delhi	Delhi	30-11-81 (FN)
1. P. Ramdoss .	Delhi*	Delhi	30-11-81 (F _N)
2. M. K. Desai	Bombay	Bombay	30-11-81 (FN)
13. Ramji Singh	Varanasi	Varanasi	5-12-81 (FN)

PREM CHAND Assistant Director (Admn.)

imn.)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of "M/s.

South Arcot Electricals and Ceramics Private Limited'.

Pondicherry-605 001, the 21st December 1981

No. C. No. 89/560(3)/81.—Notice is hereby given pursuant Sub-section (3) of Section 560 of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company "M/s. South Arcot Electricals and Ceramics Private Limited", unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said Company will be dissolved.

B. KOTESWARA RAO, Registrat of Companies, Pondicherty. In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s.

Mun log Housing Private Ltd.

Bangalore, the 21st December 1981

No. 3640/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Man Jog Housing Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be stuck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI, Registrar of Companies.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s.
Rajeshwari Chit Fund Private Limited

Madras-600 006, the 23rd December 1981

No. 6199/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Rajeshwari Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLIGIBLE Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th December 1981

Ref. No. ASR/81-82/309.——Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property at Batala Road, Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Krishna Dyc Sataf Corporation Batala Road, (Kashmir Road) Amritsar through Shri Madan Lal, Vijay Kumar ss/o Shri Jagan Nath & Smt. Sheelawati w/o Shri Moti Lal R/o Tunda Talab, Amritsar.

(Transferors)

(2) M/s. Tip Top Drycleaners & Dyers, Katra Sher Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of '45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propert, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One built up house Khasra No. 982/566/2 (area 800 sq. yds.) situated on Batala Road near Shiv Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 482 dated 8-4-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th December 1981

Ref. No. SR/81-82/303.--Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in Green Avenue, Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April 1981

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Chairman improvement Trust, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Pal s/o Ram Chand and Ghanisham Dass s/o Shri Munshi Ram R/o Plot No. 106 Green Avenue, Amritsar

(Transferees)

(3) As at Sr. No. overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One plot of land No. 106 measuring 774 sq. yds. situated in Green Avenue Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 187 dated 3-4-81 Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-12-1981 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th December 1981

Rcf. No. ASR/81-82/304.—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot in Green Avenue, Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20-396GI/81

 Chairman Improvement Trust, Amritsar.

(2) Smt. Inder Mohni w/o Shri Parshotam Dass R/o 28-Green Avenue,

Amritsar .

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 28 measuring 590 sq. yds. situated in Green Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 422 dated 7-4-81 of the Registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ataritsar

Date : 9-12-1981

FORM I.T.N.S.-

NOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th December 1981

Ref. No. ASR/81-82/305.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot on Circular Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt, Kamla Wati w/o Shri Mohan Lal Chopra R/o Charusti Attari, Kucha Ardasian, Amritsar

(Transferor)

(2) Shri Kunj Bihari s/o Shri Dawarka Dass R/o Majitha Road, Amritsar

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share in plot measuring 601 sq. yds. situated on Circular Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1299 dated 21-4-81 of the registering authority, Amritsar,

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-12-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th December 1981

Ref. No. ASR/81-82/306.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Sultanwind situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belie/e that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- Suriti alias Surta Singh s/o Wadbawa Singh R/o Sultanwind Tehsil Amritsar.
- (Transferor)
 (2) S/Shri Gopal Dass, Hari Om, Padma Kishore,
 Vijay Kumar, Sunil Kumar ss/o Shri Thakur Dass,
 R/o 8-A Katra Sher Singh,
 Amritsar
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
- (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property (area 834 sq. mtrs.) situated in Sultanwind Sub-urban, Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 745 dated 10-4-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th December 1981

Ref. No. ASR/81-82/307.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property on G.T. Road, Jullundur situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Surti alias Surta Singh s/o S, Wadhawa Singh R/o Sultanwind Tehsil Amritsar.
- (2) S/Shri Gopal Dass, Hari Om, Padam Kumar, Vijay Kumar, Sunil Kumar ss/o Shri Thakur Dass, R/o 8-A Katra Sher Singh, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property (area 834 sq. mtrs) situated in Sultanwind Suburban Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No, 744 dated 10-4-81 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1962)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th December 1931

Ref. No. ASR/81-82/308.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One house on Ferozedin Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at

SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—416GI/81

(1) Shri Dharam Pal Puri s/o Shri Brit Lal Puri R/o Bazar Chowk Farid Gali Chhaju Missar, Amritsar

(Transferor)

(2) Shri Bhim Sen s/o Shri Chhaju Ram, R/o Katra Mohai Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 2/13 Min new No. 77/13-2 situated in Faroidin Road, near Indra Palace Cinema, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1655 dated 24-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated: 9-12-1981,

FOM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq./1108.—Whereas, I, M. I. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nohra situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Pali on 25-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Manakmal S/o Shri Bherumal Mehta & Shri Vimalchand S/o Shri Kanakraj Oswal, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Basant Raj S/o Shri Sukhanraj li Oswal, Smt. Ukhi Bai W/o Shri Jawan Mal, Shri Anil Kumar S/o Shri Bhanwarlal of Pali (Raj.) & Smt. Shanti Devi W/o Shri Hukam Raj, Jodhpur.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Nohra situated near Pali Bus stand, Pali and more fully described in the sale deed registered by S.R., Pali vide No. 30 dated 25-4-1981.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 14-12-1981

Seat :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq./1109.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Part of

Nohra situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pali on 25-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manakmal S/o Shri Bherumal Mehta Oswal & Shri Vimalchand S/o Shri Kanakraj Oswal, R/o Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Sampatraj S/o Shri Anraj, Shri Kewalchand S/o Shri Jawahar Mal, Shri Sunil Kumar S/o Shri Bhanwarlal & Shri Manakmal S/o Shri Sukanraj Oswal R/o Pali

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Nohra situated near Pali Bus stand, Pali and more fully described in the sale deed registered by S.R., Pali vide No. 30 dated 25-4-1981.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-12-1981

Scal:

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq/1107.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 242 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 13-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gyan Singh
 S/o Shri Devllal Ji Kothari,
 Bada Bazar, Udalpur.

(Transferor)

 Choudhari Tota Ram, S/o Shri Lunida Ram, R/o Hiran Nagari, Section No. 4, Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 242, Sector No. 4, Hiran Magari, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide No. 833 dated 13-4-1981.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-12-1981

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq/1105.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

riot No. 233 situated at Udaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 29-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishna Chandra Sìngh S/o Saunrath Singh, Saruparia, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Pratap Singh S/o Shri Soshag Singh Mehta, Moti Chohta, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 233, Moti Magari, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 937 dated 29-4-1981.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 14-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1981

Ref. No. G.L.R. No. R-165/Acq.--Whereas, I, VINOD **LUMAR**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 339 situated at Village-Saleh Nagar Nawadia, Bureilly (and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred, under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 21-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to which that the fair market value of the property as aforesaid exce do the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afgresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the swift Act, to the following persons, namely :--

S/Shri

- 1. Gur Prect Singh 2. Hari Inder Singh (1) 1.
 - 3. Prectam Singh
 - Jugender Singh
 Charanject Singh & 6. Smt. Kiran Bakshi

(Transferor)

.S/Shri

- 1. Rajeev Kumar Agarwal
- Aject Kumar Agarwal
 Lalla Kalloo Mal Aggarwal &

4. Smt. Sarla Agarwal

(Transferec)

(3) Above Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5975 sq. yards out of plot of land bearing No. 339 measuring 6658 sq. yards and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 2709 and the sale detd, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 21-4-1981.

VINOD KUMAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 4-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1981

Ref. No. G.R. No. S-225/Acq.—Whereas. I, VINOD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 126/179 situated at Mohalla Kancongoyan Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 27-4-1981

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S/Shti

- 1. Virendia Kumar Bartariya
- Jitendra Kumar Bartuiya
 Krishna Kumar Bomariya
- 4. Smt. Sheshi Kiton 5. Smi Kalaveri

(Transferor)

(2) Shri Shyam Surder Kakkac

(Transferce)

(3) Shii Shyam Sunder Kakkar

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

three storeyed house No. 126/179 including building and land situate at Mohalla-Qanoongoyan, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 3225, which have duly been registered at the Office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 27-4-1981.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-12-1981

Sepl:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 60/81-82 Kakinada Squad. - Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

RS. No. 515/2 & 525/2 situated at Gollapudi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Sri Vadlamudi Ramamohanarao, S/o Sri Janayya, Gollapudi,

(Transferoi)

(2) Sri Kothuri Srirama Murthy
President,
Sri Rama Co-operative Building Society Ltd.,
Durga Agraharam, Eluru Road,
Vijayawada-520002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring 1-17 cents in R.S. No. 515/2 and 525/2 Gollapudi Village was registered with the SRO, Vijaywada during the month of April, 1981 vide document No. 2710/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge,
Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 61/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GCVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS. No. 515/2 & 525/2 situated at Gollapudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1947);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:

24--416GI/81

Sri Vadlamudi Janayya,
 S/o Bhimayya,
 Gollapudi Village.

(Transferor)

(2) Sri Kothuri Srirama Murthy President, Sri Rama Co-operative Building Society Ltd., Durga Agraharam, Vijayawada-520002.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring 1-17 cents in R.S. No. 515/2 and 525/2 in Gollapudi Village was registered with the SRO, Vijayawada during the month of April, 1981 vide document No. 2711/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Rcf. No. RAC No. 62/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

RS. No. 515/2 & 525/2 situated at Gollapudi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Vadlamudi Bojjeswara Rao, S/o Janaiah, Gollapudi Villuge.

(Transferor)

(2) Sri Kothuri Srirama Murthy President, Sri Rama Co-operative Building Society Ltd., Durga Agraharam, Vijayawada-520002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring Ac 1-17 in R.S. No. 515/2 and 525/2 in Gollapudi Village was registered with SRO, Vijayawada during the month of April, 1981 vide document No. 2712/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 63/81-82 Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority, under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS. No. 515/2 & 525/2 situated at Gollapudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April, 1981

for an apparent consideration which less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee far the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smr. Vadłamudi Akilandamma, W/o Sivarao, Gollapudi Village.

(Transferor)

(2) Sri Kothuri Sri Ramma Murthy, President, Sri Rama Co-operative Building Society Ltd., Durga Agraharam, Vijayawada-50002.
(Transferee)

(Indistrict)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring AC-1.22 cents in R.S. No. 515/2 and 525/2 in Gollapudi Village was registered with the SRO, Vijayawada during the month of April, 1981 vide document No. 2710/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Kakinada Squad, the 8th December 1981 Ref. No. RAC No. 64/81-82.—Whereas, 1,

S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing
No. RS No. 515/2 & 525/2 Gollapudi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

- (1) Sri Vadlamudi Durga Rama Krishna Prasad, S/o Seetharama Swamy, Gollapudi. (Transferor)
- (2) Sri Kothuri Sri Rama Murthy, Presdient— Sri Rama Co-operative Bldg. Society Ltd., Durga Agraharam, Vijayawada-520 002.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring Ac. 1-17 cents in R. N. No. 515/2 and 525/2 in Gollapudi Village was registered with the SRO, Vijayawada during the month of April, 1981 vide document No. 2747/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.).

Dated: 8-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 65/81-82 Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 515/2 & 525/2 situated at Gollapudi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Vadlamudi Vijaya Kumar, S/o Janaiah, Gollapudi Village.

(Transferor)

(2) Sri Kothuri Sri Ramma Murthy, President, Sri Rama Co-operative Building Society Ltd., Durga Agraharam, Vijayawada-520002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interest in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring Ac. 1-17 in R.S. No. 515/2 and 525/2 in Gollapudi Village was registered with the SRO, Vijay-awada during the month of April, 1981 vide document No. 2748/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 66/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS. No. 515/2 & 525/2 situated at Gollapudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Vadlamudi Ramachendra Prasad, S/o Seetharama Swamy, Gollapudi Village.

(Transferor)

(2) Sri Kothuri Srirama Murthy
President,
Sri Rama Co-operative Building Society Ltd.,
Durga Agraharam,
Vijayawada-520002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring Ac. 1-17 in R.S. No. 515/2 and 525/2 in Gollapudi VPlage was registered with the SRO, Vijayawada during the month of April, 1981 vide document No. 2749/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 67/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, J. S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

RS. No. 525/B situated at Gollapudi

transfer with the object of-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Chigurupati Vasundara Devi, W/o Venkateswara Rao, Gollapudi.

(Transferor)

(2) Sri Kothuri Stiranta Murthy President, Sri Rama Co-operative Building Society Ltd., Durga Agraharam, Vijayawada-520002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring Ac. 1-20 cents in R. S. No. 525/B in Gollapudi Village was registered with the SRO, Vijayawada during the month of April, 1981 vide document No. 2703/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 15th December 1981

Ref. No. AR-1/4556/6/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VERMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.S. No. 1456, Girgaum Division situated at Khotachi Wadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 24-4-1981 document No. Bom 272/80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) Shri Bhalchandra N. Gokhalo

(Transferor)

(2) Shri Sudhir L. Hendere.

(Transferee)

(3) Shri Bhalchandra N. Gokhale (Person in occupation of the property)

(4) 1. Vallabhdas P. Lakhani

Subhas V. Malandkar The Oriental Cloth Stores (Shop) Godown.

4. Dwarkadas Sundardas (Shop)
5. Central Gramophone House (Shop)

G. L. Kelkar FIRST FLOOR Kantilal M. Kanani Hanamand G. Kulkarni Dinsha J. Khan

Room/Trust/Balcony Krishnadas R. Chonkar

(Tenants) 12. Old Portion/two rooms.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dute of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 2721/80 and as registered on 24-4-1981 with the sub-registrar of Bombay.

> SUDHAKAR VERMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,-I, Bombay

Date: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Victor Ramakrishna No. 260, Domlur Extension, Hnd Phase, Bangalore.

(Transferor)

(2) (a) Dr. M. Abraham,(b) Sri Roy Abraham,No. 30, 13th Cross, Wilson Garden,Bangalore.

(Transferces)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 9th December 1981

C.R. No. 62/30652/81-82/ACQ-B.--Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

of Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 260 situated at Domlur Hnd Phase Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Shivajinagar, Bangalore Doc. No.447/81-82 on the 8th May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 447/81-82 dated 8-5-1981)
Premises bearing No. 260, at Domlur Hud phase Extension Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-12-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—416GI/81

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 5th December 1981

Ref. No. 24/April/81.—Whereas, I. R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 43/3, Govinda, situated at Agraharam, Hosur Tk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hosur (Doc. 1430/81) on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Subbarama Reddy, S/o Venkataramana Reddy. Zuzuvadi, Hosur.

(Transferor)

 V. Amirthalingam S/o Venkatappa S/o Kaleeswaran
 N. K. Thiruvarasu, Anjaneyapuram Mookundapalli, Hosur Tk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 43/3, Govindagraharam, Hosur Tk. (Doc. 1430/81)

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 5-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TÁX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IID FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 5th December 1981

Ref. No. 24/April/81.-Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing S. No. 43/4 and 44/1, situated at Govinda Agraharam,

S. No. 4 Hosur Tk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Hosur (Doc. 1431/81) on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Muniswamy Reddy S/o Venkataramana Reddy Muni Reddy S/o Muniswamy Reddy, Zuzuvadi.

(Transferor)

(2) V. Amirthalingam S/o Venkatappa N. K. Thiurvarasu S/o Kaleeswaran Anjaneyapuram, Kookunolaballi Hosur Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 43/4 and 44/1, Govinda Agraharam Hosur (Doc. 1431/81)

> R. RAVICHANDRAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L Madras-6.

Date: 5-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 5th December 1981

Ref. No. 24/April/81.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 42/4, situated at Govinda Agraharam Village, Hozur Tq

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Rgistration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hozur (Doc. 1591/81) on April 1981

for an apparent consdieration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

- transfer with the object of :-
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chinnappa \$/o Yarraboydu Ottarapalayam, Govinda Agraharam Hozur Tk.

(Transferor)

(2) V. Amirthalingam S/o Venkatappa N. K. Thuruvarasu S/o Kaleeswaran Anjaneyapuram, Mookundaballi Hozur Tq.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 42/4, Govinda Agraharam, Hozur Tq. (Doc. 1591/81)

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 5-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd December 1981

Ref. No. F. 16431.—Whereas, I, RADHA BALAKRISH-NAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 168/30 situated at Pathipulam, Chinglepet (Doc. 1809/81)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North on April 1981

Madras North on April 1981
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said 'Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S. S. Velayutha Nadar,
 S. S. Thirupathi Nadar,
 Vadakku Madha St., Thiruvothiyur,
 Madras-19.
- (2) Mrs. Sonia M. Poorswami 4/2, Ali Askar Road, Bangalore-560 052. Sathynarayana, 8, II Cross St., West CIT Nagar, Madrus-600 035.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. No. 168/30, Pathipulam, Chingleput Dt. (Doc. 1809/81)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date: 3-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd December 1981

Ref. No. F. 16389.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 17 situated at Sundararajan St., Madras-18 (Doc. 877/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons namely:—

- V. C. R. Kamalam, V. R. Jaganathan V. R. Gnanasivam, A6, Kilpauk Garden Colony, Madras-10.
- Vasant Mangesh Shanbhag,
 28, III St., Nandanam Colony,
 Madras-35.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 17, Sundararajan St., Abhiramapuram, Madras-18.
(Doc. 877/81)

RADHA BALAKRISHNAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-2,

Madras-6.

Date: 3-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1981

Ref. No. F. 11376.—Whereas, I, RADHA BALAKRISH-NAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. 156, situated at 150/1, 157/1, Madhuvarayapuram (Doc. 1874/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, '1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bayyammal, Vanithamani, Chinnaswamy, Saroja, Perumalraj, Madhuvarayapuram.

(Transferor)

 R. Badrinath, R. Lakshminarayanan R. Madhuralal, S/o Ramprasadh Lala, Angalamman Koil St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS. No. 156, 150/1, 157/1, Madhuvarayapuram, Coimbatore.
(Doc. 1874/81)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date: 7-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1981

Ref. No. F. 9337.—Whereas, I, RADHA BALAKRISH-NAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, situated at Ellamman Koil St., Pondicherry (Doc. 837/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Pondy on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pardes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Thooykol Izak Thooykol Elisa Flora, 14, Mondare Keeyer St., Pondicherry.

(2) Kalai Selvi w/o V. Narayanaswamy, Pooranankuppam, Ariyankuppam. Pondicherry-7.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 9, Ellamman Koil St., Pondicherry. (Doc. 837/81)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date: 7-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1981

Ref. No. F. 9337.—Whereas, I, RADHA BALAKRISH-NAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9 situated at Ellamman Koil St., Pondicherry (Doc. 836/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pondy on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—416GI/81

 Thooykol Izak, Thooykol Elisa Flora,
 Mondare Keeyer St., Pondicherry.

(Transferor)

(2) V. Narayanaswamy s/o Velu Pooranankuppam, Ariyankuppam, Pondicherry-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 9, Ellamman Koil St., Pondicherry, (Doc. 836/81)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range2,
Madras-6.

Date: 7-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Savithri

Trichy.

(Transferor)

(2) N. Bhaskaran, 17, Nadhi Koil St., Teppakulam Trichy.

B-26, Second Cross Thillai Nagar,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6 Madras-6, the 7th December 1981

Ref. No. F. 9450.-Whereas, I, RADHA BALAKRISH-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. T. 85, situated at 86/1, 87/2 and 87/3, Trichy.
(Doc. 877/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Woraiyur on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 85, 86/1, 86/2, 87/2 and 87/3, Trichy. (Doc. 877/81)

> RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 7-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-2,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6
Madras-6, the 7th December 1981

Ref. No. F. 9349.--Whereas, I, RADHA BALAKRISH-NAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16/1A, situated at Krishnaswamy St., Erode-(Doc. 1633/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sivagami, 4, Kothukara Nall St., Erode.
- (2) S. Joseph, 62, Municipal Colony, Erode.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

TUE SCHEDULE

Land and building at 16/1A, Krishnaswamy St., Erode: (Doc. 1633/81)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date: 7-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1981

Ref. No. F. 9360.-Whereas, I, RADHA BALAKRISH-NAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No.168/7, 168/8, 168/10, situated at Lakshathoppu

Tanjore (Doc. 1360/81) (and morefully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tanjore on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Govindarajulu Naidu s/o Late Veeraraghavalu Naidu 1824, South St., Palli Agraharam, Tanjore.
- (2) N. Kalaiarasai Natarajan, w/o Natarajan Karkoil Vailkalathur, Mannorgudi Tk.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 168/7, 168/8, 168/10, Laksha Thoppu, Nilagiri South Garden Tanjore. (Doc. 1360/81)

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-2, Madras-6

Date: 7-12-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) K. Balasubramaniam S/o Krishnaswamy Iyer, Venkatanagar, Pondy-11.

(Transferor)

 P. Berthiran Soundirarajan S/o Pattu Naicker, Thengai Thittu Pondy-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1981

Ref. No. F.9363.—Whereas, f. RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 81 situated at Venkata Nagar, Pondicherry (Doc. 433/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the o flice of the Registering Officer at Ozhukarai on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 81, Venkata Nagar, Pondicherry, (Doc. 433/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6

Date: 7-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE-2.

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6 Madras-6, the 7th December 1981

Ref. No. F.9362.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/A situated at Venkata Nagar, Saram, Pondy. (Doc. 488/81)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ozhukaraj on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) D. Sivamathy 23, Sellayar, Ozhukarai Pondy.

(Transferor)

(2) Champalal Jain, 153D, Bharathi St., Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at (Old 3/A), 121, Venkatanagar, Pondy. (Doc. 488/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6

Date: 7-12-1981

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1981

Ref. No. F.9338.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 23 situated at Rue Lally Tollendal Pondicherry-1 (Doc. 745/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondy on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Arokiaswamy Marissouce Andoniammale Gerrand Maral Denis Gnana Gnana Guy Martial Desire Gina Edmonde Flora Gnana 23, Lally Tollendal St., Pony

(Transferor)

(2) Kanchalal Maganlal Jhaveri Ishwarlal Vadilal Rami Pushpa Housing Colony, Jawahar Nehru Road, Santa Cruz (East) Bombay-55.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 23, Rue Lally Tollendal Pondicherry-1 (Doc. 745/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6

Date: 7-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1981

Ref. No. F.9339.- Whereas, I, RADHA BAI AKRISFINAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11 situated at Ramakrishna Nagar Pondicherry (Doc. 720/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pondy, on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 D. Seetharamaiyer (Alias) V. Sitaraman S. Kuppuswamy Chouldry Mahatma Gandhi Road, Pondicherry-605 003.

(Transferor)

(2) Guiry Ekanad 126, Mahatma Gandhi Road, Muthialpet Pondicherry-605 003.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11, Ramakrishna Nagar, Pondicherry (Doc. 720/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 7-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1981

Ref. No. F.9353.—Whereas, I, RADHA BALA-KRISHNAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 19 situated at Mahadhana St., Mayuram (Doc. 320/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayuram on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—416GI[8]

 P. Neela, 40/1, Dharampuram Road, Lalbahadur Nagar, Mayuram.

(Transferor)

 Rashiya Begam W/o Haroon Rashid, 4/57-H Rice Mill St., Nidur, Mayuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 19, Mahadhana St., Mayuram. (Doc. 320/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 7-12-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1981

Ref. No. F.11431.—Whereas, I, RADHA BALA-KRISHNAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10 situated at Chatram St., Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Pollachi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. Girija Bai,
 Arasamara Vinayakar Koil St.,
 Salem.

(Transferor)

 Minor Balavijaya Sarangapani by Guardian P. S. Ramachandran 32, Bazaar, St., Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10, Chatram Şt., Pollachi, (Doc. 1486/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 7-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd December 1981

Ref. No. F. 16429.—Whereus, I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing S. No. 115/75, 115/76, 115/77, 115/78 and 115/79 situated at Madaripakkam Gummudipoondi Tk

(Doc. 1598/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Madras North on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesand property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) B. Muniswamy Naidu 6, Apparaswamy Koil St., Madras-19.

(Transferor)

(2) Shri Devi Theatres,3, Appuswamy Pillai Garden Road,Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building at S_i No. 115/75 to 79, Madaripakkam, Gummudipoondi.

(Doc. 1598/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 3-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1981

Ref. No. 11403.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, 10, 10A situated at Snow Don Marlimund Road, Ooty (Doc. 725/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. Nithyanandha Menon, Lecturer, Sri Sathya Sai Arts and Commerce College, Prashanthi Nilayam AP

(Transferor)

(2) J. S. Kesari, S/o J. Soundararaj Kesari Prospect Lodge, Ootacamund...

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 9, 10, 10A Vadacherry House, Snow Don Marlimund Road, Ooty. (Doc. 725/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2. Madras-6,

Date: 7-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd December 1981

Ref. No. F. 16424.—Whereas, I, RADHABALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16 situated at Gopalakrishna Iyer St., Madras-17. (Doc. 1258/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at T. Nagar on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Adam N. Absus Salam Rep. by D. P. K. Salahudeen 150, Abdul Rahman Road, Koothanallur Tanjore Dt.

(Transferor)

(2) Meera Mydeen North Street Tirupalakudi, Ramanathapuram Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 16, Gopalakrishna fyer St., Madras 17.
(Doc 1258/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 3-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME:TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras, the 5th December 1981

Ref. No. 106/April/81.—Whereas, I, R. RAVI-CHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 34, Victoria Crescent Road, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc 449/81) on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) feeilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Hasan Khalilian
 Hosein Khalilian
 Robab Khalilian By Power of Attorney
 M. Kazim Khaleeli
 13, College Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Frankpet Fernandez M. Stanley Gonsalvez Mrs. Kate Fernandez Mrs. Valentary Gonsalvez 4, Whites Road, Madras-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 34, Victoria Crescent Road, Madras-8. (Doc. 449/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 5-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1981

Ref. No. F. 16309.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 46 situated at Ramanujam St., Madras (Doc 1007/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) C. R. Singanna, C. S. Ramakrishnan, C. R. Ramamohan, C. R. Narasimha Raghavan, C. R. Kaustubham, Venkatanath, C. R. Panchajanyam, Lakshinarasimhan, Krishna Mohan Srinivasan, C/o C. R. Singanna, Accountant Indian Bank Main Branch, Guntur, AP

Smt. Shanmugathammal,
 Main Road, Zackriah Colony,
 Madras-24.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 46, Ramanujam St., Madras-17, (Doc. 1007/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2, Madras-6,

Date: 14-12-1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras,-6, the 14th December 1981

Ref. No. F. 16456.--Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. RS 1408 1409]1, 1409]3, 1410]7, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

S. Pushpavalli, S. K. Raja, S. K. Sampath S. Krishnamachari, R. Sundarachari, A. Parthasarathy 19, Judge Jumbulinga Mudaliar Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) R. Raghuraman, R. Padmini, R. Padmanabhan,
 R. Rajagopal, R. Thirumalai,
 4, Parthasarathy Gardens Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latar:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at RS No. 1408, 1409/1, 1409/3 1410/ Mount Road, Madras. (Doc. 1454/81).

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 14-12-1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Dharmambal TS Dorairaj
 4th St., Abiramapuram, Madras-18.

(Transferor)

 V. Sundara
 24, Besant Road, Royapettah Madras-14.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras,-6, the 14th December 1981

Ref. No. F. 16496.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 24 situated at Besant Road, Madras-14 (Doc. 1581/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras North on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 24, Besant Road, Royapatettah Madras-14.
(Doc. 1581/81)

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28-416GI/81

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 14th December 1981

Ref. No. III-525/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal Plot No. 733; sheet No. 32, Part of holding No. 202, Circle No. 9, Ward No. 2, (old) 10 (new) situated at Exhibition Road, also known as Brij Kishore Path, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patna on 29-4-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

- (1) 1. Smt. Nirmala Devi, W/o Late Akshay Kumar Bhattacharjee, Resident of Exhibition Road, P.S. Kotwali, Distt. Patna, through her constituted Attoney Smt. Bani Banerjee, W/o Sri Amarendra Nath Banerjee, R/o Exhibition Road, P. S. Kotwali Distt. Patna acting under a General Power of Attorney executed on 12-3-1981 and registered on 14-3-1981 2. Smt. Bani Banerjee, W/o Sri Amrendra Nath Banerjee, R/o Exhibition Road, P.S. Kotwali, Kotwali, Distt. Patna. (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Devi, W/o Late Ram Chandra Pd. Vaish, R/o Bakerganj, Gola Road, P.S. Pirbahore, Distt. Patna.

(Transferee)

(3) 1. Sri S. K. Sen, Gupta for residential purposes in the south portion of ground floor. 2. M/s Road Transport Corporation for office purpurposes in ground floor. 3. Sri B. S. Jain on the upper floor for residential purpose. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring about 1 katha 17½ dhurs equivalent to 2552.87 sq. ft, with double storeyed house situated at Exhibition Road also known as Brij Kishore Path, Patna more fully described in Deed No. 3190 dated 29-4-81 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

HARIDAY NARAIN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800 001, the 14th December 1981

Ref. No. JII-526/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Municipal Plot No. 733, Part of holding No. 202, Cicle No. 9. Ward No. 2(old) 10 (new), situated at Exhibition Road, also known as Brijkishore Path, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 29-4-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :-

- (1) (i) Smt. Nirmala Devi, W/o Late Akshay Kumar Bhattacharya, resident of Exhibition Road, P. S. Kotwali, Distt. Patna through her constituted Attorney Smt. Bani Banerjee, W/o. Sri Amarendra Nath Banerjee, resident of Exhibition Road, P. S. Kotwali, Distt. Patna acting under a General Power of Attorney executed on 12-3-81 and registered on 14-3-1981.
 - (ii) Smt. Bani Banerjee, W/o. Sri Amarendra Nath Banerjee, resident of Exhibition Road, P.S. Kotwali, Distt. Patna.

(Transferors)

- (2) Smt. Raj Kumari Prasad, W/o. Sri R. N. Prasad, R/o. Gola Road, Bakerganj, P.S. Pirbahore, Patna. (Transferes)
- (3) 1, M/s. Road Transport Corporation for office purpose in ground floor.

 2. Sri B. S. Jain, on the upper floor for residential purpose. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring about I katha 171 dhurs equivalent to 2552.87 sq. ft. with double storeyed house situated at Exhibition Road also known as Brij Kishore Path, Patna more fully described in deed No. 3189; dated 29-4-81 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

> H. NARAIN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Blhar

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800 001, the 14th December 1981

Ref. No. 111-527/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Thana No. 153, Ward No. 6 (old) 4 (new), Khata No. 480, situated at Amberpur, P.O. Hazipur, Distt. Vaishali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Vaishali, on 4-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transmer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Krishna Chandra Prasad Singh, S/o. Sri Raghunath Prasad Singh, R/o. Chandp Rand, P.S. Bidupur, Distt. Vaishali. Chandpura, Chakmak
- (Transferor) (2) Smt. Sharda Devi, W/o. Sri Sudama Singh, and Smt. Vidya Sinha, W/o. Sri Sutyendra Singh, and Smt. Urmila Devi, W/o. Sri Sheo Narain Singh and Sri Manindra Kumar Singh, S/o. Sri Balgovind Singh, R/o. Bag Taj Khan, Alias Pokhra, P.O. Hazipur, Distt. Vaishali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 16 dhurs situated at Chak Anber Alias Anberpur, P.O. Hazijur, Distt. Vaishali morefully described in deed No. 1604; dated 4-4-81 registered with D.S.R. Vaishali.

H. NARAIN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax cquisition Range, Bihar Patna

Date: 14-12-1981

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 17th December 1981

Ref. No. III-528/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

property having a fair

Touzi No. 439, Ward No. 11, Circle No. 28, sheet No. 70, M. S. Plot No. 293, Holding No. 276 (old) Present Holding No. 288. situated at Amrudi, Machuatoli Known as Abulas lane, P. S. Kadamkuan, Patna.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 22-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Smt. Shail Kumari Devi W/o. Sri Laxman Sharma R/o. Bheldi P.S. Parsa Dist. Saran (Chapra) At present residing at Budha Colony near Police Station, paina.
- (Transferor) (2) Shri Maman Ram Agrawal S/o. Sri Ruli Ram Agra-wal R/o. Sabzibagh P.S. Pirbahore Dist. Patna. At present residing at Amrudi, Machua toli known as Abulas lane P.S. Kadamkuan, Patna-4. (Transferee)
- (3) Self occupied by transferees. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Five anna's four paisa share equivalent to land 101/3 dhurs with triple storied building situated at Amrudi Machua toli known as Abulas lane, Patua-4 more fully described in deed No. 2939, dated 22-4-81 registered with D.S.R.

H. NARAIN, Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 17-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd December 1981

Ref. No. AC-66/Acq.R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

74 situated at Dharmatela Lane, Shibpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 22-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Sanat Kumar Chatterjee 74, Dharmatola Lane, P.S. Shibpur, Dist. Howrah.

(Transferor)

(2) Smt. Nani Bala Das Sri Kiran Lol Das, Sri Manick Lal Das,

74, Dharmatola Lane, P. S. Shibpur, Dist. Howrah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 2k. 10ch. 11sft. with building.

Address: 74, Dharmatola Lane, P. S. Shibpur, Dist.

Howrah-2. Deed No.: 2042 of 1981.

K. SINHA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-70 016

Dated: 3-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 3rd December 1982

Ref. No. AC-67/ACQ.R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair farket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Rock Wood, P.S. & Dist.

Darjeeling

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the solid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Rani Sheila Debi Rana, Rockwood, Chhotakakjhora, P.S. & Dist. Darjeeling.

 (Transferor)
- (2) Sri Dipak Mukherjee, 25, Biplabi Pulin Das Street, Calcutta-700003. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1/4th undivided share of 75 polls with building. Address: Known as Rockwood, P.S. & Dist. Darjeeling. Deed No.: 2839 of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-700 016

Dated: 3-12-1981

FORM ITNS -----

- (1) Smt. Rani Raj Lakshmi Debi Rana, Known as Rock Wood, P.S. & Dist. Darjeeling.

 (Transferor)
- (2) Sri Dipak Mukherjee 25. Biplabi Pullin Das Street, Calcutta-9.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd December 1982

Ref. No. AC-68/Acq.R-IV/Cal/81-82.—Whereas, IK. SINHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

situated at Rock Wood, P.S. & Dist.

Darjeeling

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-4-1981

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 75 polls with two storied building. Address: Known as Rock Wood, P.S. & Dist. Darjeeling. Deed No. 2884 of 1981.

K. SINHA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-700 016

Dated: 3-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 4th December 1981

Ref. No. .--Whereas, f, K, SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Dist-Howrah, situated at P.S. Domjur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering officer at

Calcutta on 1-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29-416GI/81

(1) Sri Devendra Mal Mohmal 169/A/40, Lake Gardens, Calcutta-45.

(Transferor)

(2) Sri Radheshyum Jhunjhunwalla Smt. Urmila Devi Jhunjhunwalla 43, Sir Hari Ram Goenka Street, Colcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l.and 1B-9K-13Ch-26 Sft.Address—Mouja—Korla, P.S. Domjur, Dist-Howrah,Deed No. 2820 of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-700 016

Dated: 4-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th December 1981

Ref. No. AC-42/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 64/29B, situated at Khudiram Bose Sarani, Calcutta-37, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Scaldah on 24-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri Sanat Chakraborty, 64/29B, Khudiram Bose Sarani, Calcutta-37. (Transferor)
- (2) Smt. Supta Dasgupta, 64/30A, Khudiram Bose Sarani, Calcutta. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 1K. 15ch. 10sq. ft. (with bldg.) at 64/29B, Khudiram Bose Sarani, Calcutta-37.

More particularly described in deed No. 420 of S. R. Sealdah of 1981

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge-II, Calcutta

Date: 7-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1981

Ref. No. 973/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 51 situated at Nalini Sett Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Calcutta on 8-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. Santaram & Co.

(Transferor)

(2) Shivji Tiwari & Jagadish Prasad Duby.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6K 5CH 2 sft. together with structure with tin roof situated at premises No. 51, Nalini Sett Road, Calcutta

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700,016

Date : 8-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th December 1981

Ref. No. AC-43/R-IJ/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F/304, situated at 17/IC, Alipore Rd., Calcutta-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at R. A. Calcutta on 15-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by Lore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the a foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persuans, namely:—

(1) Shri Puram Chand Gupta, 12, Landour Road, Madura-10.

(Transferee)

(2) Shri Nagarmul Deokinandan by Nagarmul Kejriwal, (Karta) 17/IC, Alipore Rd., Calcutte-17.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 1700 sq. ft. at F/304, at 17/IC, Alipore Rd., Cal-17. More particularly discribed in deed No. 3143 of R. A. Calcutta of 1981.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 10-12-1981

(1) Shri Soumyendra Chandra Goopta.

(Transferor)

(2) M/s. Nopany & Sons (P) Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th December 1981

Ref. No. TR-1/81-82/Si. No. 599 IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinæfter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11 situated at Rowdon Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 6-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one, partly two and partly three storied building together with land of 29 cottahs 7 chittacks and 31 sft. more or less being major portion of 11 Rowdon Street, Calcutta regisfifteen per cent of such apparent consideration and that the trar of Assurances, Calcutta.

1. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700,016

Date: 14-12-1981

FROM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, D. P. PANTA being the competent authority under Section 269 B of the Income. Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1232 & 1233 situated at Marhathal Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 4-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the

that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Singhai Rajwardhan Kumar S/o Singhai R/o 1174, Naya Mohalla, Marhathal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Diwanchand S/o Motiram, R/o 735, Marhathal, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1232 & 1233 situated at Marhathal, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 10-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 513 situated at Sarafa Ward, Jabalpur (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 2-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Singhai Rajwardhan Kumar S/o Singhai Mothilal Jain, R/o Napier Town, Jabalpur.
- (2) Shri Kailashehandra S'o Ramarayan Tamrakar, 152, Kothiwali Ward, Jabalpur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 513, on Plot No. 99, at Mohalia Sarafa Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

(Dated: 10-12-1981

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPL.—Wherens I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 851, situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 30-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Eastern Oxygen & Acetylene Ltd., 851, Napier Town, Jabalpur—At present Industrial Areas, Adhartal, Jabalpur,
 - Dr. S. K. Nelson
- (2) (1) Dr. S. K. Nelson, (2) Smt. Shobha Nelson, R/o 851, Napier Town, Jabalpur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 851, on Plot No. 23, Sub-Plot No. 1, at Napier Town. Jabalpur—Plot Rekba 8601 Sq. ft.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. Nagar, Bhopal

Date: 10-12-1981,

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPI.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Mouza Phaphadih,

(and more fully described in the Sohedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 9-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—30-416G[8]

(1) Smt. Aji Ben W/o Shri Narain Bhai Through Attorney Shri Narain Bhai, Bastha Bhai, R/o Phaphadih, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Shila Rani W/o Shri Kishanlal, Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11671 Sq. ft. (Diverted) at Mouza—Phaphdih, Kh. No 267.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 10-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Badrilal S'o Shri Sitaram, R/o Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Radheshyam S/o Laxminarayan,
 40, Shradhanand Marg, Indore.
 (2) Ratnlal S/o Kundanmal, 910, Nehru Nagar,
 Indore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. Land Kh. No. 3/1 situated at Vill: Pipaliva Kunwar, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. No. 3/1 at Vill, Pipaliya Kunwar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPL .-- Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agrl. Land Kh. No. 17 situated at Vill. Pipaliya Kunwar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 15-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) (1) Shri Ramcharan S/o Sitaram, R/o Vill. Pipaliya Kunwar, Indore. Shri Madan Lal S/o Sitaram,

R/o Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.

- (Transferor) Shri Santoshkumar S/o Roopnaryan, Agrawal (2) (1)
 - Nagar. Indore.

 (2) Sashi Devi W/o Shri Harish Babu,
 R/o 52, Usha Gani, Indore.

 (3) Smt. Usha Devi W/o Pawan Kumar,
 - 910, Nehru Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. No. 17, at Vill. Pipaliya-Kunwar, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agrl. Land Khasra No. 17 situated at Vill. Pipaliya Kunwar Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Ramchanan S/o Sitaram, R/o Vill. Pipaliya Kunwar.

(2) Madanlal S/o Sitaram, R/o As above.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ram Prasad S'o Shri Kundanmal,

(2) Sithal Prasad,

Prop : Smt. C. B. Agrawal.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. Land Kh. No. 17, at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15 12-1981

- (1) (1) Shii Ramcharan \$/o. Sitaram.
 - (2) Madanlal S/o Sitaram, Vill. Pipalya Kuwar,

(Transferor)

(2) (1) Shri Devchand S/o Ratanlal,

(2) Chaturbhuj S/o Harprasad,
(3) Shri Suresh Kumar S/o Lalchand Agrawal, Vill. Pipaliya Kuwar, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL, -Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agil. Land situated at Vill. Pipalya Kuwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 6-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the siad property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl, Land Kh. No. 17, at Vill. Pipaliya Kuwar, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPI..—Wherens I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. Land Kh. No. 17 situated at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Las been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 20-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Ramcharan S/o Shri Sitaram, (2) Madanlal S/o Shri Sitaram, R/o Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Purushottam S/o Sitaram,
 (2) Shriram Vilas S/o Kundanlal,
 R/o Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. Land Kh. No. 17, at Vill. Pipaliya-Kunwar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-12-1981

FORM ITNS ---

(1) Shri Dr. Rajendra Shrivastava, 20, Yeshwant Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Jagdish Rajkumar Batra, Kibe Compound, 8, Adarsh Nagar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agril. Land situated at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 25-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the siad instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. Land Kh. No. 17 2 at Vill. Pipal.ya-Kunwar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acqu sition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASS'T. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 15th December 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. Land situated at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 25-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften; per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followingersons, namely:—

(1) Dr. Rajendra Shrivastava, 20, Yeshwant Colony, Indore.

(Transferors)

(2) (1) Shri Mohanlal(2) Smt. Chitra, W/o Shri Jagdish, Adersh Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. l and Kh. No. 17/2, at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhepal

Dated: 15-12-1981

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Dr. Daljit Singh S/o Sardar Darshan Singh 20, Yeshwant Colony, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Sardar Bhuta Singh,(2) Sardar Varyan Singh,22, Kobe Compound, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th December 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPL.-Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. land situated at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—31—416GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. No. 17/1 at Vill. Pipaliya-Kunwar, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th December 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPL.-Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at Kh. No. 17/1 situated at Vill. Pipallya, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 25-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dr. Daljit Singh Through Attorney Sardar Darshan Singh, 20, Yeshwant Colony, Indore.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Gurvender Singh S/o Sardar Attar Singh
 (2) Amarjeet Singh S/o Sardar Attar Singh
 (3) Prithipal Singh S/o Sardar Attar Singh 50. Palshikar-Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. No. 17/1 at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL Bhopal, the 15th December 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. land situated at Vill. Pipaliya Rao, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Daljit Singh Through Attorney Sardar Darshan Singh, 20, Yeshwant Colony, Indore.

(Transferors)

(2) (1) Shri Inder Singh

(2) Manohar Singh Both S/o Lakhmir Singh,

(3) Gajendra Singh, S/o Sunder Singh, Jaora Compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. No. 17/1 at Vill. Pipaliya Rao, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. Land situated at Vill. Pipaliya, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property as aforesaid exceeds the apparent consideration value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Daljit Singh, S/o Sardar Darshan Singh, 20, Yeshwant Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Sardar Kulveer Singh S/o Sardar Anoop Singh, 9, Venketesh Market, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. Land Kh. No. 17/2 at Vill. Pipaliya-Kunwar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. Land situated at Vill. Pipaliya Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 7-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hazarilal S/o Shri Sitaram, Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.

(Transferor)

(2) Singhal Company Prop. Shri Shyam Singhal, 13, Vijay Udyog Nagar, Indore (2) Pawan Kumar S/o Ratan, 910, Nehru Nagar, Indore (3) Suresh Kumar S/o Banarsi Das, 48, Niranjanpur, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-12-1981

 Shri Hazarilal S/o. Sitaram, Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) (1) Shri Suresh Chandra S/o, Lalchand Agarwal(2) Smt. Jathan Bai W/o Hazarilal

(3) Barmawati W/o Shri Amar Singh, R/o Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. Land situated at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has

been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 4-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. Land at Vill, Pipaliya Kunwar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Lila Bui W/o Babulai. R/o Vill. Kesur, Dhar.

(Transferor)

(2) Smt. Meera Bai W/o. Govindlal, Juna Petha, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, K. D. GUPTA being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
House No. 127/1 situated at M. G. Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-4-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 127/1 at M.G. Road, Indore.

K. D. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Usha Bajaj W/o Balkishan Bajaj, Yeshwant Niwas Road, Sita Building, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Gendalal S/o Madanlal &
(2) Satyanarain S/o Gendalal,
Ro 94, Juna Pitha, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL,

Bhopal, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 46 situated at Gulmohar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 10-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 46 at Gulmohar Colony, Indore. 4800 Sq. ft.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangolri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Dated: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of-1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. Land situated at Vill. Bhitari Pargana, Ujian.

Agrl. Land situated at Vill. Bhitari Pargana, Ujlan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjan on 25-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—416GI/81

(1) Shri Kailashchand S/o Fakirchand Mali, R/o Kaliadeh Darwaja, Ujjan. (Transferor)

R/o Urdupura, Ujjain

(2) Shri Pannalal S/o Pyarchand Maheshwari,

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3.719 Hector at Village: Bhitari-Pargana Ujjan.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, K. D. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 127/1 situated at M.G. Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15-4-81

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shashikala Bai W/o Abhaykumar Jan, 9, Maheshnagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kishandas & Daulal, Both S/o Mannalal, 648, M.G. Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 127/1. situated at M.G. Road, Indore.

K. D. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1295 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh Ño. 799, Muchhala Pole, Wd. No. 3, situated at Navapura, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) P.A. Holder of Shri Abdulhusain Mulla Musabhai; Mrs. Fatema Daudi Nomanbhai; urfe Mrs. Fatema Daudi Shipchandlar; Chandabhai Karimbhai Building: 1st Flor, Jijibhai Dadubhai Lane, Fort, Bombay and 5-10, Hawa Avenue, Elonail-60558, U.S.A
- (2) P. A. Holder of Akil Shaikh Fezullabhai Hafeji, Duria Mansur Rassiwala—daughter of Shaikh Fezullabhai Hafeji, 4-3494, Mohmadi Manzil, Badri Road, Zampa Bazar, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 799 Wd. No. 3, Nurpura, Muchhala Pole, Surat, duly registered in the month of April, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 28-11-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1296 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 80 land situated at Piplod, Taluka Choryasi, Surat, and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nathabhai Ghelabhai Patel; Shri Ranchhodbhai Ghelabhai Patel; Piplod, Taluka: Choryasi, Surat
- (2) Shri Rajnikant Rabubhai Golva; Guardian of Minor Bhavna Rajnikant Golyala; Athwa Lines, Surat. 2. Smt. Urmila Rajnikant—Guardian of minor Ami Rajnikant Golvala, Athwa Lines, Surat. 3. Shri Thakorbhai Vanmalibhai Patel; Kanpura Falia, at Bara, Dist. Surat.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Piplod—Taluka Choryasi duly registered at Surat in the month of April, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 28-11-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1297, Acq. 23-II/81-82.--Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 79/A/1 paiki and Piplod, Taluka; Choryasi, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Bhagubhai Harkishandas Patel; Piplod Taluka; Chorvasi, Surat.
 - (Transferor) (2) Jayshri Dilipkumar Golvala, Ruvala Tokra, Surat-3 Rajnikant Babubhai Golvala self and guardian of minor Bhavna Rajnikant, Athwa Lines, Surat. Ur-mila Rajnikant self and guardian of minor Ami Rajnikant Golvala, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice: in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Piplod, S. No. 79/A/1 duly registered at

G. C. GARG. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-11-1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1981

Ref, No. P. R. No. 1298 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. No. 640-Tika No. 50, C.S. No. 2032, situated at Navsari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Partners of Shri Govindbhai Ravjibhai Patel; Shri Govindbhai Ravjibhai Patel & others; Navsari.

 (Transferor)
- (2) Partner of Adishwar Krupa Apartment Coop. Housing Society Ltd., Shri Bharatbhai Thakorbhai; Shri Hemraj Mohanbhai Patel; Shri Shantilal Bhikhaji, Maharani Shantadevi Road, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S No. 640—Tika No. 50, C.S. No. 2032 duly registered at Navsari.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 28-11-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1299/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. C.S. No. 1915, S. No. 134/2 situated at Gangadi Patti, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 18-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Patel Chhaganbhai Bhuderdas; Jal Chok, Paten.

(Transferor)

(2) President of Shri Gopalnagar Coop. Housing Society, Desai Chhaganbhai Devabhai; at Vamaiya, Taluka: Patan.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Gundi Patti, Patan, C.S. No. 1915, S. No. 132/2 duly registered on 18-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 21-11-1981.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1300/Acq 23-11/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 252/214 situated at Kalol

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 15-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Patel Chandubhai Kuberdas; Patel Ramabhai Kuberdas; Kalyanpura, Kalol.

(Transferor)

(2) Ratel Maneklal Nandas; Suman Park, Kalo (N. Guj.).

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 252/214, Kalol, duly registered on 15-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 30-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Patel Devabhai Godabhai; Laxmipura, Palanpur.

(Transferor)

(2) Shakila Mohmad Faruk; Palanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1301/Acq.23-11/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. No. 383/1 situated at Mansarovar Crossing to Balaram Road, Palanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palanpur on 9-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesiad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—416GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the siad property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 383/1, Palanpur, duly registered on 9-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 30-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1302/Acq.23-II/81-82.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 939+954 paiki land situated at Palanpur, Gandhidham Rly. Stn. Palanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Palanpur on 16-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Prajapati Ujabhai Ranchhodbhai; Laxmipura, Sheri No. 4, Palanpur, Dist. Bankantha.

(Transferor)

(2) 1. Jasvantlal Ishvarlal Modi,

Nani Bazar, Palanpur.
2. Bhogilal Hargovandas Modi,

P.O. Nandotara, Taluka Vadgam, Palanpur.
3. Prajapati Pankajkumar Ramchandbhai;
Bhadur Ganj, Mira Darwaja, Palanpur.

4. Dahyalal Potiram Purohit, Dhalvas, Palanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 939+954 near Gandhidham Rly, line, Palanpur, duly registered on 16-4-1981.

> G. C. GARG Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-11-1981

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX, ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1303/Acq23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 27 paiki, Plot No. 25/1 situated at Race Course Circle, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Ajitbhai C. Maniar;
 C. Wadilal Engg.
 New Laheripura Road,
 Baroda.

(Transferce)

(2) Shri Mansukhlal Gangaram Mehta; 196-A, Kanta Kunj, Gujarat Society, Sayan, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 27 paiki Plot No. 25/1, RaceCourse Road, Baroda, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1304/Acq.23-II/81-82.—Whereas, 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Sayad Vasna, Taluka; Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mayur Punrikram Hathi Vakil; Race Course, Sampatrao Colony, Baroda.

(Transferee)

 Shri Ramvalia Gulrajani; Elora Apartments, Race Course, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Saiyad Vasua, Taluka Baroda duly registered in April, 1981 vide No. 1985.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 2-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1305/Acq.23-U/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 666, 679 duly registered in the month of of April. situated at Baroda Kasba

(and mer-fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Baroda on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bewteen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 P. A. Holder of Dakshaben Dahyabhai; Shri Bhaskarbhai Dahyabhai; Fateh Ganj Main Road, Baroda

(Transferce)

(2) President of Brahmkhastriya Kelavani Mandal; Shri Lalchand Pranjivandas Velera; Mai Kripa Society, Karelibag, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property at S. No. 666, 679 Plot No. 6, admeasuring 5437 sq. ft. land duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Seal:

Date: 2-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1306/Acq.23-II/81-82,—Whereas, 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 666 situated at Kasba, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Baroda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) P. A. Holder of Sumitraben Mukundrai; P. A. Holder of Mukundrai Gordhanbhai; Shri Bhaskerbhai Dahyabhal; Fatehganj Main Road, Baroda.

(Transferee)

Smt. Sita Gopaldas Juthani; 105, Jyoti Society, Behind Convent School, Fatehganj, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 666 Kasba Baroda duly registered in April, 1981.

> G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 2-12-1981 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1307/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/~ and bearing

S. No. 666 situated at Kasba-Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Baroda on April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhaskarbhai Dahyabhai P.A. Holder of; Sumitraben Mukundrai and Mukundrai Gordhanbhai; Fatehganj Main Road, Baroda.

(Transferee)

 Smt, Hansaben Vinodehandra Bhagat; 'Girnar', Tardeo, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 666-Kasba-Baroda duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 2-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1308/Acq.23-J1/8J-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 3099/3101 paiki situated at Pratapnagar, Dabhoi Road, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroad on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Maheshkumar Kantilal Prajapati & others; Madan Zampa, Lakkadpitha, Bakravadi, Baroda.
- (2) Sada Rangmal & Sons; Pratapnagar Dabhoi Road, Baroda.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 3099/3101 paiki-Pratapnagar Dabhoi Road, Baroda duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 2-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1309/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. 139-140 situated at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 15-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:—
34 ---416GI/81

Dhanbai Nanabhai;
 Opp. Railway Godi,
 Station Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Partner of Ekta Enterprises; Shri Ramanlal Maneklal Shah; 15/Chabanagar, Behind Nazarbag, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C. S. No. 139-140, duly registered on 15-4-1981 at Baroda.

G. C. GARG
Competent Authority
Inapecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 2-12-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 2nd December 1981

Ref. No. P.R. 1310 Λcq.23-Π/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-amd bearing

CS. No. 712-713 situated at Pratapnagar, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 22-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any nicome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mrudulaben Ramanlal, Ramkrishna Block, Pratapnagar, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Sarojben Vinodehandra Shah, Behind Ramkrishna Block, 'Hira Vila', Pratapnagar, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C.S. No. 712-713, Pratapnagar, Baroda duly registered on 22-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 2nd December, 1981

FORM ITN8-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 2nd December 1981

Ref. No. P.R. 4311 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No 20 paiki, situated at Jetalpur, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. B. M. Poojari, Race Course, Baroda,

(Transferor)

(2) Shri Alkeshbhai Bhupendrabhai Patel; Near Raopura Kothi, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 20 paiki—Jetalpur, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 2nd December, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4nd December 1981

Ref. No. P.R. 1312 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. B Ind. 263 situated at Udhna Udyognagar, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferceaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Industrial Resins & Plastics, Udhna Udyognagar B Industrial, 263, Udhna, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Amarlal Gurmukhsingh Rajani; Smt. Kamlesh Amarlal Rajani, 1/997, Nanpura Main Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Plot No. B, Ind. 263, Udhna Udyognagar, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometex
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4th December, 1981

FORM IINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th December 1981

Ref. No. P.R. 1313 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Mun. No. 1/1647 and 1/1648, 1/1648 situated at Station Road, Palanpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Palanpur on 30-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bhagvatiben Natvarlal Mehta; Patan (N. Ganj).
- (Transferor)
- (2) Shri Surpalsing Kalusing Chauhan; Luxmipura, Palanpur Taluka.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Palanpur H. No. 1/1647, 1/1647 and 1/1648 on Station Road, Palanpur, duly registered on 30-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4th December, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1314 Acq.23-II/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

C.S. Wd. Navagam, Nondh No. 1750/1

situated at Paiki Plot 1-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid peroperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Indravadan Nathubhai Patel; Behind Police Lines, Navagam, Varachha Road, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Maganbhai Jerambhai Patel;

at Parab—Taluka Kamrej.

2. Kunvarji Ranchhodbhai Desai;

2. Kunvaril Ranchhodbhai Desai; at Digus—Tal, Kamrel.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C.S. Ward Navagam—Nondh No. 1750/1—Plot 1-2, registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7th December 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1315 Acq.23-II/81-82,—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 70-1, Plot 1, 3, 2, 4, 5, 6 and land at North & West side situated at Umra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state din the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faiclitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under he said Act, in
 respect of a ynincome ariseing from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Govindbhai Dajibhai; Kikabhai Dajibhai; Jivabhai Dajibhai; Raw-shodbhai Dajibhai; Rhikhahai Dajibhai; Revabhai Dajibhai; Covindbhai Dajibhai; and others; Umra Tul. Choryasi, Dist. Surat,

(Transferor)

(2) President & Secretary of
Union Parivar Coop. Housing Society Ltd.
C/o Union Bank, Kanpith,

Lal Gate, Surat.

1. Shri Girishchandra Champaklal;

2. Shri Ashokkumar Manharlal Shah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TAPIANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Umra—S. No. 70-1, Plot 1 to 6 at North and West side land, duly registered in April. 1981. Date : 7th December 1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 7-12-81

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1316 Acq.23-II/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding: Rs. 25.000/-and bearing No.

C.S. Wd. Navagam, Nondh No. 1750/2 situated at Plot No. 3 & 2, Navagam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pranjivandas Nathubhai Patel, Behind Rly. Police Lines, Navagam, Varachha Road, Surat.

(Transferor)

1. Shri Ranchhodbhai Khushalbhai Desai;
 At Digus, Tal, Kamrej.
 2. Shri Chhotabhai Dhanjibhai Patel;
 Rampura, Main Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C.S. Wd. Navagam, Nondh No. 1750/2 paiki Plot No. 3 and 2 respectively registered in April, 1981.

G. C. GARG

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7th December, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

Shri Indravadan Nathubhai Patel; Behind Rly. Lines, Varachha Road, Navagam, Surat.

(Transferor)

Shri Thakorbhai Lalbhai Patel;
 At Bhestan, Tal. Choryasi, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1317 Acq.23-II/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. Wd. Navagam, Nondh No. 1750

situated at Plot No 4,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under existence (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—416GI|81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Navagam, Nonth No. 1750 Plot No. 4 duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-If, Ahmedabad

Date: 7th December 1981

(1) Nathubhai Laxmibhai Patel; Behind Rly, Lines, Navagam Varachha Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) ShriVaghjibhai Haribhai; Shri Vithalbhai Harbhai; Opp. Gitanjali Talkies, Lambe Hanuman Road, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ahmedabad-380009, the 7th December 1981

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P.R. No. 1318 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C.S. Wd. Navagam Nondh No. 1705/1

situated at Navagam, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at C.S. Wd. Navagam, Nondh No. 1705/1 duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1981

FORM ITNS----

(1) Shri Pransukhlal Umedram; Salabarpura, Jamin Shori, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Indravadan Champaklal; Manchharpura, Kharadi Sheri, Surat

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1319 Acq.23-II/81-82,---Whereas, I. G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4, Wd. No. 3, No. 2939-A-1-A-2-5-5

situated at Mahatmavadi—Salabatpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Mahatmavadi, Salabatpura, Nondh No. 2939A/-A-2-B-5, registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-12-1981

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1320 Acq.23-II/81-82 —Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 304 situated at Adajan

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Bhagabhai Nathubhai Patel;
 Govanbhai Nathubhai Patel;
 Shantaben Wd./of Maganbhai Nathubhai;
 Adajan, Tal. Choryasi.

(Transferors)

President & Secretary of Pankajnagar Coop. Hsg. Society Ltd.,
 Pankajkumar Thakorlal Surati;
 Nathubhai Keshavbhai Kantharia;
 Gita Nivas, Brahman Falia,
 Rander. Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Adajan S. No. 304, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7th December 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1321 Acq.23-II/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing No.

and bearing No. R.S. No. 465—Hissa 1-2 situated at Adajan, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vadilal Sunderlal; Jayaben Vadilal; Nandkishor Vadilal; 8/2085, Moti Chhipwad, Gopipura, Surat.

(Transferors)

- (2) Partners of Gayatri Corporation;
 1. Ramanlal Nanabhai Gajjar, Hirabag Apartment,
 Aganvad, Saiyedpura, Surat.
 2. Bharatiben Narsibhai Patel;
 - C-6 Gitanagar, Hsg. Socy. Adajan Road, Surat. 3 Savitaben Lallubhaj Tamakuvala,

 Savitaben Lallubhai Tamakuvala Nanavat, Surat.

4. Harshadrai Chhotalal, Khagod Sheri, Salabatpura, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Adajan, R.S. No. 465—Hissa 1-2, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7th December 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOMF TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1322 Acq.23- $\Pi/81-82$.—Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. 1989/A situated at Daria Mahal—Mugalisara, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajendra Sarabhai Nawab, Daria Mahal, Mugalisara, Surat.

(Transferor)

(2) President of Panchratna Apartments Coop. Housing Society, Manjibhai Popatbhai Patel—Diamond Apartment, Saiyadpura, Surat, Jujabhai Padamshi Patel, Vanki Badi, Saiyadpura, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1989/A, Wd. No. 11, Surat duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7th December 1981

turi mi -orc. Il

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th December 1981

Ref No. P.R. No. 1323 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 5/1 situated at Vadali Farm, Deesa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deesa on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Patel Jiviben Ganeshbhai;
 Patel Parsottam Ganeshbhai;
 Vadali Farm, Taluka; Deesa.

(Transferor)

 Chairman: Shei V. J. Patel; Akhal Mahadevia Group Seva Sahakari Mandali, Deesa (Banaskantha).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vadli-Farm -- S. No. 5/1, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 8th December, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1324 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. $G \Lambda RG$

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 900-2, Athugor Mohollo, Nanpura, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration fo rsuch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Amratlal Venilal;
 Smt. Hansaben Amratlal;
 Yogeshkumar Amratlal;
 Maheshkumar Amratlal;
 1/1201, Thaihaji Mahollo,
 Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Kanaiyalal Dolatram Panchal; Chandra Vihar Apartment, Opp. Rang Upvan, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Athugor Mohollo—Wd. No. 1, Nondh No. 900-2, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date; 8th December, 1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1964 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P.R.1325 Acq. 23-H/81-82.--Whereas, I, G. C GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 8/2 & 27/1 situated at Sankarda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration

Baroda on April, 1981

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36-416GI/81

(1) Taraben Kantilal Shah; 84-Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

(2) Ciramic Fingg. Works;7, Nilkamal Society, Nizampura, Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Sankarda R.S. No. 8/2 and 27/1, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rongo II, Ahmedabad

Date: 8-12-1481

 Narmadaben Shambhuprasad Joshi; Near Mali's Khadaki, Ralpur Kotni Rang, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ahmedabad Printers Coop. Hsg. Society Ltd., City Mill Compound, Kankaria Road, Ahmedabad,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1981

Ref. P.R. No. 1497 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 3475, C.S. No. 2279, 2279/1 situated at Khadia, Ahmedabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Khadia-2-B, Ahmedabad bearing S. No. 3475 C.S. No. 2279, 2279/1, admeasuring 36 sq. yds. as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 4496 dated 23-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7th December 1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1496 Acq. 23-II/8-82.--Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 942, 944, 945, 946, 951-A-1 situated at Shahpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahemedabad on 18-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mangalaben Wd/o Ramanlal Jethalal Shah; Vrajeshkumar Ramanlal Shah; 1668, Jagubhai Shethni Pole, Astodia, Dhal's Pole, Ahmedabad.

 (Transferor)
- (2) Shah Bhogilal Jethalal & Bros. Partners: Shri Bhogilal Jethalal & others; Dhal's Pole, Astodia, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Shahpur, Ahmedabad bearing S. No. 942, 944, 945 and 951-A-7, admeasuring Sq. Yards., 170+26+46+27 respectively as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 4235 dated 18-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7th December 1981

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1495 Acq. 23-1/81-82.—Whereas I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 185 situated at Rajpur, Hirpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Surendrabhai Naranbhai Shah; Shri Rajeshbhai Surendrabhai; Kusumben Jayantilal; Vimlaben Jayantilal; Jayshreeben Jayantilal; Gandhi Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Gokulnagar Coop. Housing Society Ltd., Rajpur, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad bearing S. No. 185, admeasuring 19020.28 sq. mts. +19020.28 sq. mts, as fully described in the sale-deeds registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 3315 dated 31-3-1981 and 3370 dated 2-4-1981.

G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7th December 1081

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1494 Acq. 23-I,/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 138/1 and 139/1 F.P. No. 38 S.P. 1/3 situated at TPS No. 8, Dariapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Mamtaben Narottambhai; Nandiniben Narottambhai; Pannaben Narottambhai & others; Near Rachana School, "Mamta", Shahibaug, Ahmedabal.

(Transferor)

(2) Nakoda Park Coop. Hsg. Society, Promoters: Shri Prithaviraj Premchand; Anand Cloth Market, Sarangpur, Ahmedabad. Shri Lvnchand Sevasar, 10-New Cloth Market, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Dariapur-Kazipur, Ahmedabad bearing S. No. 138/1 and 139/1 F.P. No. 38 S.P. No. 1/3, TPS No. 8, adm. 719.75 sq. yds. and 73.58 sq. mts. as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 2050/81 dated 8-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J, Ahmedabad

Date: 7th December 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1493/Acq.23-I/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 247/1 paiki Plot No. 46-47 & 96 to 156 situated at Village: Chitra, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 27-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inkiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhakabhai Chhaganbhai; Shri Manjibhai Chhaganbhai; Shri Shamjibhai Chhaganbhai; Shri Kanjibhai Chhaganbhai; Village Chitra, Bhavnagar.

(2) Shri Bajrang Balak Coop. Housing Society, Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Chitra, Bhavnagar, bearing S. No. 247/1 paiki, Plot No. 46-47 & 96 to 156 adm, 36163 sq. yds. as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Bhavnagar vide Regn. No. 297 dated 27-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 7-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1505/Acq.23-I/81-82.—Whereas, 1, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 131 & 132 situated at Bodakdev, Tal. Dascroi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 10-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ambaram Ramsangbhai;
 Village Bodakdev, Tal. Dascroi,
 Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Dineshbhai Nagindas Shah; Alkapuri Society, Usmanpura, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Village Bodakdev bearing S. No. 131 and 132 adm. A. 3-25 & A. 4-11 respectively as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 3857 dated 10-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 8-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDI.OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1504/Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 399 situated at Village Hathula, Tal. Khambhalia, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khambhalia on 16-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dayaram Govindji Thanki;
 P.A. Holder Rameshchandra Dayaram Thanki;
 Rasiklal Dayaram Thanki,
 Rayan, Porbandar.

(Transferor)

(2) Shri Himatlal Govindji Medha; Shri Kantilal Govindji Medha; Shri Govindji R. Medha & others; Village Hathla, Tal, Khambhalia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Village Hathla, Tal. Khambhalia bearing S. No. 399, 480 adm. A7-10 + A.1-27 respectively as fully described in the sale deed registered with the registering authority of Khambhalia vide Regn. No. 444 dated 16-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 8-12-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1503/Acq,23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 93 & 94 situated at Khambhalla, Tal. Khambhalia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khambhalia on 1-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act.
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

37-416GT/81

(1) Shi Satvara Premji Dama; Shri Satvara Ranmal Dama; Shri Satvara Petha Dama & others; Khambhalia, Dist, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Khambhalia Khet Utpadan Samiti, Marketing Yard, Khambhalia, Dist. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Khambhalia bearing S. No. 93 & 94 adm. H. 2-32-70 as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Khambhalia, vide Regn. 457 dated 1-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Ahmedabad

Date: 8-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1502/Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 280/4/3 situated at Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 16-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shi Vallabhdas Devraj Patel; Shri Vinodrai Devraj Patel; Opp. Pavan Chakki, Jail Road, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Amratlal Mohanlal & others; Kishan Chowk, Bavavad, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Jamnagar bearing C. S. No. 280/4/3 adm. 17627 ft. and 7 inch i.e. 1637-59 sq. mts. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Jamnagar vide Regn. No. 1323 dated 16-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 8-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

-Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1501/Acq.23-I//81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 165 situated at Village Kathada Dist. Kutch Sub-Dist. Mandvi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandvi-Kutch on 21-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ramji Hirji Patel; Shri Karsan Hirji Patel; at P.O. Meran, Tal. Mandvi, (Kutch). (Transferor)
- (2) Shri Khimji Keshavji Jeshrani; Guardian and father of Jayeshkumar Khimji. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at village Kathada Dist. Kutch Sub-Dist. Mandvi, bearing S. No. 165 adm. A.16-35 registered with the registering authority of Mandvi-Kutch vide Regn. No. 494 dated 21-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 8-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1500 Acq. 23-I/81-82.--Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No S. No. 371/3 and 377/4 situated at Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhuj-Kutch on 28-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Bakali Oshamali Adam; Opp. Railway Station, Bhuj, (Kutch).

(Transferor)

(2) "Vrandavan Park" Shah Kantilal Nelchand; Vaniawas, (Shankadi Sheri), Bhuj (Kutch).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 371/3 and 377/4 situated at Bhui, adm. A-2-15 as fully described in the sale-deed registered with the registering authority of Bhuj vide Regn. No. 1132/81 dated 28-4-1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 8-12-1981

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF NCOME TAX

ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1499 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, J, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 217, situated at Meran, Tal. Mandvi, Dist Kutch (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mandvi-Kutch on 21-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Shri Ramji Hirji Patel; at P.O. Meran, Tal. Mandvi, Dist. Kutzh. (Transferor)
- (2) Shri Khimji Keshavji Jesharani; Jesharani Deli, Mandvi, Dist. Kutch. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property aday he made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the oforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at village Meran, Dist. Kutch bearing S. No. 217 adm. A-I1-35 as fully described in the sale deed registered with the registering authority of Mandvi-Kutch vide Regn. No. 493 dated 21-4-1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 8-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 7th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1498 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 1053 situated at Village Vejalpur, Tal. City, Dist. Abmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhagubhai Ambalai; Navrangpura, 1689, Limdivalo Vas, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Bansidhar Rasiklal Nagari; Nr. St. Zaverier's College, Ellisbridge, Ahmedabad, Shri Rajanikant Rasiklal Nagari; Opp. Patidar Boarding, Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and explanation used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Vejalpur, Tal. City bearing S. No. 1053, adm. A. 2-1 as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 4926 dated 30-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 7-12-1981

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I 2ND F1.OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1510 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
No. S. No. 26 Paiki situated at Bodakdev Seem, Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) I. Shir Rameshbhar Naranbhar Patel;
 Self and as a Karta of HUF.
 Natvarlal Naranbhar Patel;
 - Natwariai Narambnai Fater; Kulmukhuar of Minor Alpeshbhai Rameshbhai; Village Bodakdev, Tal. Dascroi, Dist. Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Chandravadan Ramanlal;
 Smt. Sulochanaben Chandravadan;
 Kamal Chandravadan;
 Pallaviben Kamalbhai;
 'Parnkuty', Nr. Gujarat College, Ahmedabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used, here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Bodakdev seem bearing S. No. 26 Paiki 1/3rd share i.e. 5665 sq. yds. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar of Ahmedahad vide Regn. No. 4270 dated 20-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Ahmedabad

Date: 8-12-1981

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1511 Acq. 23-I/81-82.-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. S. No. 26 Paiki situated at Village Bodakdev Tal. Dascroi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 20-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Aivindbhai Naranbhai Patel; Self and as a Karta of HUF, and as a guardian of Vijaybhai Arvindbhai; layaben Arvindbhai; Village Bodakdev, Tal. Dascroi. Dist, Ahmedabad, (Transferor)

(2) 1. Shri Chandravadan Ramanlal;

2. Sulochanaben Ramanlal;

Kamal Chandravadan;

 Pallaviben Kamalbhai;
 Parnakuti, Nr. Gujarat College, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Bodakdev seem bearing S. No. 26 Paiki 1/3rd share undivided i.e. 5665 sq. yds. as fully described in the sale deed duly registered with the Registering authority at Ahmedabad vide Regn. No. 4272 dated 20-4-1981.

> G. C. GARG Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 8-12-1981

FORM ITNS...

(1) Shri Chandubhai Nanubhai Patel; Shri Manubhai Nanubhai Patel; Savitaben Nanubhai Patel; Ghanshyambhai Ravjibhai; Kawahad, Nadiad.

> Smt. Shilaben Vasantlal Shah; Shri Pramodlal Vasantlal Shah;

(2) Chairman and Secretary;

(Transferor)

(Transferee)

N&FICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1326 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 2635, Mission Road, situated at Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nadiad on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

38-416GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

9-Samarth Society, Mission Road, Nadiad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used better to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saids meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 2635 Opp. New Shorrock (air conditioned Mills) Nadiad, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Dated: 9th December 1981

- (1) Patel Kantaben Wd/of Kantibhai Somabhai, Kalol, (Transferor)
- (2) Patel Ramanlal Chimanlal & others. Kalol (N. Guj.).

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1327 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G.-C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No 926-2 situated at Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kalol on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 926-2, Kalol, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1328 Acq. 23-II/81-82.--Wheraes, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 359-TPS, 4, Gala-3, 4 and 1 situated at Katargam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Bhikhabhai Kashavbhai Patel; Raghukul Nivas, Varachha, Surat. Jayantibhai Bhikhabhai, Raghukul Nivas, Varachha, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shambhubhai Karjibhai;

 - Mithabhai Karjibhai;
 Nanjibhai Virjibhai;
 Babubhai Virjibhai;
 Punabhai Virjibhai;
 - 6. Bachubhai Arjanbhai & Babubhai Arjanbhai; Khediarnagar, Varachha Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Katargam S. No. 359 TPS. 4, Gala 3, 4 & 1 duly registered in April, 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad.

Dated: 10th December, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1329 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 4, 5, S. No. 156(3)4, situated at Akota, Baroda Taluka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Baroda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not beent truely stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Girish Trikambhai Bhagat; Lalbag Society, Majalput, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Ramlubhaya Malhotra; 33-Kunj Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Plot No. 4-5, S. No. 156(3) 4 at Akota, registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Dated: 10th December, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1330 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Tika No. 16/3, S. No. 39/1 situated at Amrakut bungalow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Raghunath Balaji Nagvekar; Constituted Attorney of Gackward Real Latate Traders, Indumati Mahal, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Ramanlal Chimanlal Parikh; 11-12, Kunj Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Tika No. 16/3, S. No. 39/1, Baroda duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Dated: 10th December, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1331 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Tika No. 14, Vihang Society, Ajwa Road, situated at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Baroda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Suryakant Champaklal Desai—his P. A. Holder; Shri Dhruv Suryakant Desai; Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Indrakant Kantilal Mehta; 1/Vihang Society, Ajwa Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vihang Society, No. 14—Ajwa Road, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 10-12-1981

Smt. Padmaben Sevantilal Shah; Soni Falia, Hanuman Pole, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Dilipkumar B. Yadak, 2. Shri Ashokkumar B. Yadak; 3. Shri Tapaskumar B. Yadak, Rani Talay, Dabgaryad, Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1332 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Nondh No. 1971-B Wd. No. 10, situated at Soni Falia. Hanuman Pole, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1971-B Wd. No. 10, Soni Falia, Hanuman Pole, duly registered in April, 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad.

Dated: 10th December, 1981

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Chunilal Nathubhai Gujjar Panjara Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Navinchandra Amzatlal; Anavil Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1333 Acq. 23-II/81-82,--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 4137—Wd. No. 2, Anant Sheri, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 4137, Wd. No. 2, Surat duly registered in April, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 10th December, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1334 Acq. 23-II/81-82,--Whereas, 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 359/1 TPS. 4, Gala 2, 3, 5 & 4 situated at Katargam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on April, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair marks: value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, pamely:--39-416GI/81

1) Shri Jayantibhai Bhikhabhai Patel; Raghukul Nivas, Varachha Road, Surat.

(Transferm)

(2) 1. Naranbhai Shankarbhai;

- Laljibhai Tapubhai;
 Kalubhai Chhaganbhai;
- Dhirajbhai Chhaganbhai;
 Nagarbhai Chhaganbhai;

6. Arvindbhai Naranbhai; 7. Balubhai Vaghjibhai; 8. Bhagvandas Lakhabhai; Khodiarnagar Varachha Road, "Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 359/1 TPS-4, Gala 2, 3, 5 & 4 Katargam duly registered in April, 1981,

> G. C. GARG Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax) Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 10-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1335/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 14/2 and 14/1 situated at Khagob-Tal. Choryasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Naranbhal Chhitubhai;
 Revaben Wd/o Gangaram Paragji;
 Kumbharia, Tal. Choryasi, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Subhash Mansukhlal; Gopipura, Bhansali Pole, Surat.
 - 2. Mansukhlal Sakarlal; Hasmukhlal Mansukhlal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 14/1, 14/2, Khagob Tal. Choryasi, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 10-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1336/Acq.23-II/81-82.—Whereus, J, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 106, situated at Moje Samroli, Tal. Chikhali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikhall on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market valu of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the ties has not been truly stated in the said instrument of 1sfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhanabhai Mangabhai & four others; Samton, Tai, Chikhali,

(Transferor)

 Kishorchandra Chimanlal Gandhi & four others;
 Billimora, Tal. Gandevi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Samroli, Block No. 106, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedahad

Date: 10-12-1981

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Bhuliben Vallabhabhai Patel; Gangaben Lallubhai Patel; Pardi.

(Transferor)

(2) R. I. Electricals Equipment (Firm).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1337/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 902, 1 situated at Umarsadi—Tal, Vapi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Pardi on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executs the apparent consideration therefor by more than liftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie; has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Umarsadi, Vapi Taluk S. No. 902/1 registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 10-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1338/Acq.23-11/81-82.--Whereas, J. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 1074-1-2 situated at Pardi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Maganlal Harakhchand Shah; Nehru Street Vapi, Taluka: Pardi.

(Transferor)

(2) Partner of Shri Sainath Builders; Shri Jitendrakumar Mohanlal Shah; Nehru Street, Vapi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vapi S. No. 1074-1-2 duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 10-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICA OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1339.Acq.23-JI/81-82.—Whereas, J, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 517 situated at Adajan, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been muly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following necsons, namely:—

(1) Chelabhai Jasvantbhai Patel, Adajan, Tal. Choryasi, Surat.

(Transferor)

 Siddharth Jasvantlal Sheth; Bharat Jasvantlal Sheth; 17-Jivan Vihar, Adajan, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 517 Adajan duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Dated: 10th December, 1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1340.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25;000/-and bearing

S. No. 79/2, 82 situated at Pardi Sandhpore, Taluka Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Valsad on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this inotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Partner of Rajesh Pound Mill, Shri Gala Nanji Meghaji; Popatlal Arjan; Padamshi Arjan; Valsad.

(Transferors)

(2) Director of M/s Leader bleatricals Pvt. Ltd. Chanchaldas N. Malukani, at Gandlay, Tal. Valsad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No 79/A and 82 Pardi—Sambhpore, registered in April, 1981.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad.

Dated: 10th December, 1981

Stal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

remain a remain de la companie de la

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1341 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 73 paiki S. No. 23 paiki, situated at Parnera (and more fully described in the Schedule-annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sherbanu Babubhai Rahembhai;
 Self and guardian of minor Ajitbhai;
 Gulabben daughter of Babubhai Rahmanbhal;
 Kamuben daughter of Ramanlal Babubhai;
 Chhotubhai Babubhai Damania;
 Hamidaben Amir—daughter of Babubhai Rehmubhal
 Ruxannben Amir—daughter of Babubhai Rachmunbhai;
 Pardi.
- Mayaben wife of Pursottam Jeram; Hirabai wife of Laxmidas Nansi; Valsad.

(Transferees)

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as -given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Parnera—Block No. 73, S. No. 23, registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Dated: 10th December, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Smt. Vasantiben Dalpatlal Doshi; 17-A, Ashok Kunj—Tejpal Road, Vile Parley, Bombay.

(Transferors)

2. Dineshchandra Dansukhbhai Shah; Ramyadi-Valsad.

(2) Jaydip Diamond Industries Pvt. 1td. Halar Dharampur Cross Road, Valsad.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1342.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I.

G. C. GARG, being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tex Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 63, C. S. No. 2273/43 situated Halar Road,

Dharampur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer at Valsad on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-40-416GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 63, C. S. No. 2273/43, Halar Road, registered in April, 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-12-1981.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1343.Acq.23-Π/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. P. No. 63, TP S.1, C.S. No. 2016/A, R.S. No. 156 parki situated at Valsad

(and more fully described in the Schedule annoted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Nanubhai Morarji; Jasubhai Morarji; Ratilal Morarji; Kikubhai Morarji; Chhotubhai Morarji; Kamlaben Thakorbhai; Jinabhai Morarji; Jitendra Bhimbhai; Yasvantrai Bhimbhai; Madanyad, Valsad.

(Transferors)

 Navsarjan Coop. Housing Society; C-8, Haji Market, Dharampur, Halar Cross Road, Valsad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at F. P. No. 63, TPS, 1, C. S. No. 2016/A, R. S. No. 156 paiki duly registored in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Dated 10th December, 1981 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Manibhai Dahyabhai Naik; Vijalpur, Navsari.

(Transferor)

(2) Mansukhlal Manibhai Patel; Naginbhai Devabhai Patel; Lnnsi-Kui, Navsari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmadabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1344.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 167, Vijalpur, situated at Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering

at Navsari on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the comi leration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 167-Vijalpur duly registered in April, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Dated: 10-12-1981.

(1) Sukhabhai Chhotabhai Patel; Gita Kunj, Ashabag, Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sheth Jalejar Keksharu Kapadia; Machhali Pith, Ugamani Mahollo, Surat.

(Transferco)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1345.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 254—Plot 46, situated at Ashabag, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Navasari on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later.

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 254—Plot 46, Ashabag, duly registered in April, 1981.

G. C. GARG
Competent Authroity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 10-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1517 Acq.23-I/81-82.---Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 74—F. P. No. 239 situated at Vastrapur, Tal. City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Darsan Surendra Parekh; Surendra Mangaldas Road, Eilisbridge, Ahmedabad

(Transferors)

(1) Het Vikas Mandal Owners' Association; Promoter; Shri Samedbhai V. Shah; Shrimali Society, Navrangpura, Ahmedabad. Secretary: Shri Bipinchandra Babubhai Shah; Usmanpura, Sumatinagar Society, Ahmedabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Vastrapur Tal. City bearing S. No. 74, F. P. No. 239, admeasuring A-2-21 guntha as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 3332 dated 1-4-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Dated: 15-12-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1506.Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G, C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mimovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 26 pałki situated at Bodakdev seem Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad on 20-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Shri Natvarbhai Naranbhai Patel Self and Karta of HUF. and guardian of minor Pareshbhai Natverbhai;
- Lalitaben Natvarlal Patel; Village Bodakdev, Tal. Dascroi.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Chandrayadan Ramanlal: Sulochanaben Chandravadan;
 Shri Kumal Chandravadan;

 - 4. Pallaviben Kamalbhai; 'Parnakuty' Near Gujarat College, Ahmedabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Bodakdev Seem bearing S. No. 26, paiki 1/3rd undivided share i.e. 5665 sq. yds. as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, of Ahmedabad vide Regn, No. 4268 dated 20-4-81.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Dated: 8-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1507. Acg 23-1/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing. S. No. 26 paiki situated at Bodakdev Scem Tal. Dascroi (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 20-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Arvindbhai Naraubhai Patel;
 Self and as a karta of HUF, and as a guardian of Vijayabhai Arvindbhai;
 Village Bodakdev, Tal. Dascroi, Distt. Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Shri Padmnabh Bhogilal; Shri Madanmohan Bhogilal; Nataraj Centre, Nr. I. T. Office, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Bodakdev seem bearing S. No. 26, paiki undivided 1/3rd share as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar of Ahmedabad vide Regn. No. 4204 dated 20-4-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
AcquisitionRange-I,
Ahmedabad.

Dated: 8-12-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1508.Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 26 paiki situated at Bodakdev Seem Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Rameshbhai Naranbhai Patel;
 - Self and as a karta of HUF,

 (ii) Shri Natvarlal Naranbhai Patel, Kulmukhatiyar of (Minor) Alpeshbhai Rameshbhai; Village Bodekdev, Tal. Dascroi, Distt. Ahmedabad,

(Transferors)

(2) Shri Padmanabh Bhogilal; Shri Madanmohan Bhogilal; Natraj Centre, Nr. Income-tax Office, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Bodakdev seem bearing S. No. 26 paiki undivided 1/3rd share as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, of Ahmedabad vide Regn. No. 4266 dated 20-4-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
cquisition Range-I,
Ahmedabad.

Dated: 8-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1509.Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 26 paiki situated at Bodakdev Seem Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41-416GI/81

(2) Shri Padmanabh Bhogilal; Shri Madanmohan Bhogilal; Natraj Centre, Nr. Income-tax Office, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Bodakdev seem bearing S. No. 26 paiki 1/3rd undivided share i.e. 5665 sq. yds. as fully described in the sale-deed duly registered with the Registering authority of Ahmedabad vide Regn. No. 4274 dated 20-4-81.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Dated: 8-12-1981

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1982

F. 12/4/81-EI(B)

New Delhi, the 16th January, 1982

A combined competitive examination for recruitment to Grade IV of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AIIMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, IUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAII (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMI A, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on the 29th June. 1982 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 16th January, 1982.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY. AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE. WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT, CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Amexure I, para 11).

- 2. The services to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in Grade IV of the Services are given below:—
 - (i) Indian Economic Service

40 (Includes 6 vacancies reserved for S. C. and 3 reserved for S. T. candidates)

(ii) Indian Statistical Service

40 (Includes 7 vacancies reserved for S. C. an 3 reserved for S. T. candidates)

The number of vacancies mentioned above are liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or both the Services, mentioned in para 2 above. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for both the Services, he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Sorvices for which he applies.

N.B.—A candidate will be considered only for the Service(s) for which he applies. A candidate who applies for both the Services should specify clearly in his application the order of his preference for the Services, so that

having regard to his rank in the order of mreit due consideration can be given to his preference when making appointments.

No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desire to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the 'Employment News'.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, 'Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 200 (Rupees two) which should be remitted to the Secretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi-General Post Office Cheques or currency notes will not be accepted in licu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two) will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINT-ED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SFRVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION 1982. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1982 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission. Dholpur House. New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 15th March, 1982 (29th March, 1982 in the case of candidates residing in Assam. Meghalava. Arunachal Pradesh. Mizoram. Manipur, Nagaland. Tripura. Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 15th March, 1982 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of I&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakhadweep or abroad from a date prior to 15th March, 1982.

NOTE (i) :—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time, (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

Nore (ii) :—Candidates are advised to deliver their applicaby Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rupees forty eight) Rs. 12.00 (Rupees twelve in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 30.00 (Rupees thirty), Rs. 8.00 (Rupees eight in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed tee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the tee paid to the Commission will be entertained except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 9. If any candidate who took the IES/ISS Examination held in 1981 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1981 examination his candidature for the 1982 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission office by 29th May, 1982.
- 10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 11. The question papers in some of the subjects as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference

may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

VINAY JHA, Joint Secretary

ANNEXURE-I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 29th May, 1982, will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards, his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination,

- 3. A candidate *must* send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of Notice and paras 5 and 6 below).
 - (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
 - (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
 - iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx) photograph of the candidate.
 - (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
 - (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).
 - (vii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in,
 - (viii) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately $11.5~{\rm cms}\!\times\!27.5~{\rm cms}.$

Note (i),—Candidates are requested to submit along with their applications only copies of certificates mentioned in items (ii), (iii), (v) & (vi) above attested by a gazetted officer of government or certified by candidates themselves as correct. Candidates who qualify for the viva voce on the results of the written part of the examination will be required to submit the originals of the certificates mentioned above. The results of the written examination are likely to be declared in the month of october, 1982. They should keep the originals of the certificates in readiness for submission at the time of viva voce. The candidature of candidates, who fail to submit the required certificates in original at that time, will be cancelled and the candidates will have no claim for further consideration.

Note (ii) Candidates are further required to sign the attested/certified copied of all the certificates sent along with application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in items (i) to (vi) are given below and in paras 4 5 and 6:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders pavable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary. Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary Union Public Service Commission pavable at the State Bank of Indian, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note:—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

(ii) Certificate of age.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School leaving Certificate or in certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternatic certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COM-PLETED SECONDARY SCHOOL CERTI-FICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTEST-ED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3.—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE: A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE RECORDES OF THE ADMISSOT AN EXAMINATION. TO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OF AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualifications.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can, to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one of more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of the University certificate.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result mey apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to caucellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 30th September, 1982.

- (iv) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size ($5\,\mathrm{cm.} \times 7\,\mathrm{cm.}$ approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the

form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, it both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

son/ in [nis is to cert daughter* of- District/Division itory*————)n*——	of village	e/town*- of the	State/Union
	e* which is				
	* under :—	recognised as	a schoo	inica Cas	tt/ Scheduled
	Constitution (
	Constitution r, 1951*.	(Scheduled	Castes)	(Union	Territories)
	Constitution or, 1951*.	(Scheduled	Tribes)	(Union	Territories)

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification)-Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andamau and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1961*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order 1978*

the	Constitution	(Sikkim)	Scheduled	Tribes	Order	1978*
_						

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).
- 5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(b)(ii) or 5(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971.—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various states;
 - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
 - Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) and/or remission of fee under paragragh 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to

migrate to India under the Indo-ceylon Agreement of October, 1964.

- (iii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Victnam claiming age concession under Rule 5(b)(vi) or 5(b)(vii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(viii) or 5(b)(ix) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a hona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.
- (v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(x) or 5(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified th	at Runk R	[o		Shri-		
of Unit		was	disabled	while in	the	Defence
Services in	operations	during	hostili	ties with	8	foreign
country/in a	disturbed	arca* a	nd was	released	as	a result
of such disab	llity.					

Signature	-
Designation	
Date	

"Strike out whichever is not applicable.

- (vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(b)(xii) or 5(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age concession in terms of Rule 5(b)(xiv) or 5(b)(xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned.
- (A) Applicable for Released/Retired Personnel.

It is certified that No.	Rank
Name	whose date of birth is
	has rendered service from
	in Army/Navy/Air Force and
he fulfils ONE of the fo	ollowing conditions :

(a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency. (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on

Name and Designation of the Competent Authority SEAL

Station

Date

(B) Application for serving personnel.

- 2. He is due for release/retirement w.e.f. is likely to complete his assignment of five years by
 - 3. No disciplinary case is pending against him.

Name and Designation of the Competent Authority

SEAL

Station

Date

Authorities who are competent to issue certificates are as follows:—

(a) In case of Commissioned Officers including ECOs/ SSCOs.

Army—Directorate of Personnel Services, Army Hqrs. New Delhi.

Navy-Directorate of Personnel Services, Naval Hqrs. New Delhi.

Air Force—Directorate of Personnel Services, Air Hqrs. New Delhi.

(b) In case of ICOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-Naval Records, Bombay.

Air Force—Air Force Records, New Delhi.

- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms).

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars, that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise taraper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepency may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not lpso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for recent of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, *lpso-facto* mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi (110054) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash, payment. These can also be obtained only against cash payment from (1) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block Baba Kharag Şingh Marg. New Delhi (110001), (ii) Sale Counter of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi (110001) and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K.S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.
- 13. Communications regarding applications:—All COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - 1. NAME OF EXAMINATION.
 - 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

- 3. APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- 4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- 5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NFCESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE---II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

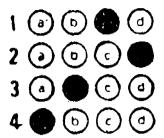
The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items - bearing numbers 1, 2, 3,... etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a. b. c. d. are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to

indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and remark the new-choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- 3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS PILLE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.